सेंसेक्स	82,634.48
निफ्टी	25,212.05
सोना	99,280
चांदी	114000
डॉलर	85.89

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

बालाघाट
गुरुवार 17 जुलाई 2025
श्रावण कृष्ण 07 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 292
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

NATO की भारत पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी

कहा- इंडियन पीएम हों या चीनी राष्ट्रपति, रूस को जंग रोकने को कहें, वरना नतीजा भुगतना होगा

ब्रसेल्स। नाटो ने भारत, चीन और ब्राजील पर 100% टैरिफ लगाने की धमकी दी है। नाटो महासचिव मार्क रूट ने बुधवार को कहा कि अगर आप चीन के राष्ट्रपति, भारत के प्रधानमंत्री या ब्राजील के राष्ट्रपति हैं, तो आपको यह समझना होगा कि रूस के साथ व्यापार जारी रखने का भारी नुकसान हो सकता है।

रूट ने बुधवार को अमेरिकी सीनेटरों से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि इन तीनों देशों को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर दबाव डालना चाहिए, ताकि वह शांति वार्ता को गंभीरता से लें।

रूट ने तीनों देशों पर सेकेंडरी प्रतिबंध लगाने की भी धमकी दी है। उन्होंने कहा कि अगर ये देश रूस से तेल और गैस खरीदना जारी रखते हैं तो इन देशों पर 100% सेकेंडरी प्रतिबंध लगाए जाएंगे।

दो दिन पहले ट्रम्प ने रूस पर 100 प्रतिशत टैरिफ की धमकी दी

ट्रम्प ने सोमवार को रूस पर यूक्रेन से जंग खत्म करने का दबाव डालने के लिए भारी टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। ट्रम्प ने कहा था- मैं ट्रेड को कई चीजों के लिए इस्तेमाल करता हूं, लेकिन यह युद्ध खत्म करने के लिए बहुत अच्छा है।

ट्रम्प ने कहा था कि अगर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 50 दिन में यूक्रेन के साथ शांति समझौता नहीं किया, तो उस पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगेगा। ट्रम्प ने बताया कि यह 'सेकेंडरी टैरिफ' होगा, जिसका मतलब रूस से तेल खरीदने वाले देशों, जैसे भारत और चीन, पर भी प्रतिबंध लगेगा।

रूस बोला- अपनी नीतियां नहीं बदलेंगे

वहीं, रूसी उप विदेश मंत्री सर्गेई रियाबकोव ने अमेरिका और नाटो की धमकियों को खारिज किया। उन्होंने कहा, रूस ट्रम्प के साथ बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन इस तरह के अल्टीमेटम मंजूर नहीं हैं। रियाबकोव ने कहा कि रूस आर्थिक दबाव के बावजूद अपनी नीतियां नहीं बदलेगा और ऑप्शनल बिजनेस रूट तलाशेगा। नाटो महासचिव की यह चेतावनी उस समय आई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने यूक्रेन को नए हथियार देने और रूस के व्यापारिक साझीदारों पर भारी टैक्स लगाने की घोषणा की है। अमेरिका अब यूक्रेन को पैट्रियट मिसाइल जैसे आधुनिक हथियार देने वाला है, ताकि वह रूस के हमलों से बच सके।

सेकेंडरी प्रतिबंध के बारे में जानिए...

सेकेंडरी प्रतिबंध उन देशों या कंपनियों पर लगाए जाते हैं जो सीधे प्रतिबंधित देश पर नहीं, लेकिन उसके साथ व्यापार करने वाले देशों या कंपनियों पर लगाए जाते हैं।

इसे आसान भाषा में ऐसे समझिए कि जैसे अमेरिका ने ईरान पर प्रतिबंध लगा रखा है। अगर अब भारत की कोई कंपनी ईरान से तेल खरीदती है, तो अमेरिका कह सकता है कि भारत की कंपनी ने हमारे प्रतिबंधों की अनदेखी की है, ऐसे में हम उन्हें सजा देंगे।

सेकेंडरी प्रतिबंध का भारत पर क्या असर होगा?

भारत रूस से कच्चे तेल का एक बड़ा खरीदार है। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद से भारत ने रूस से सस्ता तेल खरीदकर अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा किया है। अगर सेकेंडरी प्रतिबंध लागू होते हैं, तो भारत पर इसके बुरे प्रभाव पड़ सकते हैं।

तेल आपूर्ति में रुकावट- भारत रूस से अपनी कुल तेल आयात का एक बड़ा हिस्सा खरीदता है। प्रतिबंधों के कारण रूसी तेल की आपूर्ति रुक सकती है। इससे भारत को वैकल्पिक स्रोतों (जैसे सऊदी अरब, इराक) से महंगा तेल खरीदना पड़ सकता है, जिससे तेल की कीमतें बढ़ेंगी।

आर्थिक नुकसान- अगर भारत रूस से तेल खरीदना बंद करता है, तो ईंधन की कीमतें बढ़ सकती हैं, जिसका असर आम जनता पर पड़ेगा। अगर भारत रूस के साथ व्यापार जारी रखता है, तो अमेरिका भारतीय कंपनियों या बैंकों पर प्रतिबंध लगा सकता है, जिससे भारत का निर्यात और वित्तीय लेनदेन प्रभावित होगा।

ऊर्जा संकट- रूस से तेल आयात बंद होने पर भारत की ऊर्जा सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। वैश्विक तेल बाजार पहले से ही अस्थिर है, और नए प्रतिबंध इस स्थिति को और बिगाड़ सकते हैं। भारत को तेल की कमी से बचने के लिए आपातकालीन योजनाएं बनानी पड़ सकती हैं।

अंतरराष्ट्रीय दबाव- भारत को अमेरिका और नाटो के दबाव का सामना करना पड़ सकता है, जिससे उसकी विदेश नीति पर असर पड़ेगा। भारत को रूस और पश्चिमी देशों के बीच संतुलन बनाना मुश्किल हो सकता है।

कृषि और ऊर्जा क्षेत्र के लिए तीन योजनाओं को मोदी कैबिनेट ने दी मंजूरी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में देश की कृषि और ऊर्जा क्षेत्र को नई दिशा देने वाले तीन बड़े फैसलों को मंजूरी मिली। इसमें एक ओर जहां कृषि जिलों के समग्र विकास की योजना को स्वीकृति दी गई, वहीं दूसरी ओर एनर्जी में बड़े पैमाने पर निवेश का रास्ता साफ हुआ।

केंद्रीय कैबिनेट ने ‡प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना‡ को 2025-26 से शुरू कर छह वर्षों के लिए मंजूरी दी है। इसका टारगेट 100 कृषि जिलों का विकास करना है। यह योजना नीति आयोग के 'आकांक्षी जिलों' कार्यक्रम से प्रेरित है, लेकिन यह खासतौर से कृषि और उससे जुड़े क्षेत्रों पर केंद्रित है। मोदी सरकार की इस योजना का मकसद कृषि उत्पादकता बढ़ाना, फसल डाइवर्सिफिकेशन को प्रोत्साहित करना, टिकाऊ कृषि विकल्प को अपनाना, पंचायत और ब्लॉक स्तर पर भंडारण की सुविधा बढ़ाना, सिंचाई व्यवस्था को बेहतर करना है।

इस योजना को 11 मंत्रालयों की 36 योजनाओं के कोऑर्डिनेशन के जरिए लागू किया जाएगा, जिसमें राज्य सरकारों की योजनाएं और निजी क्षेत्र की साझेदारी भी शामिल होगी। 100 जिलों का चयन कम उत्पादकता, कम फसल साइकिल और कम लोन डिस्ट्रिब्यूशन जैसे तीन प्रमुख मानकों के आधार पर होगा। हर राज्य से कम से कम एक जिला योजना में शामिल होगा।

इसके अलावा मोदी कैबिनेट ने एनटीपीसी लिमिटेड को रेन्वेबल एनर्जी क्षेत्र में निवेश के लिए मौजूदा सीमा से ऊपर जाकर 20,000 करोड़ रुपये तक निवेश की मंजूरी दी। यह निवेश एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एनजीईएल) और इसकी सहायक कंपनियों और संयुक्त उपक्रमों के जरिए किया जाएगा, ताकि 2032 तक 60 गीगावॉट रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता हासिल हो सके। वहीं एनएलसीआईएल को भी 7,000 करोड़ रुपये के निवेश की विशेष छूट दी गई है, जो वह अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी एनएलसी इंडिया रिन्यूएबल्स लिमिटेड (एनआईआरएल) के जरिए रेन्वेबल एनर्जी प्रोजेक्ट में लगाएगी। इससे कंपनी को संचालन और वित्तीय लचीलापन मिलेगा।

केंद्रीय कैबिनेट में लिए गए फैसले की जानकारी देकर सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना फसल कटाई के बाद भंडारण क्षमता बढ़ाएगी, सिंचाई सुविधाओं में सुधार करेगी और कृषि उत्पादकता में बढ़ोतरी करेगी। इस कार्यक्रम से 1.7 करोड़ किसानों को मदद मिलने की उम्मीद है।

कानून की मदद करने के लिए लोगों में डर पैदा करना भी आतंकी कृत्य- सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली,। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि किसी अपराध को केवल तभी आतंकवादी कृत्य नहीं कहा जा सकता जब आरोपी को आतंकवाद विरोधी कानून के तहत दोषी ठहराया गया हो। कोर्ट ने कहा कि सेना के मुखबिर की हत्या करके लोगों को कानून का पक्ष लेने से रोकने के लिए भय का माहौल पैदा करना भी आतंकवादी कृत्य है, भले ही इस मामले में आतंकवाद विरोधी कानून लागू न किया गया हो।

जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस एसवीएन भट्टी की बेंच इस बात से सहमत नहीं थी कि जम्मू-कश्मीर में सेना के मुखबिर समेत तीन नागरिकों की एके-47 से हत्या आतंकवादी कृत्य नहीं थी, क्योंकि इसमें आतंकवाद विरोधी कानून के तहत दोषसिद्धि नहीं हुआ। बेंच ने इस मामले में 27 साल जेल में बिता चुके एक दोषी गुलाम मोहम्मद भट की सजा माफी याचिका पर विचार करते हुए अपनी आपत्ति व्यक्त की।

यह अराजकता फैलाने के लिए किया गया था ताकि कोई भी कानून का पक्ष लेने की हिम्मत न कर सके, तो यह निश्चित रूप से एक आतंकवादी कृत्य के लक्षण रखता है और इस नीति के तहत छूट नहीं दी जा सकती। आपको छूट नीति को चुनौती देनी होगी।

कैदी गुलाम भट ने दलील दी कि उसे आतंकवाद-रोधी कानून के तहत नहीं, बल्कि केवल हत्या के आरोप में दोषी ठहराया गया था। इसलिए उसके कृत्य को आतंकवादी कृत्य नहीं कहा जा सकता। जम्मू-कश्मीर सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि आतंकवादी कृत्य के लिए आजीवन कारावास की सजा काट रहा कोई भी अपराधी राज्य की नीति के तहत छूट का हकदार नहीं है। कैदी गुलाम की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट ने कहा कि भट को केवल हत्या और शस्त्र अधिनियम के तहत दोषी ठहराया गया था, न कि तत्कालीन आतंकवाद-रोधी कानून टाडा के तहत।

उन्होंने कहा कि कोर्ट में ऐसा कुछ भी साबित नहीं हुआ जिससे टाडा के प्रावधान लागू हों। निचली अदालत या हाई कोर्ट ने इसे कभी आतंकवादी कृत्य नहीं माना। जम्मू-कश्मीर सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि घटनास्थल से ग्रेनेड दागने वाले हथियार समेत विस्फोटक उपकरण भी बरामद किए गए हैं।

संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से, जोरदार हंगामे के आसार

आठ विधेयकों को पेश करने की तैयारी में केंद्र सरकार

नई दिल्ली। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू हो रहा है। इस मानसून सत्र में सरकार आठ नए विधेयक पेश करेगी। इनमें मणिपुर में राष्ट्रपति शासन से जुड़ा विधेयक भी शामिल है। सरकार मणिपुर में राष्ट्रपति शासन बढ़ाने पर विचार कर रही है। इससे साफ है कि सरकार की इस उत्तर पूर्वी राज्य में फिलहाल राष्ट्रपति शासन हटाने की कोई योजना नहीं है। मणिपुर में 13 फरवरी को राष्ट्रपति शासन लागू किया गया था। राष्ट्रपति शासन के लिए सरकार को हर छह महीने में संसद की मंजूरी लेनी होती है। फिलहाल राज्य में राष्ट्रपति शासन की समयसीमा 13 अगस्त है।

बता दें कि बीते अप्रैल माह में खत्म हुए संसद के बजट सत्र के दौरान लोकसभा की उत्पादकता लगभग 18 फीसदी रही थी। संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू के मुताबिक राज्यसभा में भी भरपूर कामकाज हुआ और इस सदन की उत्पादकता 119 फीसदी रही। संसद के दोनों सदनों में 16 विधेयक पारित किए गए। इस सत्र के दौरान काफी हंगामा भी हुआ, लेकिन संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की रिपोर्ट प्रस्तुत किए जाने के बाद, वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 पारित किया गया।

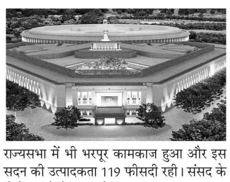

ये विधेयक हो सकते हैं संसद में पेश

संसद के आगामी सत्र में सरकार मणिपुर वस्तु एवं सेवा कर (संशोधन) विधेयक 2025, जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) विधेयक 2025, भारतीय संस्थान प्रबंधन (संशोधन) विधेयक 2025, कराधान विधि (संशोधन) विधेयक 2025, भू-विरासत स्थल एवं भू-अवशेष (संरक्षण एवं रखरखाव) विधेयक 2025, खान एवं खान (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक 2025, राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक 2025 और राष्ट्रीय डोपिंग रोधी (संशोधन) विधेयक 2025 को लोकसभा में पेश और पारित करा सकती है। साथ ही गोवा राज्य के विधानसभा क्षेत्रों में अनुसूचित जनजातियों के प्रतिनिधित्व का पुनर्समायोजन विधेयक 2024, मर्चेंट शिपिंग विधेयक 2024, भारतीय बंदरगाह विधेयक 2025 और आयकर विधेयक 2025 को भी लोकसभा में पारित किए जाने की उम्मीद है।

राहुल गांधी ने पीएम मोदी को पत्र लिखकर की मांग

जम्मू-कश्मीर को मिले राज्य का दर्जा

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने की मांग की है। राहुल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर कहा कि, संसद के आगामी मानसून सत्र में जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने के लिए बिल लाया जाए। राहुल ने अपने पत्र में प्रधानमंत्री मोदी के पुराने दो बयानों का भी जिक्र किया। जब पीएम ने 19 मई 2024 को भुवनेश्वर में और 19 सितंबर 2024 को श्रीनगर की रैली में जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा दिलाने की बात कही थी। इसके अलावा राहुल ने सरकार से लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने के लिए कानून लाने का भी अनुरोध किया। साल 2019 में अनुच्छेद 370 और 35ए हटाते समय जम्मू-कश्मीर और लद्दाख दो केंद्र शासित प्रदेश बनाए गए थे। सरकार ने उस समय ही राज्य के हालात सामान्य होने पर पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने का भरोसा दिया था। जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 के तहत जम्मू-कश्मीर राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में पुनर्गठित किया गया था। इसलिए पूर्ण राज्य के दर्जे के लिए संसद में एक कानून पारित कर पुनर्गठन अधिनियम में बदलाव करना होगा। यह बदलाव संविधान की धारा 3 और 4 के तहत होंगे। राज्य का दर्जा देने के लिए लोकसभा और राज्यसभा में नए कानूनी बदलावों का अनुमोदन जरूरी होगा, यानी संसद से इस प्रस्ताव को मंजूरी मिलना जरूरी है।

श्री हरिमंदिर साहिब को उड़ाने की धमकी

लगातार तीसरे दिन आया ईमेल, पाइपों में आरडीएक्स भर दिया है... धमाके होंगे

अमृतसर। अमृतसर के श्री हरिमंदिर साहिब को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी वाला ईमेल आया है। लगातार तीसरे दिन ऐसी धमकी आई है। यह ईमेल एसजीपीसी के प्रबंधकों को भेजा गया है। जिसके बाद श्री हरिमंदिर साहिब परिसर और उसके आसपास पुलिस की ओर से सुरक्षा को पहले से और ज्यादा बढ़ा दिया गया है। इसके साथ ही अर्धसैनिक बल भी तैनात कर दिए गए हैं। जानकारी के मुताबिक एसजीपीसी को बुधवार को फिर से एक ईमेल प्राप्त हुआ, जिसमें लिखा हुआ था कि आसपास की पाइपों में आरडीएक्स भर दिया गया है और इसी के साथ धमाके किए जाएंगे। वहीं पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत सिंह ने कहा कि सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। साइबर सेल की ओर से ईमेल की जांच की जा रही है। जल्द ही इन शरारती तत्वों को दबोच लिया जाएगा। श्री हरिमंदिर साहिब को आने जाने वाले हर एक रास्ते पर सुरक्षा व्यवस्था को कड़ा कर दिया गया है और लोगों पर नजर रखी जा रही है। इसके अलावा संदिग्ध लोगों के सामान आदि की भी जांच की जा रही है। धमकी के बाद श्री हरिमंदिर साहिब के आसपास पंजाब पुलिस के साथ-साथ बीएसएफ को भी तैनात किया गया।

सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट की नई रिपोर्ट में खुलासा

ओजोन प्रदूषण की चपेट में आ रहे देश के महानगर

-कोलकाता, बेंगलुरु, मुंबई, हैदराबाद और चेन्नई के लिए मुसीबत ला रहा ओजोन प्रदूषण!

नई दिल्ली। भारत के बड़े शहरों जैसे कोलकाता, बेंगलुरु, मुंबई, हैदराबाद और चेन्नई में इस गर्मी (2025) में जमीन के स्तर पर ओजोन प्रदूषण ने खूब सिर उठाया है। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट की नई रिपोर्ट के मुताबिक, इन शहरों में ओजोन का स्तर कई दिनों तक 8 घंटे के मानक से ज्यादा रहा। यह प्रदूषण इतना खतरनाक है कि यह लोगों के स्वास्थ्य और खेती पर बुरा असर डाल रहा है। इस समस्या को समझते हैं और जानते हैं कि क्या करना जरूरी है।

ओजोन एक गैस है जो तीन ऑक्सीजन अणुओं से बनती है। ऊंचे आसमान में यह हमें सूरज की हानिकारक किरणों से बचाती है, लेकिन जमीन के पास यह प्रदूषण बन जाता है। यह सीधे किसी स्रोत से नहीं निकलता, बल्कि वाहनों, उद्योगों और बिजलीघरों से निकलने वाली नाइट्रोजन ऑक्साइड, वाष्पशील कार्बनिक यौगिक और कार्बन मोनोऑक्साइड के सूरज की रोशनी में रासायनिक प्रतिक्रिया से बनता है। यह गैस बहुत प्रतिक्रियाशील होती है। हवा में लंबी दूरी तक फैल सकती है, जिससे यह शहरों से लेकर गांवों तक को प्रभावित करती है।

शहरों में ओजोन का हाल

रिपोर्ट के मुताबिक, इस गर्मी (मार्च-मई 2025) में कई शहरों में ओजोन का स्तर खतरनाक स्तर पर पहुंच गया। दिल्ली की रिपोर्ट पहले ही जारी हो चुकी है, इसलिए इस अध्ययन में उसे शामिल नहीं किया गया। बेंगलुरु में इस गर्मी में 92 दिनों में से 45 दिन ओजोन का स्तर मानक से ज्यादा रहा, जो पिछले साल की तुलना में 29 प्रतिशत की बड़ी बढ़ोतरी है। होमबेगोड़ा नगर सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्र रहा। मुंबई में 92 दिनों में 32 दिन ओजोन स्तर बढ़ा, जो पिछले साल की तुलना में 42 प्रतिशत कम है। चकाला सबसे प्रभावित इलाका रहा। कोलकाता में 22 दिन ओजोन स्तर बढ़ा, जो पिछले साल की तुलना में 45 प्रतिशत कम है। रवींद्र सरोवर और जादवपुर हॉटस्पॉट बने। हैदराबाद में 20 दिन ओजोन स्तर बढ़ा, जो पिछले साल की तुलना में 55 प्रतिशत कम है। बोल्लारम सबसे ज्यादा प्रभावित रहा। चेन्नई में 15 दिन ओजोन स्तर बढ़ा, जो पिछले साल शून्य था। आलंदुर सबसे प्रभावित क्षेत्र रहा।

खास खबर

दिल्ली के 5 स्कूलों में बम की धमकी

नई दिल्ली। दिल्ली में बुधवार को लगातार तीसरे दिन ईमेल के जरिए स्कूलों को बम की धमकी दी गई है। धमकी मिलते ही सभी स्कूलों को एहतियातन खाली करा लिया गया। पुलिस ने पूरे इलाके को घेर लिया और बम स्क्वॉड, डॉग स्क्वॉड और फायर ब्रिगेड की मदद से सर्च ऑपरेशन चलाया गया। फिलहाल अब तक किसी भी स्थान से कोई विस्फोटक या संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है, हालांकि, जांच अभी जारी है। 3 दिनों में अब तक 10 स्कूलों और 1 कॉलेज को बम से उड़ाने की धमकी मिल चुकी है। इससे पहले सोमवार को 2 और मंगलवार को 3 स्कूलों को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। जांच करने पर कोई भी विस्फोटक नहीं मिला था।

पुनीत कुमार गोयल होंगे मणिपुर के मुख्य सचिव

इंफाल। सीनियर आईएएस अधिकारी पुनीत कुमार गोयल को मणिपुर का नया मुख्य सचिव नियुक्त किया गया है। वे प्रशांत कुमार सिंह की जगह लेंगे। गोयल एजीएमयूटी कैडर के 1991 बैच के अधिकारी हैं। सिंह को राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग का सचिव नियुक्त किया गया है। उन्होंने जनवरी 2025 में मणिपुर के मुख्य सचिव का कार्यभार संभाला था।

कर्नल और उनके बेटे से मारपीट की जांच अब सीबीआई करेगी

चंडीगढ। भारतीय सेना के कर्नल पुषपिंदर बाठ और उनके बेटे के साथ मार्च में पटियाला में हुई मारपीट मामले में अब नया मोड़ आ गया है। पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट ने बुधवार को इस मामले की जांच सीबीआई को सौंपने का आदेश दिया। इससे पहले यह जांच चंडीगढ़ पुलिस कर रही थी, लेकिन कोर्ट ने माना कि यूटी पुलिस मामले की निष्पक्ष और प्रभावी जांच करने में विफल रही। अदालत की ओर से औपचारिक आदेश भी जारी किया जाएगा, जिसमें यह स्पष्ट होगा कि सीबीआई को कितने समय में जांच पूरी करनी है। वहीं, पंजाब के फाइनेंस मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि जांच होनी चाहिए। पहले परिवार ने चंडीगढ़ पुलिस से मांग की थी। बाकि जांच का आदेश आने के बाद सारी स्थिति साफ हो पाएगी। इस मामले की एफआईआर दर्ज हुए तीन महीने हो गए हैं, जबकि जांच एसआईटी को ट्रांसफर हुए भी तीन महीने हो चुके हैं, लेकिन अभी इस मामले में कोई भी आरोपी गिरफ्तार नहीं किया गया है।

एनसीईआरटी की किताब में मुगल काल की नई समीक्षा, नए सत्र से पढ़ेंगे छात्र

नई दिल्ली। अकबर का शासन क्रूरता और सहिष्णुता का मिश्रण था, जबकि औरंगजेब एक सैन्य शासक था जिसने गैर-इस्लामी प्रथाओं पर बैन लगाया और गैर-मुसलमानों पर टैक?स लगाया। मुगल काल की ये नई समीक्षा एनसीईआरटी की कक्षा 8 की किताब में शामिल की गई है। कक्षा 8 की सामाजिक विज्ञान की कितान में मुगल शासकों के धार्मिक फैसले, सांस्कृतिक योगदान की नई व्याख्या की गई है। ये किताब 2025-26 एकेडमिक सेशन से ही स?कूलों में लागू होगी। जानकारी के मुताबिक किताब में मुगल सल्तनत के पहले शासक बाबर को तुर्क-मंगोल शासक और सैन्य रणनीतिकार लिखा गया है। इसके साथ बताया कि बाबर ने 1526 में पानीपत की लड़ाई में बारूद और तोपखाने की मदद से इब्राहिम लोदी को हराया और दिल्ली सल्तनत का खात्मा कर दिया।

सीजेआई चंद्रचूड़ की बनाई कांच की दीवार....बीआर गवई ने हटवाई

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट में एक साल से भी कम समय में बनाई गई कांच की दीवार को हटाया गया है, इससे सरकारी खजाने को 2.68 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। यह दीवार तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ ने कोर्ट परिसर को आधुनिक बनाने और केंद्रीकृत वातानुकूलन में मदद करने के उद्देश्य से बनवाई थी।

क्या था पूरा मामला?

नवंबर 2022 में सीजेआई चंद्रचूड़ ने सुप्रीम कोर्ट की पहली पांच अदालतों के बाहर स्थित ऐतिहासिक कॉरिडोर में कांच की दीवारें लगवाने का आदेश दिया था। उनका तर्क था कि इससे सेंट्रलाइज्ड एयर कंडीशनिंग में सुधार होगा और परिसर को अधिक आरामदायक बनेगा। लेकिन वकीलों के संगठनों, सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) और सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट्स-ऑन-रिकॉर्ड एसोसिएशन ने सीजेआई चंद्रचूड के फैसले का कड़ा विरोध किया। उन्होंने आरोप लगाया कि इन दीवारों ने गलियारों की चौड़ाई कम कर दी है, जिससे आवाजाही में दिक्कत होने से भीड़भाड़ बढ़ रही है। उनकी मुख्य शिकायत यह भी थी कि यह फैसला उनसे बिना किसी परामर्श के थोपा गया था। सीजेआई चंद्रचूड़ के सेवानिवृत्त होने के बाद, बार संघों ने उनके उत्तराधिकारी सीजेआई संजीव खन्ना से शीशे हटाने की मांग की, लेकिन उनके कार्यकाल में इस पर कोई फैसला नहीं हुआ।

जिला स्तरीय परामर्श दात्री समिति की बैठक का 3 वर्ष बाद हुआ आयोजन

कर्मचारियों ने अधिकारियों के सामने रखी अपनी समस्या ,15 दिनों के भीतर समस्या के निराकरण का दिया है आश्वासन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिला स्तरीय परामर्श दात्री समिति की बैठक का आयोजन 16 जुलाई को कलेक्टर कार्यालय के सभा हाल में प्रातः 11ः00 बजे से 1ः00 बजे तक आयोजन किया गया । यहां समिति के पदाधिकारीयों द्वारा बताया गया कि यह बैठक बीते 3 वर्षों से आयोजित नहीं की गई थी। जिस कारण से बैठक को लेकर कर्मचारियों में भी रोष व्याप्त था। विकासखंड स्तरों पर भी इस बैठक का आयोजन नहीं होने से विकासखंड की समस्याएं भी जिला स्तर पर आ रही थी। कुछ कर्मचारियों द्वारा प्रमुख रूप से मान्यता प्राप्त संगठनों के शिक्षकों के स्थानांतरण करने का विषय भी इस बैठक में प्रमुख रूप से रखा गया। जिसमें समिति के सदस्यों ने कहा कि मान्यता प्राप्त संगठन के कर्मचारियों का स्थानांतरण नहीं होना चाहिए। जबकि इसमें शासन से भी उन्हें निर्देश मिले हुए हैं। अधिकारियों ने भी इस पूरे विषय पर 15 दिन के भीतर समस्याओं के निराकरण की बात कही है।

आपको बता दे की 16 जुलाई को कलेक्टर मृणाल मीणा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय संयुक्त परामर्शदात्री समिति की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में शासन से मान्यता प्राप्त कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारियों के साथ कर्मचारियों की समस्याओं पर चर्चा की गई और उनके निराकरण के लिए निर्देश दिये गए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर जीएस धुर्वे, सहायक कलेक्टर आकाश अग्रवाल, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, सभी विभागों के जिला अधिकारी एवं कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर श्री मीणा ने बैठक में कहा शासन स्तर से निराकृत होने वाले मामलों पर जिला स्तरीय समिति में निर्णय नहीं हो सकते है। कर्मचारियो की जिन समस्याओं का निराकरण जिला स्तर पर किया जा सकता है उन पर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। बैठक में कर्मचारी संगठन द्वारा अर्जित अवकाश नगदीकरण, अनुकम्पा नियुक्ति, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को वर्दी का प्रदाय, अध्यापक संवर्ग के शिक्षकों को 12 व 24 वर्ष की सेवा होने पर समय पर क्रमोन्नति प्रदान करने, सेवा निवृत्त हुए कर्मचारियों को समस्त स्वत्वों का भुगतान 02 माह के भीतर अनिवार्य रूप से करने, आदिवासी क्षेत्रों में परियोजना भत्ता नहीं मिलने, डीए एरियर का भुगतान समय पर नहीं करने जैसी समस्याओं पर चर्चा की गई। इस दौरान कलेक्टर श्री मीणा ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि कर्मचारियों की इन समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जाए और जो मामले उठाए गए है उन पर त्वरित कार्यवाही

की जाए। अनुकम्पा नियुक्ति के प्रकरणों में उन्होंने कहा कि पद रिक्त होने पर नियुक्ति प्रदान कर दी जाएगी। बैठक में सर्व शिक्षा अभियान के जिला परियोजना समन्वयक श्री जीपी बर्मन के अनुपस्थित रहने पर उनका 02 दिन का वेतन काटने के निर्देश दिये गए। बैठक में सभी जिला अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि नियमित अंतराल पर कार्यालय में परामर्शदात्री समिति की बैठक आयोजित करे और उसमें कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों को आमंत्रित करे। कर्मचारी संगठनों द्वारा दिये गए पत्रों का जवाब अवश्य दिया जाए। सभी एसडीएम को तहसील स्तर पर भी परामर्शदात्री समिति की बैठक आयोजित कराने के निर्देश दिये गए। लोक निर्माण विभाग, जल संसाधन विभाग, वन विभाग मे शासन के नियमानुसार न्यूनतम वेतनमान दिए जाने के निर्देश दिए गए, सामान्य प्रसासन विभाग के निर्देशानुसार सभी विभागीय कार्यालयों मे डॉ भीमराव अम्बेडकर का छाया चित्र अनिवार्य रूप से लगाए जाने के निर्देश दिये गए।

विभागों में बनी हुई है कई समस्या

अलग-अलग संगठनों के पदाधिकारी द्वारा अपने-अपने विभागों की समस्याओं को मीडिया के सामने भी रखा गया और बताया गया कि आज विभागों में कई छोटी से लेकर बड़ी समस्याएं कर्मचारियों को है और यदि विभाग समय-समय पर परामर्श दात्री समिति की बैठक लेता है तो निश्चित ही कर्मचारियों की समस्या धीरे-धीरे सामने आएंगे कई अपनी सेवानिवृत्ति के बाद पेंशन के लिए विभागों के चक्कर लगाते रहते हैं । इन सब समस्याओं का तुरंत ही बैठक में निराकरण करने की बात कही गई है ।

अधिकारी ही कर्मचारियों की समस्याओं पर ध्यान नहीं देते - सजल

समिति के पदाधिकारी सजल मसकी द्वारा बताया गया कि आज समिति की बैठक आयोजित की गई थी। उसमें उन्होंने मान्यता प्राप्त संगठन के पदाधिकारी के ट्रांसफर का विषय रखा गया है । बैठक में भी यह माना गया कि इस प्रकार से उनका स्थानांतरण नहीं किया जाना था। क्योंकि यह संबंधित शाखाओं के कर्मचारियों की गलती है । जिस कारण आज स्थानांतरण हुए हैं । मान्यता प्राप्त संगठनों के पदाधिकारी के स्थानांतरण हुए हैं जिस पर बैठक में संज्ञान लिया गया है और 15 दिनों के भीतर इसमें कार्रवाई की बात कही गई है । उन्होंने यह भी बताया कि अधिकारी वर्ग कर्मचारियों की समस्या सुनना चाहते हैं । लेकिन विभागीय अधिकारी ही कर्मचारियों की समस्याओं पर ध्यान नहीं देते हैं।

रेल्वे स्टेशन में चलाया गया नशा मुक्ति अभियान

विघार्थियों को दिलाई गई नशा से दूर रहने की शपथ

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। प्रदेश शासन के निर्देशन पर संपूर्ण मध्य प्रदेश में 15 से 30 जुलाई तक नशा मुक्ति जन जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है ।जहां प्रदेश के रेलवे डीजीपी के निर्देश पर पुलिस विभाग में इस अभियान के तहत रोजाना ही जगह जगह विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जा रहे है ।इसी क ?ी में रेल जबलपुर पुलिस अधीक्षक सुश्री शिमाला प्रसाद के मार्गदर्शन में नशे से है दूरी जरूरी अभियान के तहत आज 16 जुलाई बुधवार को रेलवे स्टेशन बालाघाट में स्कूल कॉलेज के छात्र छात्राओं को नशे के दुष्प्रभाव और उससे होने वाले गंभीर परिणाम के बारे में जानकारी दी गई ।इसके साथ ही सामुहिक रूप से नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई गई ।बताया गया कि नशे जैसी गंदगी को हम सब मिलकर अपने घर गली मोहल्ले से बाहर करना है और लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करना है ।इस अभियान में चौकी प्रभारी रवि मांझी ,प्रधान आर. राकेश कुमार गढ़पाल, आर.योगेश मस्करे हनमंत सैयाम एवं महिला आर.ललिता दसरिया सीमा गजभिए सहित अन्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

राधिका असाटी बनी इनर व्हील क्लब ऑफ बालाघाट टाइग्रेस की अध्यक्ष

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । इनर व्हील क्लब ऑफ बालाघाट टाइग्रेस द्वारा बुधवार को शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें नव नियुक्त पदाधिकारियो को उनकी जिम्मेदारी सौपते हुए उन्हें उनके कार्य के प्रति शपथ दिलाई गई ।आयोजित कार्यक्रम के दौरान मनीषा छूट्टानी द्वारा अध्यक्ष पद का कार्यभार राधिका तपेश असाटी को सौपा गया तो वही वर्षा चंदानी द्वारा सचिव पद का कार्यभार सोनल गांधी को सोपा गया है ।बताया गया कि समाज सेवा में अग्रणी संस्था इनर व्हील क्लब की राधिका असाटी ने पूर्व में क्लब के विभिन्न पदों पर अपनी सेवा दी है। वे आइएसओ ,उपाध्यक्ष, सह सचिव एवं असाटी समाज की अध्यक्ष भी रही है ।इन्होंने वृक्षारोपण मेडिकल कैंप शिक्षा को लेकर बहुत सारे काम किए हैं । एवं वर्तमान में इनर व्हील क्लब की अध्यक्ष बनने के बाद समाज में गरीबों वृद्ध जनों दिव्यांगों की मदद का बीड़ा उठाया है ।जो पर्यावरण सुरक्षा एवं मेडिकल को लेकर भी वे अपनी टीम के साथ काम करेगी ।शपथ ग्रहण समारोह में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारती सुरजीत सिंह ठाकुर कार्यक्रम अध्यक्ष गोपाल सोनी डॉ गुरमीत त्रिवेदी मौसम बिसेन डीजीएन भानु प्रताप सिंह चौधरी रोटरी क्लब ऑफ बालाघाट टाइगर के अध्यक्ष अभिषेक पांडे प्रमुख रूप की उपस्थित रहे।

इन्हें मिली जिम्मेदारी

क्लब की सचिव सोनल गांधी उपाध्यक्ष गीतांजलि मिश्रा आकांक्षा पांडे कोषाध्यक्ष पूजा अग्रवाल आइ एस ओ रोशनी सचदेवा मीडिया प्रभारी प्रीति सेठिया मीडिया सह प्रभारी रेखा बानोडीया सहसचिव रिचा हरिनखेडे एंवं कार्यकारिणी सदस्य राधिका सरोदे सौम्या बेदी तृप्ति कौशल प्रियंका जायसवाल मिस्टी सोमानी शारदा मिश्रा माधुरी अग्रवाल ज्योति अग्रवाल श्वेता सचदेव शिखा चावड़ा आदि को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई है।

इन्होंने भी ली शपथ

आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान इन पदाधिकारियो के अलावा हैप्पी छाबड़ा रूबी छाबड़ा सारिका शांडिल्य किरण सोनी कविता सोनी पूजा मिश्रा सीमा सोनी ने भी शपथ ग्रहण की ।कार्यक्रम में निखिलेश त्रिवेदी श्रीमती रश्मि बिसेन बबीता अग्रवाल ममता चंदेल आशीष मिश्रा भारत छूट्टानी तपेश असाटी की उपस्थिति रही।

जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक में अनाथ निराश्रित एवं हिंसा से पीड़ित बालकों एवं महिलाओं के संरक्षण पर की गई चर्चा

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर मृणाल मीणा की अध्यक्षता में महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत बाल कल्याण एवं बच्चों के अधिकार एवं महिलाओं से संबंधित योजनाओं की समीक्षा के लिए 16 जुलाई को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, प्रधान मजिस्ट्रेट किशोर न्याय बोर्ड श्रीमती शिखा शर्मा, सहायक कलेक्टर आकाश अग्रवाल, महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती दीपमाला मंगोदिया, सहायक संचालक सुश्री वंदना धूमकेती, वन स्टॉप सेंटर की प्रशासक सुश्री रचना चौधरी, किशोर न्याय बोर्ड के सदस्य एवं बालकों की देख रेख करने वाली अशासकीय संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक में हिंसा से पीड़ित बालिकाओं, महिलाओं, बालकों एवं निराश्रित परित्यक्त बेसहारा, गुमशुदा एवं घर से भागे हुए बालकों की सुरक्षा एवं संरक्षण पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान कलेक्टर श्री मीणा ने स्पांसरशीप योजना से ऐसे निराश्रित एवं गुमशुदा बालकों को लाभान्वित करने के लिए बालकों के संयुक्त खातों को शीघ्र डीबीटी कराये जाने के लिए निर्देश दिये। उन्होंने वन स्टॉप सेंटर एवं अशासकीय संस्थाओं में रह रहीं महिलाओं एवं बालकों को स्वरोजगार उपलब्ध कराने के लिए उन्हें व्यवसायी प्रशिक्षण दिलाने के निर्देश दिए। इसके लिए प्रशिक्षण देने वाली संस्थाओं का चयन करने कहा गया और बालकों की देखरेख करने वाली संस्थाओं को बालकों के आवश्यक दस्तावेज बनाने के निर्देश दिए गए। बैठक में वन स्टॉप सेंटर की प्रशासन सुश्री रचना चौधरी ने बताया कि बालाघाट में वर्ष 2018 से वन स्टॉप सेंटर संचालित किया जा रहा है। इसी प्रकार बैहर में वर्ष 2023 से बैहर, बिरसा एवं परसवाड़ा ब्लॉक के वन स्टॉप सेंटर प्रारंभ किया गया है। वन स्टॉप सेंटर बालाघाट में हिंसा से पीड़ित 3864 महिलाए पंजीकृत है। इनमें से 2651 महिलाओं को परामर्श सहायता, 327 को चिकित्सा सहायता, 359 को आश्रय सुविधा, 47 को पुलिस सहायता, 304 को विधिक सहायता उपलब्ध करायी गई है और 61 प्रकरणों में एफआईआर दर्ज करायी गई है। इनमें 2205 घरेलू हिंसा, 04 बाल विवाह, 29 बाल यौन शोषण, 138 बलात्कार, 369 दहेज उत्पीड़न, 03 महिलाओं की तस्करी, 75 यौन अपराध, 193 अपहरण एवं भागने से संबंधित प्रकरण है। वन स्टॉप सेंटर बैहर में 135 महिलाए पंजीकृत है। हिंसा से पीड़ित 112 महिलाओं को स्वरोजगार के लिए विभिन्न व्यवसायों का प्रशिक्षण दिलाया गया है और यह महिलाए अपना स्वयं का व्यवसाय कर रहीं है।

दो मोटरसाइकिल आपस में टकराई दोनों मोटरसाइकिल सवार घायल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कोतवाली क्षेत्र में आने वाले ग्राम गर्रा में लालबर्रा रोड पर स्थित पेट्रोल पंप के पास दो मोटरसाइकिल आपस में टकराने से दोनों मोटरसाइकिल में सवार दो व्यक्ति घायल हो गए घायल दोनों व्यक्ति राम गिरी पिता गेंद गिरी 35 वर्ष ग्राम जागपुर थाना वारासिवनी और विकेश पिता दुबे लाल गनवीर 32 वर्ष भरवेली निवासी है। जिला अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बाद दोनो घायल को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रामगिरी पद्मेश सिटी केबल बालाघाट का कर्मचारी है और विकेश गनवीर भरवेली माइंस में काम करते हैं। 16 जुलाई को विकेश गणवीर ग्राम छतेरा अपने ससुराल गए थे और ससुराल में अपना काम निपटाना के बाद 3:00 बजे करीब विकेश गनवीर छतेरा से अपने घर भरवेली आने निकले थे ।इस समय रामगिरी मोटरसाइकिल में गर्रा से मोहगांव धपेरा जा रहे थे। तभी गर्रा में लालबर्रा रोड पर स्थित एक पेट्रोल पंप के पास दोनों मोटरसाइकिल आपस में टकराने से रामगिरी और विकेश गनवीर दोनों घायल हो गए। दोनों घायल को 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल बालाघाट अस्पताल में भर्ती किया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

आवश्यकता है
• साफ-सफाई कर्मचारी-02 पद
(NIGHT DUTY/PART-TIME)
सेलरी-योग्यतानुसार
संपर्क- +91-8819924499
(10:00 AM - 05:00 PM)

कलेक्टर ने की खनिज निधि के कार्यों की समीक्षा

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर मृणाल मीणा ने 16 जुलाई को निर्माण विभागों के अधिकारियों की बैठक लेकर पीएम खनिज क्षेत्र कल्याण योजना के कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ भी मौजूद थे। बैठक में खनिज निधि से स्वीकृत कार्यों की समीक्षा के दौरान निर्माण एजेंसियों को निर्देशित किया गया कि जो कार्य पूर्ण हो चुके है उनके पूर्णता प्रमाण पत्र शीघ्रता से प्रस्तुत किये जाए। जो कार्य अब तक प्रारंभ नहीं हुए है उन्हें शीघ्रता से प्रारंभ करने के निर्देश दिये गए। जो कार्य प्रगति पर है उन्हें शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये गए। कलेक्टर श्री मीणा ने कहा कि निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ समय सीमा में पूर्ण करना है। निमार्ण कार्यों की गुणवत्ता के साथ कोई समझौता नही होगा और इनमे किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पर्यटन विभाग को सौंपे गये कार्य रामपायली मंदिर के पास नदी घाट, शेड निर्माण, पार्किंग, शॉपिंग काम्प्लेक्स एवं मोक्षधाम के निर्माण कार्य की प्रगति संतोषजनक नहीं पायी गई। इस पर कलेक्टर श्री मीणा ने निर्माण एजेंसी के विरूद्ध कार्यवाही के लिए पर्यटन विभाग के प्रबंध संचालक को पत्र लिखने के निर्देश दिये। पुलिस हाउसिंग बोर्ड द्वारा पुलिस लाइन में निर्माणाधीन कार्यो की समीक्षा के दौरान संबंधित अधिकारी को पुलिस महानिरीक्षक बालाघाट रेंज से अनुमति लेकर कार्य करने के निर्देश दिए गए। ग्राम देवरी व लामता में ग्राम भारती एजेंसी के अंतर्गत किये जा रहे कार्यों में सरस्वती शिशु मंदिर में अतिरिक्त कक्ष बनाये जाने के निर्देश दिए गए।

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोनः- 07632-243531
मोः- 8989976858, 9425139998

23 जुलाई को जिले की सभी 126 समितियों में लटकेंगे ताले

एक दिवसीय हड़ताल कर सीएम हाउस का किया जाएगा घेराव, वर्षों से लंबीत मांगों को लेकर सहकारिता कर्मचारियों ने भरी हुंकार, मप्र सहकारी समिति कर्मचारी महासंघ के बैनर तले सौपा ज्ञापन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। वर्षों से लंबित अपनी विभिन्न सूत्रीय मांगे पूरी न होने से सहकारिता कर्मचारी प्रदेश सरकार से खासा नाराज है। जहां अपनी विभिन्न मांगों को लेकर बार-बार आवेदन निवेदन करने और ज्ञापन सौंपने के बावजूद भी उनकी समस्याओं का निराकरण नहीं किया जा रहा है।जिस पर अपनी नाराजगी जताते हुए अब सहकारिता कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री आवास का घेराव कर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किए जाने की रणनीति बनाई है।जिसकी जानकारी देने और वर्षो से लम्बित जिला व प्रदेश स्तरीय विभिन्न मांगों को लेकर बुधवार को सहकारिता कर्मचारियों ने जिला सहकारी बैंक मर्यादित बालाघाट में एक ज्ञापन सौपा है। मध्य प्रदेश सहकारिता समिति कर्मचारी महासंघ के बैनर तले सौंपे गए इस ज्ञापन में वेतनमान वृद्धि ,पदोन्नति, वादे के मुताबिक अतिरिक्त भुगतान सहित अन्य स्थानीय व प्रदेश स्तरीय मांगों को तत्काल पूरा किए जाने के लिए महासंघ द्वारा शासन को 22 जुलाई तक का अल्टीमेटम दिया गया है।जहां उन्होंने अल्टीमेटम के दिनों के भीतर मांग पूरी न होने पर 23 जुलाई को जिले की सभी समितियों में एक दिवसीय हड़ताल कर ताले जड़ने और प्रदेश के समस्त कर्मचारियों को साथ लेकर भोपाल में मुख्यमंत्री आवास का घेराव कर, एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किए जाने की चेतावनी दी है ।

इन मांगों को लेकर सौपा ज्ञापन

सौंपे गए इस ज्ञापन में मप्र सहकारिता समिति कर्मचारी महासंघ द्वारा नियमित सेवा नियमानुसार वेतन का भुगतान करने, सभी कर्मचारी के वेतन में वृद्धि किए जाने, पैक्स कर्मचारियों को बैंक में चयनित करने, तत्काल पदोन्नति किए जाने, अक्टूबर 2023 से वादे के अनुरूप 3000 रु प्रति विक्रेता वेतन देने, किसानों को समितियो द्वारा

किए गए धान उपार्जन का तत्काल भुगतान किए जाने सहित अन्य स्थानीय व प्रदेश स्तर की समस्त मांगों को तत्काल पूरा किए जाने की गुहार लगाते हुए मांग पूरी न होने पर 23 जुलाई को भोपाल पहुंचकर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किए जाने की चेतावनी दी है।

मुख्यमंत्री निवास घेराव की दी चेतावनी

मध्यप्रदेश सहकारी समिति कर्मचारी महासंघ के आंदोलन में आगामी 23 जुलाई को पूरे प्रदेश के सहकारी समिति कर्मचारी, भोपाल में मुख्यमंत्री आवास घेराव करने जा रहे है, जिसमें जिले के सभी 126 सोसायटियो को 23 जुलाई को बंद रखने का ऐलान, महासंघ जिलाध्यक्ष पी.सी. चौहान ने किया है।बुधवार को केन्द्रीय बैंक परिसर में महासंघ की बैठक के दौरान, उन्होंने यह ऐलान किया। उन्होंने बताया कि आदेश के बावजूद तीन साल बाद भी सहायक प्रबंधकों को प्रबंधक के पद पर पदोन्नत करने की प्रक्रिया प्रारंभ नहीं हो सकी है, कर्मचारी विरोधी, इस नीति का परिणाम है कि महज कुछ ही सोसायटियो में प्रबंधक है, जबकि, जिले की अधिकांश सोसायटियां, प्रभारी के भरोसे चल रही है। कर्मचारी विरोधी, इस विषय को 23 जुलाई को हो रहे भोपाल प्रदर्शन में रखा जाएगा।

प्रदेश के आव्हान पर कि जाएगी हड़ताल- चौहान

अध्यक्ष पी.सी. चौहान ने बताया कि अब तक समर्थन मूल्य में धान खरीदी का प्रासंगिक व्यय उन्हें नहीं मिल सका है, ऑपरेटर तक का मानदेय नहीं मिला है। जिससे सोसायटियो में हुए खर्च का आर्थिक बोझ, समितियों पर आ गया है। यही नहीं बल्कि बीते धान उपार्जन में 1541 किसानों की धान खरीदी कर उन्हें धान का भुगतान नहीं किया और उनके लगभग सवा 6 करोड़ रूपए का भुगतान, जिले की समितियों के माध्यम से कराया गया। वह राशि भी अब तक समितियों को नहीं मिल सकी है। जिससे समिति के समक्ष आर्थिक संकट पैदा हो गया है। उन्होंने बताया कि इसको लेकर लगातार शासन, प्रशासन के समक्ष, सहकारी समिति कर्मचारी महासंघ, आवेदन, निवेदन कर चुका है, लेकिन कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। जिससे सहकारी समिति कर्मचारियो में नाराजगी है। उन्होंने बताया कि यदि 23 जुलाई के पहले तक सरकार, इस पर कोई निर्णय नहीं लेती है तो प्रदेश के निर्देशानुसार, जिले में सभी 126 सोसायटियो में काम बंद कर कर्मचारी, भोपाल में मुख्यमंत्री आवास घेराव आंदोलन में शामिल होंगे।प्रदेश संगठन के आह्वान पर हड़ताल की जाएगी।

महाबोधि महाविहार प्रबंधन को लेकर सप्ताह भर से जारी है धरना प्रदर्शन

अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन व भूख हड़ताल को 7 वे दिन मधु भगत ने समर्थन, कहा बौध्दों को सौंपा जाए महाविहार

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बिहार राज्य के बौद्ध गया स्थित महाबोधि महाविहार प्रबंधन को बौद्ध समाज के सुपुर्द करने, महाबोधि प्रबंधन के लिए पूर्व में बनाए गए बीटीएमसी 1949 कानून को रद्द करने और अपनी इस मांग को लेकर आंदोलन करने वालों पर दर्ज किए गए फर्जी मुकदमों को वापस लिए जाने की प्रमुख मांग को लेकर 10 जुलाई से जिला मुख्यालय में शुरू किया गया धरना प्रदर्शन पिछले एक सप्ताह से लगातार जारी है। जहां धरना प्रदर्शन व भूख हड़ताल के सातवें दिन परसवाड़ा विधायक मधु भगत ने धरना स्थल पर पहुंचकर बौद्ध अनुयायियों की मांगों को जायज ठहराते हुए सप्ताह भर से जारी इस धरना प्रदर्शन व भूख हड़ताल को अपना समर्थन दिया है। तो वहीं उन्होंने महाबोधि महाविहार मंदिर का प्रबंधन सामाजिक बन्धुओ के हाथों में सौंपे जाने की भी मांग की है।

मधु भगत बोले धरने को हमारा पूर्ण समर्थन

नगर में 10 जुलाई से शुरू महाबोधी महाविहार मुक्ति आंदोलन 7 वे दिन भी जारी रहा।जहा बुधवार को परसवाड़ा विधायक मधु भगत भी इस अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन और भूख हड़ताल को अपना समर्थन देने धरना स्थल पर पहुंचे, जिन्होंने धरना प्रदर्शन और भूख हड़ताल को अपना समर्थन देते हुए महाबोधि महाविहार मुक्ति आंदोलन समिति की मांगों को जायज ठहराया है।उन्होंने इस आंदोलन का समर्थन कर बौद्ध अनुयायियों की मांग को जायज बताते हुए कहाँ की बिहार सरकार एंव केंद्र सरकार को बीटी एक्ट 1949 को समाप्त कर बोधगया स्तिथ महाविहार बौध्दों को सौप देना चाहिए।

कृषक सुशील को सांप ने काटा

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। ग्रामीण थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम आमगांव में एक व्यक्ति को सांप ने काट दिया। सांप के काटने से पीडित व्यक्ति सुशील पिता शंकर नगपुरे 40 वर्ष ग्राम आमगांव निवासी को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुशील नगपुरे अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं। 15 जुलाई को सुशील नगपुरे अपने खेत काम करने गए थे। 3 बजे सुशील नगपुरे अपने खेत से काम करके अपने घर लौट रहे थे। तभी अधियादार के खेत की पार से घर आते समय सुशील नगपुरे के दाहिने पैर की एड़ी में किसी सांप ने काट दिया ।जिसके बाद सुशील नगपुरे घर पहुंचे और परिजनों को बताया। परिजनों ने सुशील नगपुरे को मोटरसाइकिल से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये।

हरदा जिले की घटना को लेकर जिला राजपूत क्षत्रिय सभा आयी सामने

पुलिस द्वारा करणीसेना व छात्रावास में घुसकर की गयी मारपीट की घटना को बताया निंदनीय, राज्यपाल के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। हरदा जिले में पुलिस द्वारा करणी सेना के कार्यकर्ता और छात्रावास में घुसकर बच्चों के साथ की गई मारपीट को लेकर जिला राजपूत क्षत्रिय सभा बालाघाट द्वारा महामहिम राज्यपाल के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया है । जहां राजपूत क्षत्रिय सभा के पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि पुलिस द्वारा करणी सेना के कार्यकर्ताओं द्वारा शांतिपूर्वक किये जा रहे प्रदर्शन में गलत तरीके से कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट की गई है । जो की निदनीय है। वह इस पूरी घटना का विरोध करते हैं। वह चाहते हैं कि इस मामले में हरदा जिले के कलेक्टर ,पुलिस अधीक्षक सहित थाना प्रभारी को हटाए जाएं और इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की जाए।

आपको बता दे की मध्यप्रदेश के हरदा जिले में पुलिस प्रशासन द्वारा करणी सेना के कार्यकर्ताओं व छात्रावास में घुसकर बच्चों के उपर बरबरतापूर्वक की गई लाठी चार्ज की जिला राजपूत क्षत्रिय सभा व श्री राजपूत करनी सेना बालाघाट के द्वारा घोर निंदा करते हुये बुधवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर महामहिम राज्यपाल के नाम कलेक्टर को ज्ञापन दिया गया है। ज्ञापन सौंपने पहुंचे संगठन के पदाधिकारियों ने इस मामले की उच्च स्तरीय जांच कर दोषी पुलिसकर्मियों पर कानूनी दंण्डात्मक कार्यवाही किये जाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि करणी सेना के द्वारा कुछ मुद्दों को लेकर शांतीपूर्ण आंदोलन कर रहे थे। उसमें पुलिस प्रशासन के द्वारा सर्वसमाज के लोगों को दौड़ाकर मारा गया व हरदा के राजपूत छात्रावास में घुसकर बच्चों को मारपीट किया गया जो बहुत ही निंदनीय है। उन्होंने राज्यपाल से मांग की है इस मामले की जो जिला प्रशासन व पुलिसकर्मियों ने इस तरह निर्दोष लोगों में जो कार्यवाही की है उसकी न्यायिक जांच हो व हरदा के कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक को हटाकर निष्पक्ष जांच किया जाए। उन्होंने कहा कि शीघ्र मामले की जांच कर दोषियों पर कार्यवाही नहीं की गई तो पूरे प्रदेश व देश का राजपूत समाज सडक पर उतरकर आंदोलन करने बाध्य होगा।

पूरे प्रदेश के राजपूत समाज में आक्रोश व्याप्त है - संजय सिंह कछवाहा

इस दौरान जिला राजपूत क्षत्रिय सभा अध्यक्ष संजय सिंह कछवाहा ने कहा कि हरदा जिले में पुलिस प्रशासन द्वारा करणी सेना के कार्यकताओं पर जो लाठी चार्ज किया गया हैं, वह निन्दनीय हैं। इसके अलावा जो राजपूत समाज के छात्रावास में घुसकर वहां रह रहे बालक-बालिकाओं पर लाठी चार्ज कर बरबर्तापूर्वक मारपीट किया गया बहुत ही शर्मनाक है। लाठी चार्ज के बाद करणी सेना कार्यकर्ताओं को पुलिस प्रशासन द्वारा जेल भी भेजा गया था। इससे पूरे प्रदेश के राजपूत समाज में आक्रोश व्याप्त है। इस घटना के विरोध में आज प्रदेश के जिलों में राजपूत समाज द्वारा ज्ञापन सौंपा गया है। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन निरंकुश होते जा रहे है। हरदा में हुई घटना की करणी सेना एवं सर्व समाज द्वारा पुलिस प्रशासन एवं स्थानीय प्रशासन की इस कार्यवाही की घोर निंदा करते हैं और दोषी पुलिस कर्मचारियों को एवं जिनके द्वारा लाठी चार्ज करने के आदेश दिये गये इसकी निष्पक्ष न्यायिक जांच किया जाएं।

बच्चों के साथ मारपीट किया गया है वह निंदनीय है - सम्राट सिंह

जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरस्वार द्वारा बताया गया कि जो हरदा जिले में घटना घटी है और पुलिस द्वारा राजपूत समाज के छात्रावास में बच्चों के साथ मारपीट किया गया है वह निंदनीय है ।इस घटना के विरोध में आज वह पूरे जिले सहित प्रदेश के राजपूत समाज द्वारा अपने स्तर पर ज्ञापन दिया जा रहा है । उसके बाद भी यदि कोई कार्रवाई नहीं होती तो प्रदेश सहित पूरे देश में इसको लेकर उनके द्वारा आंदोलन किया जाएगा।

निष्पक्ष जांच के साथ कड़ी कार्यवाही हो - शैलेंद्र सिंह

किरनापुर ब्लॉक अध्यक्ष शैलेंद्र सिंह चौहान द्वारा बताया गया कि जो हरदा जिले में घटना घटी है। वह सभी के सामने है। करणी सेना द्वारा असामाजिक तत्वों पर कार्रवाई करने के लिए शांतिपूर्वक ढंग से विरोध प्रदर्शन किया जा रहा था। वहां संबंधित विभाग के अधिकारियों द्वारा जो लाठीचार्ज करवाया गया और उसके साथ-साथ वहां स्थित राजपूत समाज के छात्रावास में घुसकर जो बर्बरता से बच्चों के साथ मारपीट की गयी है वह बहुत ही निंदनीय है ।उसी के विरोध में आज वह ज्ञापन सौंप रहे हैं और उसे मामले में निष्पक्ष जांच के साथ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं ।

ये रहे प्रमुख रूप से उपस्थित

इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राटसिंह सरस्वार, जिला राजपूत क्षत्रिय सभा जिलाध्यक्ष संजय सिंह कछवाहा, श्री राजपूत करनी सेना जिलाध्यक्ष शुभमसिंह चौहान, सुशीलसिंह ठाकुर, अभयसिंह तोमर, आर.एस बैस, तरूणसिंह चौहान, जितेन्द्रसिंह राजपूत, अभिजीतसिंह ठाकुर, प्रदीपड्क्षसह सिसोदिया, समीरसिंह गहरवार, सतीश ठाकुर, योगेन्द्रड्क्षसह तोमर, अजयड्क्षसह परिहार, असीम चौहान, नंदिनी परिहार, अलका राठौर, उषा गौर, मधु राठौर सहित अन्य मौजूद रहे।

बंधानकारी धारा 49 को समाप्त करने 22 जुलाई को सौंपा जाएगा ज्ञापन

विभिन्न मांगों को पूरा करने की लगाई जाएगी गुहार, प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन बालाघाट दी जानकारी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन बालाघाट कार्यालय मंत्री दिनेश नेमा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि मध्यप्रदेश सरकार विगत 15.16 वर्षो से पेंशनर्सो को लगातार आर्थिक हानि पहुचाकर मानसिक त्रासदी पहुचा रही है। चर्चा के माध्यम से समस्याओ के समाधान का निवेदन किया उस पर भी सकारात्माक कार्यवाही नही हो रही है।इसलिए बुजुर्ग पेंशनर्स की मांग है कि मध्यप्रदेश छत्तीसगढ पुनर्गठन अधिनियम 2000 की धारा 49 परिशिष्ट 6 जिस आधार पर महँगाई राहत स्वीकृति के पूर्व दोनो राज्य सरकारो द्वारा परस्पर सहमति की प्रक्रिया अपनाई जाती है उसको समाप्त या विलोपित किया जाए,केन्द्र सरकार के पेंशनर्स के अनुरूप राहत राशि का भुगतान किया जाए।2 जुलाई 2024 के 3 प्रतिशत राहत राशि के एरियर का भुगतान कर जनवरी 2025 से 2 प्रतिशत राहत राशि का भुगतान किया जाए । प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन एंव सहयोगी संघठनो द्वारा

समय समय पर प्रस्तुत ज्ञापनो पर विशेषत शासन को 20 मई को प्रस्तुत ज्ञापन में उल्लेखित समस्याए जैसे मँहगाई राहत का नियमित भुगतान 32 माह एंव 27 माह के एरियर आदि का निराकारण किया जाए।सभागीय स्तरीय पेंशनर्स की सूचना सहायता तथा जिला स्तर पर पेंशनर्स फोरम गठित की जा कर उसकी नियमित बैठक की व्यवस्था संबंध में अधिनस्थ अधिकारियो को निर्देशित किया जाये।कोविड काल के दौरान बंद हुई वरिष्ठजनो की सुविधाये बहाल की जाये। इसके अलावा अन्य मांगे हैं इन सभी मांगो के समर्थन मे दिनांक 22 जुलाई दिन मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय 3.30 बजे पहुचने प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष अशोक मिश्रा एंव कार्यकारी अध्यक्ष / प्रांतीय संगठन मंत्री एस एस गंगेले, वरिष्ठ उपाध्यक्ष के एल लिल्हारे, पेंशनर संघो के नेतृत्व मे प्रमुख पेंशनर्स एससोसिएशन के संरक्षक आर एस बैस, हरिश वैष्णव, मूलचंद पटले किशोर कुमार पांडे दशाराम पटले आर पी मिश्रा एच एल नगपुरे, धनीराम ठाकुर के एल राहंगडाले रमेश दीक्षित रहमददीन हनॅफी सुशीला राहगडाले सोहन लाल डोहरे, दिनेश नेमा, सज्जन राव, अशोक शुक्ला, नारायण नेमा अनिता दुबे, बिजेवार महेश आदि अन्य पेशनर्स साथियो की उपस्थिति मे कलेक्टर महोदय जी को ज्ञापन सौपा जायेगा ।

गायत्री कुमार सारथी ने कटंगी जनपद सीईओ का कार्यभार संभाला

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मण्डला जिले से स्थानांतरित होकर आए गायत्री कुमार सारथी ने 16 जुलाई को जनपद पंचायत कटंगी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। उल्लेखनीय है कि श्री सारथी पूर्व में जनपद पंचायत लालबर्रा, बालाघाट एवं किरनापुर में मुख्य कार्यपालन अधिकारी के पद पर अपनी सेवाए दे चुके है।

ट्रैक्टर पलटने से ट्रैक्टर चालक की ट्रैक्टर के स्टेरिंग में दबने से मौत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बैहर थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम रोंदाटोला स्थित खेत में एक्टर पलटने से ट्रैक्टर चालक की ट्रैक्टर में दबने से मौत हो गई ।मृतक गणेश पिता झांमसिह मेरावी 24 वर्ष वार्ड नंबर 2 रौंदाटोला बैहर निवासी है बैहर पुलिस ने इस युवक का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अपने परिवार के साथ खेती मजदूरी करता था और ट्रैक्टर भी चलता था। 16 जुलाई को गणेश मेरावी दुर्गेश सोनवाने के ट्रैक्टर से अपने गांव के गणेश सुदामा का खेत जुताई कर रहा था। इसी दौरान ट्रैक्टर कीचड़ में फस जाने से अचानक पलट गया और ट्रैक्टर पलट जाने से गणेश मेरावी ट्रैक्टर के स्टेरिंग में दब गया। खबर मिलते ही गणेश मेरावी का बड़ा भाई महेश मेरावी छोटा भाई रमेश मेरावी गणेश सुदामा का खेत पहुंचे और ट्रैक्टर की स्टेरिंग में दबे गणेश मेरावी को निकाल कर उसे तुरंत बैहर अस्पताल ले गये जिसे डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिए। गणेश मेरावी की खेत से अस्पताल लाते समय रास्ते में ही मौत हो चुकी थी। बैहर पुलिस ने इस युवक का शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिये है और धारा 194 भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत मर्ग कायम कर जांच शुरू की है।

शादी की फोटोग्राफी के रुपए मांगने गए एक फोटोग्राफर से दो सगे भाई ने की मारपीट

पुन: रुपए मांगने पर दी जान से मारने की धमकी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। शादी की फोटोग्राफी के रुपए मांगने के लिए गए एक फोटोग्राफर को दो सगे भाई ने हाथ बुक्के से मारपीट कर उसे पुन: रुपए मांगने पर जान से मार डालने की धमकी दे दी। मलाजखंड पुलिस ने फोटोग्राफर शिवदास पिता नन्हू दास परवार 31 वर्ष ग्राम निक्कूम द्वारा की गई रिपोर्ट पर संतोष दास परवार और उसके बड़े भाई घनश्याम दास परवार के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम निक्कूम निवासी शिवदास परवार बीएससी स्नातक है। और वहां खेती किसानी के अलावा फोटोग्राफी का भी धंधा करता है। सन 2021 में शिवदास परवार ने अपने गांव के संतोष दास परवार की शादी में वीडियो ग्राफी और फोटोग्राफी करने का 15000 रुपये में तय हुआ था। संतोषदास परवार ने शिवदास परवार को एडवांस 6000 रुपये दिया था। शेष 9000 रुपये सन्तोषदास परवार से लेना बाकी था । पिछले 4 साल में शिवदास परवार कई कई बार संतोषदास परवार के घर जाकर रुपए मांगा किंतु उसने शिवदास परवार को शादी की वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी के बाकी 9000 रुपये नहीं दिए। 15 जुलाई को सुबह 10:30 बजे शिवदास परवार अपने खेत तरफ जा रहा था जब वह संतोषदास परवार के घर के सामने पहुंचा तो उस समय रोड पर संतोष दास परवार तथा उसका बड़ा भाई घनश्याम दास परवार दोनों खड़े थे। शिवदास परवार ने संतोष दास परिवार को बोला की फोटोग्राफी के 9000 रुपये बचे हैं मुझे पैसों की जरूरत है। और शिवदास परवार ने संतोष परवार से 9000 देने कहा था। यह सुनकर संतोषदास परवार और उसका बड़ा भाई घनश्याम दास परवार दोनों आवेश में आ गए और शिवदास परिवार को बोलने लगे कि किस बात का पैसा देंगे, जब देखो तब पैसा मांगते रहता है। कहकर दोनों भाई शिवदास परवार को अश्लील गालियां देने लगे,, जब शिवदास परवार ने उन्हें गालियां देने से मना मना किया। तभी दोनों भाई ने शिवदास परवार को हाथ बुक्के से मारपीट कर रोड किनारे पटक दिए। शिवदास परवार के चिल्लाने पर मोहल्ले के लोग दौड़े और बीच बचाव किये । इसके बाद संतोष परवार ने अपने बड़े भाई घनश्याम दास परवार के साथ शिवदास परवार को पुन: रुपए मांगने पर जान से मार डालने की धमकी दे दी। दोनों भाई द्वारा की गई मारपीट में घायल शिवदास परवार रिपोर्ट करने मलाजखंड पुलिस थाना पहुंचा। मलाजखंड पुलिस ने शिवदास परवार 31 वर्ष द्वारा की गई रिपोर्ट पर संतोषदास परवार और उसके बड़े भाई घनश्याम दास परवार के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने कीआरोप में धारा 296 115(2) 351(3)3(5) भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की है,।

सर्पदंश से मृतक के परिवार को 04 लाख रुपये की सहायता राशि मंजूर

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले की लामता तहसील के ग्राम मऊ के निवासी कैलाश पिता अमृतलाल की 20 जून 2025 को सांप के काटने से मृत्यु हो जाने के कारण बालाघाट के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व गोपाल सोनी ने राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के प्रावधानों के तहत मृतक कैलाश की वारिस माता सकुन अजीत को 04 लाख रुपये की सहायता राशि मंजूर की है। लामता तहसीलदार को निर्देशित किया गया है कि कोषालय में देयक प्रस्तुत कर ई-पेमेंट के द्वारा 04 लाख रुपये की राशि सकुन अजीत के बैंक खाते में जमा करायें।

कभी भी बंद हो सकता है पनबिहरी से साल्हे ला. पहुंच मार्ग

सड़क के नजदीक पहुंचा मिट्टी का कटाव, तहसीलदार एवं जनप्रतिनिधियों ने किया निरीक्षण, मिट्टी कटाव रोकने के लिए मरम्मत कार्य करवाने की शासन-प्रशासन से की मांग

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत पनबिहरी से साल्हे ला. पहुंच मार्ग स्थित ग्रामीण खेल स्टेडियम पनबिहरी के समीप मोड़ाई में सर्राटी नदी के किनारे की मिट्टी गत दिवस हुई तेज बारिश में सर्राटी नदी का जल स्तर बढ़ जाने एवं पानी के तेज बहाव के कारण मिट्टी का कटाव होने से अब धीरे-धीरे मिट्टी धसकने लगी है। जल्द मिट्टी कटाव को रोकने के लिए मरम्मत कार्य या फिर रिटर्निंगवॉल का निर्माण नही करवाया गया तो किसी भी समय पनबिहरी से साल्हे ला. पहुंच मार्ग धसक सकता है यानि आवागमन बंद हो जायेगा। जिससे आधा दर्जन से अधिक ग्रामों का संपर्क टूट सकता है एवं बड़ी दुर्घटना घटित होने की संभावना बनी हुई है। वहीं पनबिहरी सरपंच विरेन्द्र बनवाले ने गत दिवस तहसीलदार कन्हैयालाल टेकाम को पनबिहरी से साल्हे ला. पहुंच मार्ग स्थित ग्रामीण खेल स्टेडियम के समीप से सड़क की मिट्टी धसक जाने एवं किसी भी समय सड़क क्षतिग्रस्त होने से बड़ी दुर्घटना होने की जानकारी देकर जल्द मरम्मत कार्य करवाने की मांग की थी। 16 जुलाई को तहसीलदार कन्हैयालाल टेकाम, थाना प्रभारी सुनील चतुर्वेदी, जनपद उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल, पनबिहरी सरपंच वीरेन्द्र बनवाले, जनपद सदस्य देवेश गौतम सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने सड़क का निरीक्षण किया और संबंधित विभाग से जिस स्थान से मिट्टी का कटाव हो रहा है उसके रोकथाम के लिए मरम्मत कार्य करवाने कहा है। अगर समय रहते मिट्टी कटाव की रोकथाम नही की गई तो तेज बारिश होने पर सर्राटी नदी में बाढ़ आती है और पानी के तेज बहाव में सड़क के नीचे की मिट्टी कट जाती है तो सड़क क्षतिग्रस्त होकर बह जायेगी। जिससे आवागमन इस मार्ग से पुरी तरह से बंद हो जायेगा, ऐसी स्थिति में दर्जनों ग्रामों के ग्रामीणजन एवं छात्र-छात्राओं को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। वहीं वर्तमान समय में धीरे-धीरे सड़क के नीचे की मिट्टी धसकने के साथ ही सड़क क्षतिग्रस्त हो रही है। अगर इस मार्ग से ओवरलोड़ वाहन गुजरते है तो वह अनियंत्रित होकर सीधे नदी साईड में पलट सकता है जिससे बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई। तहसीलदार एवं जनप्रतिनिधियों के निरीक्षण के बाद सड़क विभाग पनबिहरी से साल्हे ला. पहुंच मार्ग स्थित ग्रामीण खेल स्टेडियम के समीप मोड़ाई मे मिट्टी कटाव को रोकने के लिए कार्य करवाया जायेगा। साथ ही इस मार्ग से ओवर लोड़ वाहनों पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है।

सड़क की मिट्टी धसकने एवं क्षतिग्रस्त होने से आवागमन हो सकता है बाधित

आपकों बता दे कि पनबिहरी से साल्हे ला. पहुंच मार्ग के बीच से सर्राटी नदी गुजरी है और विगत वर्ष पूर्व प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क विभाग के द्वारा पनबिहरी के समीप सर्राटी नदी के ऊपर पुल के साथ ही डामरीकरण सड़क का निर्माण करवाया है। जिससे आधा दर्जन से अधिक ग्रामों के ग्रामीणजन एवं छात्र-छात्राएं इसी मार्ग से आना-जाना करते है। साथ ही उक्त पुल एवं सर्राटी नदी के समीप सड़क किनारे शासन के द्वारा लाखों रूपयों की लागत से ग्रामीण खेल स्टेडियम का भी निर्माण किया गया है। ताकि नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण स्तर के खिलाड़ी खेल मैदान में पहुंचकर क्रिकेट सहित अन्य खेल का प्रैक्टिस कर सके परन्तु लालबर्रा मुख्यालय से करीब 3 किमी. दूर नदी किनारे होने के कारण खिलाड़ी उक्त ग्रामीण खेल स्टेडियम का उपयोग नही कर रहे है। वहीं ग्रामीण खेल स्टेडियम पनबिहरी के समीप सर्राटी नदी किनारे सड़क की मिट्टी अंदर से धीरे-धीरे धसकने लगी है और सड़क किनारे तक पहुंच चुकी है। जल्द मिट्टी कटाव को रोकने के लिए काम नही किया गया तो तेज बारिश होने पर नदी में बाढ़ आती है तो सड़क के नीचे की मिट्टी कटकर बह जायेगी। साथ ही सड़क भी क्षतिग्रस्त होकर बह सकती है। इस दौरान अगर कोई मार्ग से आना-जाना करते है तो उनके साथ बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है। वहीं वर्तमान में ग्रामीण खेल स्टेडियम पनबिहरी के समीप नदी किनारे अंधा मोड़ है आमने-सामने से आने वाले दुर से दिखाई नही देते है अगर अचानक पनबिहरी की ओर से कोई बड़ा वाहन साल्हे ला. की ओर जा रहा है एवं साल्हे ला. की ओर से मोटरसाइकिल एवं अन्य वाहन से कोई आ रहे है। इसी बीच अचानक दोनों अंधे मोड़ाई में पहुंचते है तो साल्हे ला. की ओर से आने वालों की वाहन अनियंत्रित होकर रोड़ किनारे नदी में बने 10 से 15 फीट गहरे खाई में गिर सकते है। वहीं पनबिहरी की ओर से जाने वाले ग्रामीण खेल स्टेडियम पनबिहरी की बाउण्ड्रीवाल से उनकी वाहन टकरा सकती है जिससे बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है। जबकि इस मार्ग से साल्हे ला. चिचगांव, खैरगोंदी, चिखलाबड्डी सहित अन्य ग्रामों के ग्रामीणजन, स्कूली बच्चें लालबर्रा पढ़ाई करने आते है। जिन्हे भी परेशानी हो सकती है और हर समय हादसा घटित होने का डर बना हुआ है। वहीं बुधवार को अधिकारी एवं जनप्रतिनिधियों के निरीक्षण के बाद सड़क के नीचे की धसक रही मिट्टी की रोकथाम के लिए काम हो सकता है और समय रहते काम नही किया गया तो बड़ा हादसा घटित हो सकता है।

भारी वाहनों पर प्रतिबंध लगाये प्रशासन - विरेन्द्र

पनबिहरी सरपंच विरेन्द्र बनवाले ने बताया कि किसानों के द्वारा मुझे जानकारी मिली थी कि सर्राटी नदी के तेज पानी के बहाव के कारण पनबिहरी से साल्हे ला. पहुंच मार्ग स्थित ग्रामीण खेल स्टेडियम के समीप मोड़ाई में सड़क की मिट्टी कटकर सड़क के नजदीक पहुंच चुकी है और कटाव धीरे-धीरे बढ़ता जा रहा है समय रहते मरम्मत कार्य नही हुआ तो सड़क बह जायेगी। जिसके बाद तहसीलदार को लिखित में शिकायत कर निरीक्षण करने की अपील की गई थी। श्री बनवाले ने बताया कि बुधवार को तहसीलदार एवं जनप्रतिनिधियों के द्वारा निरीक्षण किया गया, जिसमें पाया गया कि जो किसानों ने बताया था वह सही है, सड़क के नीचे की मिट्टी कटकर बह चुकी है, प्रशासन से मांग है कि मिट्टी कटाव को रोकने के लिए मरम्मत कार्य एवं इस मार्ग से भारी वाहनों के आवागमन पर प्रतिबंध लगाये।

बड़ी दुर्घटना होने की बनी है संभावना - किशोर

जनपद उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल ने बताया कि सर्राटी नदी में आई बाढ़ के कारण ग्रामीण खेल स्टेडियम के समीप से सड़क की मिट्टी कटकर धीरे-धीरे बहने लगी है और जल्द मरम्मत कार्य नही करवाया गया तो सड़क कटकर बह जायेगी जिससे आवागमन बंद हो सकती है। ऐसी स्थिति में इस मार्ग से आने-जाने वालों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ेगा और हर समय बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। श्री पालीवाल ने बताया कि सड़क विभाग को मिट्टी कटाव को रोकने के लिए जल्द पक्का मरम्मत कार्य करवाना चाहिए।

मरम्मत कार्य जल्द करवाया जायेगा - कन्हैया

तहसीलदार कन्हैयालाल टेकाम ने बताया कि पनबिहरी से साल्हे ला. पहुंच मार्ग के किनारे की मिट्टी कटकर बह चुकी है और आने-जाने के दौरान बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है। बुधवार को स्थल का निरीक्षण कर संबंधित विभाग को मिट्टी कटाव को रोकने के लिए मरम्मत कार्य करवाने कहा गया है एवं बड़े वाहनों पर प्रतिबंध लगा दिया जायेगा।

शांति नगर में नौ दिवसीय शिव महापुराण कथा जारी

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी के सिवनी मार्ग स्थित शांतिनगर में सावन मास के पावन अवसर पर गत दिवस से नौ दिवसीय शिव महापुराण कथा जारी है। इस शिव महापुराण कथा के दुसरे दिन 16 जुलाई को कथा वाचक पं. ऋतुराज तिवारी, परायणकर्ता कृष्णा दुबे के द्वारा शिवलिंग की महिमा, भस्म रूदाक्ष धारण विधि पर संगीतमय प्रवचन दिया गया। वहीं नगरवासी बड़ी संख्या में पहुंचकर कथा श्रवण कर धर्मलाभ अर्जित कर रहे है। चर्चा में आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि सावन मास के पावन अवसर पर गत 15 जुलाई से 9 दिवसीय शिव महापुराण कथा प्रारंभ हुआ है। जिसमें प्रथम दिन कलश यात्रा, वेदी पूजन, कथा प्रारंभ हुआ। दुसरे दिन 16 जुलाई को शिवलिंग की महिमा, भस्म रूदाक्ष धारण विधि पर प्रवचन दिया गया। 17 जुलाई को सृष्टि का वर्णन, अर्धनारिश्वर कथा, 18 जुलाई को समुद्र मंथन, गंगा अवतरण कथा, राम जन्म उत्सव, 19 जुलाई को शिव सति चरित्र, पार्वती जन्म, शिव पार्वती विवाह, 20 जुलाई को गणेश, कार्तिक जन्म, कारकासुर वध, 21 जुलाई को नंदिश्वर अवतार, 22 जुलाई को द्वादश ज्योर्तिलिग वर्णन, वाणासूर, अंधकासुर, भस्मासुर वध, 23 जुलाई को पचाक्षर मंत्र, गुरू दीक्षा विधि, शिव सहस्त्रनाम, सहस्त्रंधारा, हवन पूजन के साथ नौ दिवसीय संगीतमय शिव महापुराण कथा का समापन किया

जायेगा। इस 9 नौ दिवसीय शिव महापुराण कथा में कथावाचक मुंगेली (छ.ग.) के कथा व्यास पं. ऋतुराज तिवारी, परायणकर्ता कृष्णा दुबे के द्वारा दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे तक भगवान भोलेनाथ के जीवनचरित पर संगीतमय प्रवचन दिया जा रहा है। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित करने की अपील आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने की है।

मिरेगांव सोसायटी में खाद उपलब्ध नही हुआ तो किसान करेगें विरोध प्रदर्शन एवं चक्काजाम - दिनेश

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी. दुर ग्राम पंचायत मिरेगांव स्थित सेवा सहकारी समिति में डीएपी सहित अन्य खाद किसानों को नही मिलने से किसान खासा परेशान है और खाद के लिए रोजाना सोसायटी (समिति) का चक्कर लगा रहे है। वहीं खाद नही मिलने से परेशान किसानों के द्वारा जल्द ही हाईवे मार्ग में सरकार व प्रशासन के खिलाफ धरना प्रदर्शन व चक्काजाम किया जायेगा। चर्चा में किसान दिनेश सपाटे ने बताया कि वर्तमान की डबल इंजन की भाजपा सरकार अपने आप को किसान हितैषी होने का ढिंढोरा पीटती है, लेकिन आज धरातल पर किसान परेशान व हताश हैं, किसान खाद के लिए बेहद परेशान हैं। बावजूद भाजपा की गूंगी बहरी सरकार किसानों के प्रति चिंतित नजर नहीं आ रही हैं। साथ ही यह भी बताया कि किसानों को आवश्यकतानुसार खाद नहीं मिल पा रहा हैं

जिससे किसान परेशान है। जबकि वर्तमान समय में किसानों के द्वारा खरीफ धान की फसल लगाई जा रही है। जिसमें डीएपी सहित अन्य खाद डालना अति आवश्यक है, लेकिन मिरेगांव स्थित सेवा सहकारी समिति में खाद नही है, जिसके कारण किसान परेशान है और खाद के लिए किसान अपना काम-धंधा छोड़कर रोजाना सोसायटी का चक्कर लगा रहे है। श्री सपाटे ने बताया कि जल्द मिरेगांव सेवा सहकारी समिति में डीएपी सहित अन्य खाद उपलब्ध नही होता है तो किसानों के द्वारा हाईवे मार्ग स्थित मिरेगांव सेवा सहकारी समिति के सामने सरकार व प्रशासन के खिलाफ में विरोध प्रदर्शन एवं चक्काजाम किया जायेगा। जिसकी संपूर्ण जवाबदारी शासन-प्रशासन की होगी। इसलिए प्रशासन से मांग है कि जल्द मिरेगांव सेवा सहकारी समिति में डीएपी सहित अन्य खाद उपलब्ध करवाकर किसानों की मांग के अनुरूप वितरण करें।

ठेकेदार की लापरवाही से पानी नाली से ना बहकर सड़क में हो रहा जमा

पानी जमा होने से सड़क में बने गड्ढे, आवागमन में हो रही परेशानी

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यायल के हद्‌य स्थल बस स्टैण्ड से लेकर मजार नाले (बाबूलाल सर्राठे के काम्पलेक्स) तक हाईवे रोड़ के बीच से 29 फीट छोड़कर प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना से स्वीकृत आरसीसी नाली का निर्माण कार्य आरईएस विभाग के द्वारा करवाया गया है। लेकिन इस नाली के निर्माण कार्य में ठेकेदार के द्वारा लापरवाही बरतने के साथ ही निर्माण कार्य में अनियमितता की गई है। साथ ही नाली की ऊंचाई अधिक कर दी गई है जिसके कारण बारिश होने पर नाली के माध्यम से पानी की निकासी नही हो पा रही है और सड़क में जगह-जगह पानी जमा होने के कारण मजार से लेकर बस स्टैण्ड तक सड़क में जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे बन गये है एवं गड्ढों में पानी जमा होने के कारण आने-जाने वालों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही गड्ढे दिखाई नही देने से हर समय बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है और पूर्व में हादसे भी घटित हो चुके है। इस तरह से नाली निर्माण कंपनी के ठेकेदार व विभाग के जिम्मेदारों की लापरवाही के कारण लालबर्रा बस स्टैण्ड से मजार नाला तक नाली बनने के बाद भी सड़क के ऊपर से पानी बहने के कारण स्थानीय दुकानदार एवं राहगीर व छात्र-छात्राओं को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बुधवार को आरईएस विभाग के एसडीओं चंद्रकांत धरने एवं पांढरवानी सरपंच अनीस खान के द्वारा लालबर्रा बस स्टैण्ड से मजार नाले तक बनाई गई नाली का निरीक्षण किया गया। इस दौरान पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने एसडीओं श्री धरने को ठेकेदार के द्वारा नाली निर्माण कार्य में बरती गई अनियमितता के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि सड़क से ऊंची नाली का निर्माण कर दिया गया है। जिसके कारण नाली से पानी नही बहता है और गुणवत्ताहीन कार्य करवाया गया है इसलिए ठेकेदार पर कार्यवाही करें। जिस पर आरईएस विभाग के एसडीओं श्री धरने ने कहा कि सड़क नीची होने के कारण कुछ स्थानों पर पानी जमा हो रहा है एवं कुछ अनियमितता ठेकेदार के द्वारा बरती गई है। जिसकी शेष राशि रोककर पानी निकासी के लिए नाली में जगह-जगह होल किये जायेगें ताकि सड़क का पानी नाली के माध्यम से आगे निकल सके। अब लालबर्रा बस स्टैण्ड से मजार नाले तक सड़क में जमा हो रहे पानी की निकासी के लिए जिस स्थान पर नाली किनारे मुरूम डाल दी गई है उसे हटाकर जगह-जगह नाली में होल कर पानी निकासी की व्यवस्था की जायेगी। जिससे सड़क में पानी जमा नही होगा।

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय बालाघाट में

सत्र 2025 -26 के लिए प्रथम विद्यालय प्रबंधन समिति का किया गया आयोजन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय बालाघाट में आज सत्र 2025 -26 के लिए प्रथम विद्यालय प्रबंधन समिति का आयोजन एसडीएम गोपाल सोनी की अध्यक्षता में किया गया । मां सरस्वती के पूजन और स्वागत के पश्चात विद्यालय के प्राचार्य श्री अरुण कुमार तुमसरे ने शैक्षणिक गतिविधियों और विद्यालय की अधो संरचना से संबंधित समस्याओं को समिति के सामने रखा। ततसंबंध में समिति के सभी सदस्यों और अध्यक्ष के द्वारा सकारात्मक रूप से निर्णय लेते हुए इसके क्रियान्वयन हेतु अनुमति दी गई । अंत में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत अभी भारत सरकार के द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर की याद में विद्यालय प्रांगण में सिंदूर के पौधे का वृक्षारोपण किया गया ।

इस दौरान समिति के सदस्यों के रूप में जिले के शिक्षाविद शरद ज्योतिषी प्राचार्य उत्कर्ष विद्यालय, प्रोफेसर डॉक्टर निधि ठाकुर शासकीय कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय डॉ श्रीमती सरिता खोबरागड़े प्रोफेसर शासकीय महाविद्यालय, मॉयल प्रबंधक श्री विवेक महाकालकर, देवेंद्र प्रसाद दुबे अतिरिक्त सदस्य 123 सीआरपीएफ भरवेली, नरेंद्र बॉम्परे उपयंत्री विद्यालय शिक्षा विभाग एवं संजय डोंगरे स्नातक उत्तर शिक्षक पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय, आकाशवाणी और सूचना प्रसारण से संबंधित सदस्यों में कुंवर विक्रम सिंह एवं अजय बैंस ,अभिभावक सदस्यों में श्रीमती मोना सरकार, प्रभारी प्राचार्य,उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भरवेली ,जीवन मसराम ,प्रोफेसर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालाघाट की उपस्थिति सराहनीय रही ।कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक श्री अमरमणि शुक्ला के द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया संपूर्ण कार्यक्रम का कुशल संचालन शिक्षक सुधीर कुमार तिवारी के द्वारा किया गया।

विवाह टूटने की रंजिश को लेकर पिता और बेटी पर युवक ने किया जानलेवा हमला

बुदबूदा प्राणघातक हमले का आरोपी धनेंद्र ठाकरे गिरफ्तार

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी पुलिस ने ग्राम बुदबुदा में घर में घुसकर एक लड़की और उसके पिता पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर वहीं एक तीन वर्षीय मासूम बच्चे और वृद्धा को लाठी से मारपीट कर घायल करने के आरोपी धनेंद्र ठाकरे को गिरफ्तार कर लिया है। इसमें बताया जा रहा है कि युवक धनेन्द्र ठाकरे विवाह टूटने एवं बीमार होने के दौरान यूवती देखने ना आने से नाराज था। जिसके द्वारा १२ जुलाई को दिनदहाड़े यह सनसनी वारदात को अंजाम दिया गया। मामले में पुलिस के द्वारा आरोपी धनेंद्र ठाकरे को गिरफ्तार कर उसके पास से जानलेवा हमले में प्रयोग किए गए धारदार हथियार और लठ को बरामद कर उसे १६ जुलाई को न्यायालय के समक्ष पेश किया है।

यह थी सनसनी वरदात

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम बुदबुदा निवासी बस्तीराम राणा खेती किसानी करते हैं जिसके परिवार में पत्नी ,मां और दो बच्चे हैं। जिनमें सीमा राणा बीएससी कर चुकी है और वह बालाघाट में किराए से रहकर पढ़ाई के साथ साथ काम करती है। धनेंद्र ठाकरे ग्राम सावंगी निवासी बस्तीराम राणा का रिश्ते में भांजा लगता है जो नागपुर में प्लंबर का काम करता है। पिछले वर्ष सीमा की शादी धनेंद्र ठाकरे से तय हो गई थी किंतु शादी तय होने के बाद सीमा राणा के परिजनों ने इसी वर्ष माह जनवरी में धनेंद्र ठाकरे से विवाह तोड़ दिया। धनेंद्र ठाकरे आवेश में आकर सीमा राणा के रूम पहुंचकर पेट्रोल डालकर स्वयं को आग लगा ली थी। कुछ दिन पहले ही सीमा राणा कृषि कार्य के सिलसिले में अपने गांव बुदबुदा आई थी। इन दिनों धनेंद्र ठाकरे भी इलाज के बाद गांव सावंगी में ही रह रहा था। तो उसे सीमा राणा गांव बुदबुदा में है पता लगते ही शादी टूटने की रंजिश भुनाने १२ जुलाई की सुबह ११ बजे ग्राम बुदबुदा सीमा राणा के घर पहुंचा और घर में घुसकर धनेंद्र ठाकरे ने चाकू से सीमा राणा के सीधे गले में वार कर दिया। जिसे बचाने दादी बालक के साथ आई चिल्लाने लगे तो उसे लाठी से मारपीट किया। तभी सीमा राणा का पिता बस्तीराम राणा घर आये तो धनेंद्र ठाकरे ने बस्तीराम राणा के सर के ऊपर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार के साथ मोहल्ले पड़ोस के लोग भी आये तब तक धनेंद्र ठाकरे फरार हो चुका था।

शेरपार से धनेन्द्र ठाकरे को पुलिस ने किया गिरफ्तार

घटना की जानकारी डायल १०० पर प्राप्त होते ही गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा को जानकारी देकर उनके निर्देशन एवं अति. पुलिस अधीक्षक राकेश पंद्रो व एसडीओपी अभिषेक चौधरी के नेतृत्व में तत्काल पुलिस टीमों का गठन कर कार्यवाही प्रारंभ की गई। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर घटना की जानकारी लेकर गंभीर रूप से घायल सभी पीड़ितों को वारासिवनी अस्पताल से जिला अस्पताल बालाघाट रिफर किया गया। वहीं पीड़िता की रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक ३३९/२५ भारतीय न्याय संहिता की धारा १०९,१, ३३२ के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया। आरोपी की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीमों को मध्यप्रदेश व महाराष्ट्र के विभिन्न स्थानों पर रवाना किया गया। तकनीकी एवं मुखबिर सूचना के आधार पर आरोपी को १५ जुलाई को ग्राम शेरपार के पास से गिरफ्तार किया गया। आरोपी की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त चाकू एवं मोटरसाइकिल जब्त कर १६ जुलाई को आरोपी को न्यायालय वारासिवनी में प्रस्तुत किया गया।

बेटी की गर्दन और पिता के सिर पर धारदार हथियार से धनेन्द्र ठाकरे ने किया वार-अभिषेक चौधरी

एसडीओपी अभिषेक चौधरी ने बताया कि १२ जुलाई की घटना है हंड्रेड डायल से सूचना मिली थी की जानलेवा हमला बुदबूदा में हुआ है। बेटी की गर्दन और पिता के सिर पर धारदार हथियार से वार किए गए हैं। मामले में पुलिस अधीक्षक एवं वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में टीम तैयार की गयी। इलाज के दौरान पीड़िता ने बताया कि धनेंद्र उर्फ सोनू ठाकरे एक लड़का है उससे विवाह तय हुआ था जनवरी में किन्ही कारणों से विवाह स्थगित हो गया तो धनेंद्र ने घर में घुसकर हमला किया। थाना प्रभारी के नेतृत्व में टीम बनाई थी जिसने महाराष्ट्र ,मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की हमें मोटरसाइकिल महाराष्ट्र से मिला आरोपी नहीं मिला। वह भाग कर वारासिवनी कटंगी बॉर्डर पर ग्राम शेरपार की पहाड़ी में छिपा था । वहां से उसे गिरफ्तार किया गया है ५ महीने पहले सीमा राणा के किराए के मकान के सामने बालाघाट में आरोपी ने स्वयं पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली थी। महिला का अधिकार हैं वह किस्से विवाह करे मामले में विवेचना जारी है।

इनकी रही सराहनीय भूमिका

यह अपराध में एसडीओपी अभिषेक चौधरी, थाना प्रभारी हेमंत नायक ,उपनिरीक्षक धर्मराज सिंह बघेल, सहायक उपनिरीक्षक तरुण सोनेकर, राजेश सनोडिया, प्रधान आरक्षक शाहिद परवेज, आरक्षक कल्याण सिंह भदौरिया, तारेन्द्र बिसेन ,हेमन्त बघेल, श्यामसुंदर परमार, जय भगत ,आर.प्रदीप पुट्टे सायबर सेल का सराहनीय योगदान रहा।

नपा ने स्वच्छता कर्मियों का किया सम्मान, स्वच्छता किट का हुआ वितरण

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर पालिका वारासिवनी में नेशनल एक्शन फॉर मैकेनाइज्ड सैनिटेशन इकोसिस्टम योजना के अन्तर्गत सफाई मित्रो का सम्मान एवं पीपीई किट का वितरण नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। नमस्ते योजना के संबंध में मुख्य नगर पालिका अधिकारी सुर्यप्रकाश उके ने बताया कि नमस्ते योजना केन्द्रीय क्षेत्र योजना के रूप में २०२२ में लांच किया गया था और यह वित्तीय वर्ष २०२३-२४ से २०२५-२६ तक तीन साल की अवधि के लिये लागू की गई है। उक्त योजना भारत सरकार सामाजिक न्याय, अधिकारिता मंत्रालय और आवास शहरी कार्य मंत्रालय की संयुक्त पहल है। नमस्ते योजना का मुख्य उद्देश्य स्वच्छता कर्मियों विषेशकर सीवर और सेप्टिक टैंक की खतरनाक सफाई में लगे कर्मचारियों की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करना है। इसी अनुक्रम में १६ जुलाई २०२५ को नमस्ते दिवस के रूप में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे, धर्मेश जोशी,सुनिल जायसवाल, सूर्यप्रकाश उके मुख्य नगर पालिका अधिकारी, श्रीमती अंशिका चौहान उपयंत्री मौजूद रहे। नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे ने कहा कि नगर की स्वच्छता व्यवस्था में इन कर्मवीरो की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनके द्वारा यह भी आश्वासन दिया कि स्वच्छता कर्मियों की सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य सुरक्षा एवं कुशल प्रशिक्षण हेतु निरंतर प्रयास किये जायेंगे।

तुमाड़ी नाले पर बनी दुर्घटना होने की संभावना

पुलिया पर गड्ढे एवं सेफ्टी वाल ना होने से राहगीर परेशान

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत वारा से तुमाड़ी मार्ग स्थित पुलिया से आवागमन कर रहे लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जहां पर पुलियां के ऊपर छोटे.बड़े गड्ढे हो गए हैं तो वहीं उन में जल भराव की स्थिति के साथ पुलियां के दोनों छोर पर कोई सेफ्टी वाल या रेलिंग नहीं लगाई गई है। ऐसे में मौके पर दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है जिसके लिए लंबे समय से राहगीरों के द्वारा सुधार कार्य करने सेफ्टी उपकरण लगाने की मांग की जा रही है। किंतु जिम्मेदार प्रशासन के द्वारा उक्त समस्या पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है ऐसे में सभी परेशान है। यह मार्ग सीधे लालबर्रा क्षेत्र के लिए निकलता है जहां से लोग प्रतिदिन लालबर्रा और वारासिवनी मुख्यालय सहित विभिन्न ग्रामीण क्षेत्र के लिए आना जाना करते हैं। जिन्हें यह पुलियां पर समस्या का सामना करना पड़ता है। जबकि यह नगर मुख्यालय से लगा हुआ मार्ग और पुलियां है फिर भी आज तक कोई सुधार के कार्य नहीं किए गए हैं और ना ही दुर्घटना को रोकने के लिए कोई सेफ्टी वाल का निर्माण किया गया है। जबकि इस मार्ग से प्रतिदिन छोटे.बड़े भारी सभी प्रकार के वहन आना जाना करते हैं। ऐसे में ग्रामीणों के द्वारा पुलियां को थोड़ा ऊंचा उठाने या उसके दोनों तरफ रेलिंग लगाकर रेडियम लगाने की मांग की जा रही है।

शासन प्रशासन को पुलियां के दोनो छोर सेफ्टीवाल लगाना चाहियें-जितेंद्र तिवारी

शिक्षक जितेंद्र तिवारी ने बताया कि मैं तुमाड़ी के एकीकृत शाला में शिक्षा अध्ययन कार्य करवाता हूं। जिसके लिए प्रतिदिन इसी मार्ग और पुलियां पर से आना जाना होता है। बीते दिनों में मूसलाधार बारिश के कारण नदी नाले उफान पर थे २ दिन तक यह मार्ग बंद रहा। इस दौरान कुछ लोगों के द्वारा जान जोखिम में डालकर आना जाना भी किया गया। परंतु पुलियां पर से पानी जाते समय पुलियां का पता नहीं रहता है। दोनों तरफ रेलिंग या सेफ्टी वाल या किसी प्रकार की कोई सेफ्टी वाल नहीं है । जिससे पता चल सके की पुलियां पर कितना पानी है और पुलियां की चौड़ाई कितनी है। यह बहुत समस्या का विषय हो जाता है जिस पर प्रशासन को गंभीरता से ध्यान देना चाहिए।

पुलियां के ऊपर बड़े बड़े गड्ढे बन गए है-पवन मात्रे

राहगीर पवन मात्रे ने बताया कि हम मजदूरी कार्य करते हैं इस मार्ग से प्रतिदिन हमें वेयरहाउस आना पड़ता है। रात्रि के समय यहां सबसे ज्यादा समस्या होती है। पुल की चौड़ाई ज्यादा है सड़क की चौड़ाई बहुत कम है ,ऐसे में मार्ग स्पष्ट नहीं हो पता है। अंधकार बना रहता है रेडियम भी किसी प्रकार का लगाया नहीं गया है। कई बार गाड़ियां नाले में उतर चुकी है दुर्घटनाएं हो चुकी है फिर भी किसी के द्वारा इधर ध्यान नहीं दिया गया है। अभी पुलियां के ऊपर छोटे बड़े गड्ढे बन गए हैं पुलियां के दोनों तरफ टर्निंग पड़ती है आने.जाने में दिक्कत होता है। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रेलिंग और रेडियम लगाना चाहिए ताकि आवागमन में पुलियां की स्थिति पता चल सके। क्योंकि इस मार्ग से हजारों लोग प्रतिदिन विभिन्न ग्रामीण क्षेत्र के लिए आना जाना करते हैं।

महाविद्यालय में नशा मुक्ति अभियान कार्यक्रम सम्पन्न

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। शासकीय एसएसपी महाविद्यालय वारासिवनी के इंदिरा कक्ष में मध्यप्रदेश पुलिस विभाग के द्वारा संचालित जागरूकता अभियान के अंतर्गत पुलिस थाना वारासिवनी एवं स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वाधान में नशा मुक्ति अभियान कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस एस गेड़ाम ,थाना वारासिवनी से महैलसिंह ध्रुवे ,श्रीमती सत्यशीला वासनिक ,राजकपुर रंगारे ,आर. हेमंत बघेल की मौजूदगी में कार्यक्रम का प्रारंभ किया गया। तत्पश्चात् महाविद्यालयीन के छात्र-छात्राओं को नशे से दूरी, है जरूरी' इस थीम पर आधारित शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राध्यापिका डॉ. सरिता कोल्हेकर ने छात्र-छात्रओं को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में युवाओं के कांधे पर अपने परिवार, समाज एवं राष्ट्र को नशा मुक्त करने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इस जिम्मेदारी को वे नशे से दूर रह कर सफलता पूर्वक निभा सकते है। वहीं श्रीमती सत्यशीला वासनिक ने कहा की जो मनुष्य नशा करता है वह व्यक्ति अकेला बर्बाद नही होता है बल्की उसके साथ साथ उसका परिवार भी बर्बाद हो जाता है। हेमंत बघेल ने कहा कि पिछले एक वर्ष में संपूर्ण मध्यप्रदेश में आपराधिक गतिविधियों का विश्लेषण करने के उपरांत यह पाया कि ९० प्रतिशत अपराध नशा करने के बाद ही हुए है। इसलिए नशा मुक्ति जागरूकता अभियान १५ जुलाई से ३० जुलाई तक चलाया जा रहा है। नशा मनुष्य को सर्वांगिण रूप से पतन की ओर ले जाता है। प्राचार्य डॉ. एस एस गेड़ाम ने कहा कि नशे से मनुष्य को आर्थिक, सामाजिक एवं धार्मिक क्षति होती है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. तृप्ति सोनवे , कृष्णा पराते , श्रीमती सरिता नागवंशी , विकास साहू ,डी एल एड़े, संतोष त्रिवेदी, श्रीमती टीना बिसेन ,श्रीमती हर्षिता मेश्राम , शिखा देवगीरकर का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का सफ्ल मंच संचालन नरेन्द्र कुमार डोंगरे के द्वारा किया गया।

कैरियर हायर सेकेण्डरी स्कूल में नशा मुक्ति अभियान प्रारंभ

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)।स्थानीय कैरियर हायर सेकेण्डरी स्कूल में कार्यरत राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा नशा मुक्ति अभियान का प्रारंभ स्कूल संचालक प्राचार्य निरंजन बिसेन के द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना स्वंय सेवकों एवं सेविकायें सहित अन्य छात्र छात्रायें एवं स्कूल परिवार के सदस्यों को नशा मुक्ति की शपथ दिला कर किया गया। १५ जुलाई से प्रारंभ इस अभियान के अंतर्गत रैली सहित निबंध प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जावेगा। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी राकेश कुमार मिश्रा,श्रीमती अनिता मिश्रा, डी पी चैतगुरू, यू के कटरे, देवसिंह ठाकुर, कु. ज्योति गौतम, ज्योति बिसेन, श्रीमती ज्ञानेश्वरी बिसेन, साधना बंसोड़, कु. प्राची देवारे, श्रीमती ज्योति बाला बोपचे सहित सभी कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

अहमदाबाद प्लेन हादसा की प्रारंभिक रिपोर्ट

एयर इंडिया की उड़ान संख्या 171 के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारणों की प्रारंभिक रिपोर्ट से कुछ जवाब तो मिले हैं, लेकिन इसके कारण को लेकर अटकलों का दौर भी शुरू हो गया है।बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान पश्चिमी भारत के अहमदाबाद शहर से लंदन जाते समय उड़ान भरने के एक मिनट से भी कम समय बाद एक इमारत से टकरा गया, जिससे उसमें सवार 241 लोगों और ज़मीन पर मौजूद 19 लोगों की मौत हो गई। एक यात्री बच गया।हालांकि, विमानन उद्योग के विशेषज्ञों का दावा है कि जाँचकर्ता बहुत ही चयनात्मक तरीके से बयान दे रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय प्रोटोकॉल के तहत, किसी हवाई दुर्घटना की जाँच करने वाले राज्य को 30 दिनों के भीतर एक प्रारंभिक रिपोर्ट जारी करनी होती है। भारत के वायु दुर्घटना जाँच ब्यूरो (AAIB) द्वारा शनिवार को प्रकाशित 15-पृष्ठ का दस्तावेज़ इस आवश्यकता को पूरा करता है।हालाँकि एएआईबी जाँच का नेतृत्व कर रहा है, लेकिन इसमें अमेरिकी हितों का भी प्रतिनिधित्व है, क्योंकि विमान निर्माता बोइंग और इंजन निर्माता जीई एयरोस्पेस अमेरिकी हैं।यह याद रखना ज़रूरी है कि प्रारंभिक रिपोर्ट का उद्देश्य पूरी घटना की कोई ठोस निष्कर्ष निकालना नहीं होता। ये रिपोर्ट एक लंबी जाँच के शुरुआती चरणों में प्राप्त जानकारी का सारांश हैं।दुर्घटनाग्रस्त उड़ान के अपने विवरण में, एएआईबी ने कहा है कि उड़ान भरने के कुछ ही सेकंड बाद दो ईंधन कट-ऑफ स्विच रन से कट-ऑफ स्थिति में आ गए थे।इससे इंजनों का ईंधन खत्म हो गया और उनका थ्रस्ट कम हो गया। हालाँकि फ्लाइट रिकॉर्डर के डेटा से पता चलता है कि इंजन बाद में फिर से चालू हो गए थे, लेकिन दुर्घटना को रोकने के लिए बहुत देर हो चुकी थी।इन स्विचों का इस्तेमाल आमतौर पर उड़ान से पहले इंजन चालू करने और बाद में बंद करने के लिए ही किया जाता है। इनमें एक लॉकिंग मैकेनिज्म होता है, जिसका मतलब है कि इन्हें पलटने से पहले बाहर निकालना होगा, यह एक ऐसी प्रणाली है जिसे आकस्मिक तैनाती को रोकने के लिए डिज़ाइन किया गया है।रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि एक पायलट ने दूसरे से पूछा, तुमने कट-ऑफ क्यों किया?, जबकि उसके सहयोगी ने जवाब दिया कि उसने ऐसा नहीं किया।हालाँकि, यह बातचीत का कोई सीधा प्रतिलेख उपलब्ध नहीं कराता, जिसे कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर रिकॉर्ड कर लेता। न ही यह बताता है कि किस पायलट ने सवाल पूछा था।जाँच अधिकारी अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट सार्वजनिक करने के लिए भी बाध्य नहीं है।विमानन क्षेत्र में मानवीय हताहतों और वित्तीय नुकसान को कम करने के लिए इन दुर्घटनाओं के कारणों और विवरणों का विश्लेषण आवश्यक है। ज़मीन पर, जैसे एप्रन पर, और हवा में, उपचारात्मक उपायों को लागू करने पर विशेष ज़ोर दिया जाना चाहिए। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (छत्रष्ट) सुरक्षा निरीक्षण के लिए ज़िम्मेदार नियामक प्राधिकरण के रूप में कार्य करता है। रोज़ाना बढ़ती हवाई दुर्घटनाओं को देखते हुए, स्थापित दिशानिर्देशों के अनुसार प्रबंधन योजना और ज़मीनी संचालन का एक व्यापक अध्ययन करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। 2015 से, इन दुर्घटनाओं के मूल कारणों की जाँच के लिए एक व्यवस्थित साहित्य समीक्षा जारी है। भारत में हवाई परिवहन ने हाल के वर्षों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी है, साथ ही दुर्घटनाओं और आपात स्थितियों में भी वृद्धि हुई है। डीजीसीए के अनुसार, दुर्घटना से तात्पर्य विमान परिचालन से संबंधित किसी भी घटना से है, दुर्घटनाओं को छोड़कर, जो सुरक्षा को प्रभावित करती है या संभावित रूप से प्रभावित कर सकती है। हाँ यह देखा गया है कि दुर्घटनाओं के प्रमुख कारण उड़ान संचालन, उतरना, टेक-ऑफ, ईंधन प्रबंधन, यांत्रिक समस्या मौसम हैं जो संचालन की सुरक्षा को प्रभावित करती है या प्रभावित कर सकती है। हवाई अड्डे का एप्रन, रैंप या टैक्सीवे, हवाई अड्डे का वह क्षेत्र होता है जहाँ विमान पार्क, उतरते, ईंधन भरते, सामान लादते या रखरखाव करते हैं।

न्याय,जवाबदेही और मानव अधिकारों के प्रति वैश्विक प्रतिबद्धता का प्रतीक है

वैश्विक स्तरपर एक दो दशक से जिस तरह संगठित अपराधोंकी संख्या में अंतरराष्ट्रीय राष्ट्रीय, राज्य स्तरीय व स्थानीय समूह की गतिविधियों में वृद्धि हुई है इसे गंभीरता से रेखांकित करना समय की मांग है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि उनके संगठित अपराधों को अगर हम वर्तमान परिपेक्ष में देखें तो जांचएजेंसियों द्वारा आजकल अपराध की थ्योरी को अन्तर्राष्ट्रीय एंगल से जांच करने की थ्योरी भी अपनाई जाती है जिस तरह से वर्तमान में रूस- यूक्रेन इजराइल हमास युद्ध,व अनेक देशों के स्थानीय लोकल स्तरोंपर मानवीय अधिकार हनन अपराध चर्चा में आ रहा है व विशेष रूप से युद्ध अपराध चर्चा में आया हैं, युद्ध अपराध के लिए विशिष्ट अन्तर्राष्ट्रीय मानक मौजूद हैं, सहित अनेक केसों की तारें विदेशों तक जुड़ी हुई है। एक आपराधिक संगठन को हम गिरोह,माफिया, भीड़, सिंडीकेट, अंडरवर्ल्ड या गैंग्लैंड भी कह सकतें है, जिसमें अनेक अपराध जैसे सफेदपोश अपराध, वित्तीय अपराध, राजनीतिक अपराध, युद्ध के अपराध सहित अनेक परिभाषित अपराधों को शामिल किया जा सकता है जो अंतरराष्ट्रीय कनेक्टेड होते हैं इसीलिए आज हम ऐसे अपराधों और न्याय पर चर्चा करेंगे जो अंतरराष्ट्रीय श्रेणी में आते हैं उनके पीड़ितों को न्याय दिलाने, दुनियाँ भर में हो रहे गंभीर अपराधों पर रोक लगाने विश्व को अंतर्राष्ट्रीय अपराधों से सचेत रहने के प्रति जागरूक करने के संबंध में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में उपलब्ध जानकारी के आधार पर अंतरराष्ट्रीय न्याय दिवस 17 जुलाई 2025 के उपलक्ष में इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे। साथियों बात अगर हम आज की दुनिया में विश्व अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस 2025 की प्रासंगिकता की करें तो (1) राजनीतिक संघर्षों, युद्ध अपराधों और असंख्य मानवाधिकार उल्लंघनों के इस युग में, विश्व अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस की प्रासंगिकता आज भी बनी हुई है। (2)यह विश्वव्यापी स्तर पर एक पर्याप्त रूप से सुदृढ़ अंतर्राष्ट्रीय कानूनी व्यवस्था की आवश्यकता की ओर ध्यानआकर्षित करता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि नरसंहार, युद्ध अपराधों और मानवता के विरुद्ध अपराधों के लिए जिम्मेदार, बिना जवाबदेही के न बच सकें।(3) यूक्रेन, गाजा और अफ्रीका के कुछ हिस्सों में उभर रहे संकटों को देखते हुए, अंतर्राष्ट्रीय न्याय एक महत्वपूर्ण तंत्र है जो आम नागरिकों की रक्षा करता है और आगे होने वाले अत्याचारों को प्रभावी रूप से रोक सकता है।(4) यह अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) जैसी संस्थाओं और न्याय प्रशासन में राज्यों के बीच सहयोग के महत्व को भी उजागर करता है। (5) ऐसे युग में जहाँ बहुपक्षवाद और कानून के शासन को बढ़ती चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, यह स्मरणोत्सव शांति, जवाबदेही और पीड़ितों के अधिकारों के प्रति वैश्विक निष्ठा की याद दिलाता है। (6) इसलिए यह एक ऐसी न्यायपूर्ण दुनिया की दिशा में प्रेरणा देता है जहाँ न्याय सीमाओं और राजनीतिक हितों से परे जाकरस ?ती से लागू हो। साथियों बात अगर हम विश्व अंतरराष्ट्रीय न्याय दिवस मनाने के उद्देश्यों की करें तो, (1) विश्व अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस का उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्याय के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उसे बढ़ावा देना तथा दुनिया में सबसे गंभीर अपराधों के लिए दंड से मुक्ति के विरुद्ध संघर्ष करना है (2) यह अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (ICC) जैसे कानूनी तंत्रों के माध्यम से नरसंहार, युद्ध अपराधों और मानवता के विरुद्ध अपराधों के कुख्यात अपराधियों को जवाबदेह बनाने की आवश्यकता पर बल देता है। (3) यह दिवस मानवाधिकारों की सुरक्षा, कानून के शासन को बनाए रखने और पीड़ितों को न्याय सुनिश्चित करने पर भी ध्यान केंद्रित करता है।(4) इसलिए यह अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को सहयोग और ठोस अंतर्राष्ट्रीय कानूनी ढाँचों के माध्यम से एक अधिक न्यायपूर्ण और निष्पक्ष विश्व के निर्माण हेतु मिलकर काम करने की याद दिलाता है। साथियों बात अगर हमअंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) को समझने की करें तो-परिचय (1) यह विश्व का पहला स्थायी, स्वतंत्र और अंतर्राष्ट्रीय न्यायाधिकरण है जो उन व्यक्तियों पर मुकदमा चलाता है जिन्होंने अत्यंत गंभीर अपराध किए हों। (2) इसमें चार प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय अपराधों को सम्मिलित किया गया है- नरसंहार युद्ध संबंधी अपराध, मानवता के विरुद्ध अपराध तथाआक्रामकता से संबंधित अपराध। (3) इस न्यायालय का मुख्यालय हेग, नीदरलैंड्स में स्थित है और यह जुलाई 2002 से कार्य कर रहा है। (4) भारत ने अभी तक रोम संविधि पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं, अत: वह आईसीसी का सदस्य नहीं है। (5) भारत का मानना है कि आईसीसी की कुछ धाराएं उसकी राष्ट्रीय संप्रभुता, सैन्य कार्रवाई और आंतरिक सुरक्षा नीतियों के लिए बाधक हो सकती हैं। (6) भारत यह भी आशंका जताता हैकि आईसीसी पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के वीटोयुक्त देशों का अत्यधिक प्रभाव है, जिससे निष्पक्षता प्रभावित हो सकती है। साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के ढांचे की करें तो,संयुक्त राष्ट्र सेसंबंधित अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय का मुख्यालय द हेग में है। इस न्यायालय में 6 भाषाओं (अंग्रेजी, फ्रेंच, रसियन, स्पेनिश, अरेबिक, चाइनीज) में सुनवाई होती है, लेकिन काम अंग्रेजी और फ्रेंच में ही होता है। इसके सदस्य देशों की संख्या 123 है। 17 जुलाई 1998 को इसकी स्थापना हुई थी, इसने 1 जुलाई 2002 से कार्य करना प्रारंभ कर दिया। साथियों बात अगर हम न्यायालय की ज़रूरत की करें तो अपराध की दुनिया पर लगाम लगाने के लिए न्यायालय की जरूरत पड़ती है। इसी को ध्यान में रखते हुए विश्व में न्याय दिलाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय की स्थापना हुई थी।प्रतिवर्ष आज ही के दिन 17 जुलाई को अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस मनाया जाता है। इसे आमतौर पर अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्याय दिवस भी कहा जाता है। इसी दिन अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायालय की स्थापना हुई थी। इसे मनाने का मुख्य उद्देश्य विश्व को अंतर्राष्ट्रीय अपराधों के प्रति जागरूक करना है। साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय के क्रियाकल्प की करें तो, अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय एक स्थाई और स्वतंत्र अंतर्राष्ट्रीय न्यायिक ऑर्गेनाइजेशन है, जो अंतरराष्ट्रीय मानवीय और मानव अधिकारों के सबसे गंभीर उल्लंघन के आरोपियों को दंडित करने में सक्षम है। जिसमें नरसंहार का अपराध, अपराधों का युद्ध और मानवता के खिलाफ अपराध शामिल है। अंतरराष्ट्रीय अपराधिक न्यायालय स्थापना तब हुई जब, राज्यों ने रोम में एक कानून को अपनाया इस की प्रतिमा को अंतरराष्ट्रीय अपराधिक न्यायालय के संविधि के रूप में जाना जाता है। आईसीसी राष्ट्रीय अदालतों की जगह नहीं लेता है।

अत: अगर हम उपरोक्त विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि विश्व अंतरराष्ट्रीय न्याय दिवस 17 जुलाई 2025- न्याय जवाबदेही और मानव अधिकारों के प्रति वैश्विक प्रतिबद्धता का प्रतीक हैदुनियाँ की सरकारें प्रण करें- अन्याय के नए रूपों को वि ?ल करेंगे, न्यायिक संस्थाओं को म ?बूत करेंगे वपीं ?तों को सशक्त बनाएंगे।अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय को अपराधियों के प्रत्यर्पण, आतंकवाद पनाहगार देशों का संज्ञान, अंतर्राष्ट्रीय संदिग्ध अपराधियों को गिरफ्तार करने की शक्तियां देना समय की मांग हैं।

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

डॉ. मोहन यादव के दुबई दौरे से खुली मध्यप्रदेश में निवेश की नई राहें

भारत का हृदय प्रदेश मध्यप्रदेश आज मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में औद्योगिक और आर्थिक प्रगति की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उनके विजन और निवेशकों के प्रति सरकार की पारदर्शी नीतियों ने आज मध्यप्रदेश को देश के सबसे आकर्षक निवेश स्थलों में से एक बना दिया है। हाल के वर्षों में डॉ. यादव की विदेश यात्राओं और रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव जैसे नवाचारों ने राज्य में निवेश की लहर को बूस्टर डोज देने का काम किया है।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश को निवेश के लिए बेहतर स्टेट बनाने के लिए 18 प्रकार की पारदर्शी औद्योगिक नीतियां लागू की हैं। इन नीतियों की बदौलत आज निवेशकों को सिंगल विंडो सिस्टम, बिजली बिलों में छूट, और जमीन आवंटन में आसानी जैसे लाभ प्राप्त हो रहे हैं। डॉ. यादव ने निवेशकों को आश्वासन दिया है कि मध्यप्रदेश में निवेश करने पर उन्हें किसी भी कठिनाई का सामना नहीं करना पड़ेगा। उनकी यह प्रतिबद्धता निवेशकों के बीच विश्वास जगाने में सफल रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश ने बेहद कम समय में निवेश, रोजगार सृजन और शहरी विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। उनकी पारदर्शी नीतियां, वैश्विक मंचों पर सक्रिय भागीदारी और रोजगार व कौशल विकास पर विशेष जोर ने मध्यप्रदेश को आज भारत का सबसे प्रगतिशील राज्य बना दिया है। निवेश के लिए उनकी लगातार हो रही विदेश यात्राएं अब राज्य की आर्थिक समृद्धि और रोजगार सृजन की दिशा में एक नया अध्याय लिख रही हैं। डॉ. यादव का यह मिशन मध्यप्रदेश को न केवल निवेश का केंद्र बनाएगा, बल्कि इसे धार्मिक, सांस्कृतिक पर्यटन के क्षेत्र में भी वैश्विक पहचान मिलेगी । मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश ने निवेश के क्षेत्र में अभूतपूर्व सफलताएं प्राप्त की हैं। रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव और ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से लगभग 30 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इसके अलावा इंग्लैंड, जर्मन और जापान जैसे देशों से 78 हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए जो राज्य में 3 लाख से अधिक रोजगार सृजन की संभावना को दर्शाते हैं। इन निवेशों ने मध्यप्रदेश को टेक्सटाइल, रिन्यूएबल एनर्जी, खाद्य प्रसंस्करण, और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में अग्रणी बनाने में मदद की है।हाल ही में लुधियाना में उद्योगपतियों के साथ हुए इंटरेक्टिव सेशन में मध्यप्रदेश को 15,606 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए जिससे 20,275 से अधिक रोजगार सृजित होंगे। जहाँ एक तरफ मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की दुबई यात्रा ने देश के हृदयस्थल मध्यप्रदेश को वैश्विक निवेश के मानचित्र पर एक प्रमुख गंतव्य के रूप में स्थापित करने का कार्य किया है वहीं दूसरी तरफ प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के दुबई दौरे ने मध्यप्रदेश में निवेश, रोजगार सृजन और तकनीकी सहयोग की दृष्टि से नई संभावनाओं के द्वार खोले हैं। यह दौरा आर्थिक, सांस्कृतिक और पर्यटन क्षेत्रों में मध्यप्रदेश की वैश्विक पहचान को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित हुआ है।डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में मध्यप्रदेश अपनी औद्योगिक और आर्थिक प्रगति के लिए लगातार प्रयासरत रहा है। हाल के वर्षों में राज्य सरकार ने निवेशकों को आकर्षित करने के लिए कई नीतिगत सुधार किए हैं जिनमें उद्योग-अनुकूल नीतियां, रियायती भूमि आवंटन और पूंजीगत अनुदान जैसे प्रावधान शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ.यादव का दुबई दौरा भारत-यूएई व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने और मध्यप्रदेश को वैश्विक निवेश के लिए एक विश्वसनीय केंद्र के रूप में स्थापित करने में सफल साबित हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दुबई में कई प्रमुख वैश्विक कंपनियों और व्यापारिक संगठनों के साथ उच्च-स्तरीय बैठकें की जिनमें लुलु ग्रुप, सराफ डीजी, ईसा एआई अल गुरैर ग्रुप, गल्फ इस्लामिक इन्वेस्टमेंट्स, जी42 इंडिया और टाटा संस मिडिल ईस्ट जैसी कंपनियां शामिल रही। इन बैठकों में स्वास्थ्य, लॉजिस्टिक्स, खाद्य प्रसंस्करण, सूचना प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा, और वस्त्र जैसे क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा हुई। इन बैठकों में मध्यप्रदेश में निवेश के संभावित क्षेत्रों जैसे स्वास्थ्य, खाद्य प्रसंस्करण, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), लॉजिस्टिक्स और नवीकरणीय ऊर्जा पर चर्चा हुई। विशेष रूप से धार में पीएम मित्रा पार्क (वस्त्र), तामोट और बिलौआ में प्लास्टिक पार्क, उज्जैन में मेडिकल डिवाइस पार्क, पीथमपुर में ऑटो, भोपाल में इलेक्ट्रॉनिक्स, और देवास में फार्मा क्लस्टर जैसे परियोजनाओं को निवेशकों के सामने प्रस्तुत किया गया। गल्फ महाराष्ट्र बिजनेस फोरम और मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम) के साथ हुई चर्चाओं में आपसी सहयोग की नई संभावनाओं पर विचार किया गया। इसके अलावा जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन के साथ बैठक में लॉजिस्टिक्स, इलेक्ट्रिक वाहन और खाद्य प्रसंस्करण जैसे क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं पर जोर दिया गया।दुबई में आयोजित इन्वेस्ट मध्यप्रदेश दुबई बिजनेस फोरम एंड नेटवर्किंग डिनर इस दौरे का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा जहाँ अपनी डिनर डिप्लोमैसी से डॉ. यादव ने निवेशकों को मध्यप्रदेश की औद्योगिक क्षमताओं और निवेश-अनुकूल नीतियों से अवगत कराया। एमपी की पर्यटन क्षेत्र में जबरदस्त ब्रांडिंग के लिए और भरपूर निवेश को बढ़ावा देने के लिए एक राउंडटेबल बैठक का आयोजन भी किया गया जहाँ निवेशकों ने मध्यप्रदेश के पर्यटन की प्रशंसा की। मध्यप्रदेश सरकार ने हाल के वर्षों में निवेश आकर्षित करने के लिए कई कदम उठाए हैं। डॉ. यादव ने बताया कि फरवरी 2025 में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में 30 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए जो राज्य की आर्थिक प्रगति का एक मजबूत संकेत है। इसके अलावा रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के आयोजन से भी निवेश के लिए एमपी की जबरदस्त ब्रांडिंग हुई। दुबई दौरे के दौरान भी निवेशकों ने मध्यप्रदेश में विशेष रूचि दिखाई और कई महत्वपूर्ण निवेश प्रस्ताव सामने आए। दुबई दौरे में शराफ डीजी ग्रुप ने लॉजिस्टिक्स पार्क के लिए 30-50 मिलियन डॉलर का प्रस्ताव रखा जबकि कोनेरी ग्रुप ने 75 मिलियन डॉलर के स्टील प्लांट की योजना प्रस्तुत की। इसके अतिरिक्त इंदौर इंटरनेशनल बिजनेस नेटवर्क के एक कार्यक्रम में 25 से अधिक कंपनियों के सीईओ की उपस्थिति में सस्टेनेबल सिटी के लिए 1000 करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव दिया गया। ये निवेश न केवल आर्थिक विकास को गति देंगे, बल्कि हजारों युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित करेंगे।दुबई टेक्सटाइल सिटी के दौरे और टेक्समस एसोसिएशन के साथ इंटरएक्टिव सत्र में डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश के वस्त्र उद्योग की क्षमताओं को प्रस्तुत किया। विशेष रूप से धार में पीएम मित्रा पार्क और अन्य टेक्सटाइल क्लस्टरों को बढ़ावा देने की योजनाओं पर जोर दिया गया। इसके अलावा नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में यूएई की विशेषज्ञता को मध्यप्रदेश की परियोजनाओं के साथ जोड़ने की संभावनाएं तलाशी गई। ग्रू एनर्जी और जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन के साथ हुई चर्चाओं में सतत विकास और पर्यावरण-अनुकूल परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया। डॉ.यादव ने दुबई टेक्सटाइल सिटी में टेक्समस एसोसिएशन परिसर का दौरा किया और वस्त्र उत्पादन तथा निर्यात गतिविधियों का भी अवलोकन किया। इस दौरान एक इंटरएक्टिव सत्र और नेटवर्किंग लंच में मध्यप्रदेश के टेक्सटाइल सेक्टर की क्षमताओं और पीएम मित्रा पार्क जैसी योजनाओं को प्रस्तुत किया गया। इसके अतिरिक्त ग्रू एनर्जी जैसी अग्रणी ग्रीन एनर्जी कंपनी के साथ बैठक में सतत विकास और पर्यावरण-अनुकूल परियोजनाओं पर मध्यप्रदेश की प्राथमिकताओं को साझा किया गया। डॉ. यादव ने यूएई के विदेश व्यापार मामलों के मंत्री डॉ. थानी बिन अहमद अल जयोदी के साथ भी एक महत्वपूर्ण बैठक की जिसमें भारत-यूएई व्यापारिक संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा हुई। भारत-यूएई सीईपीए (कम्प्रिहेंसिव इकोनॉमि पार्टनरशिप एग्रीमेंट) के तहत मध्यप्रदेश को निवेश और व्यापार के लिए एक आकर्षक डेस्टिनेशन के रूप में प्रस्तुत किया गया। इस बैठक में भारत-यूएई व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते के तहत मध्यप्रदेश की भूमिका पर चर्चा हुई। डॉ. यादव ने सौर ऊर्जा, स्मार्ट ऑटोमेशन, एम्बेडेड इलेक्ट्रॉनिक्स और इंडस्ट्री 4.0 जैसे क्षेत्रों में यूएई की विशेषज्ञता को मध्यप्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित किया। इसके अतिरिक्त, एमिरेट्स एयरलाइंस और दुबई सिविल एविएशन अथॉरिटी के साथ हुई बैठकों में इंदौर और भोपाल से डायरेक्ट फ्लाइट्स और रीजनल कार्गो हब की स्थापना जैसे प्रस्तावों पर सहमति बनी। डॉ. मोहन यादव का दुबई दौरा केवल आर्थिक और औद्योगिक पहलुओं तक सीमित नहीं रहा। डॉ. यादव ने दुबई में प्रवासी भारतीय समुदाय और फ्रेंड्स ऑफ एमपी के साथ भी संवाद किया जिसमें मध्यप्रदेश के पर्यटन की वैश्विक मंच पर ब्रांडिंग की गई। दुबई दौरे के दौरान उज्जैन, खजुराहो और सांची जैसे पर्यटन स्थलों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रचारित करने की दिशा में सरकार ने कोई कोर- कसर नहीं छो ?ी। डॉ. यादव ने दुबई में रह रहे मध्यप्रदेश मूल के प्रवासी भारतीयों और फ्रेंड्स ऑफ एमपी के साथ संवाद किया। होटल अटलांटिस में आयोजित ब्रांड मध्यप्रदेश कार्यक्रम में राज्य की उपलब्धियों और विविधता को दर्शाने वाली लघु फिल्म और थीम प्रदर्शनी ने निवेशकों और प्रवासी भारतीयों का ध्यान आकर्षित किया।इस कार्यक्रम में उन्होंने राज्य की औद्योगिक नीतियों, बुनियादी ढांचे, और जन-कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। प्रवासी भारतीयों को मध्यप्रदेश के विकास से जोड़ने के लिए विशेष अवसरों और योजनाओं पर प्रकाश डाला गया। दुबई दौरे के दौरान कई कंपनियों ने मध्यप्रदेश में निवेश के लिए ठोस प्रस्ताव दिए। शराफ डीजी ग्रुप ने लॉजिस्टिक्स पार्क के लिए 30-50 मिलियन का निवेश प्रस्ताव रखा।कोनेरी ग्रुप ने 75 मिलियन डॉलर के स्टील प्लांट की स्थापना का प्रस्ताव दिया। बीडीओ ईजी ने भोपाल में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर और इंदौर में डिजिटल सेंटर की स्थापना की घोषणा की जिससे हजारों नौकरियां सृजित होंगी। इंदौर इंटरनेशनल बिजनेस नेटवर्क के साथ सस्टेनेबल सिटी के लिए 1000 करोड़ के निवेश का प्रस्ताव दिया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के दुबई दौरे ने मध्यप्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं को मजबूत किया। प्रस्तावों के माध्यम से हजारों युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का दुबई दौरा मध्यप्रदेश के लिए एक फायदे का सौदा साबित हुआ है। दुबई दौरे ने न केवल वैश्विक निवेशकों के साथ संबंधों को मजबूत किया है बल्कि प्रदेश की औद्योगिक, सांस्कृतिक और पर्यटन क्षमताओं को भी वैश्विक स्तर पर प्रदर्शित किया है। मध्यप्रदेश के पर्यटन स्थलों को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने से अब विदेशी पर्यटकों की संख्या में बड़ी वृद्धि की उम्मीद है। पीएम मित्रा पार्क, मेडिकल डिवाइस पार्क और फार्मा क्लस्टर जैसे परियोजनाओं के लिए निवेश से मध्यप्रदेश में औद्योगिक बुनियादी ढांचा मजबूत होगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का दुबई दौरा मध्यप्रदेश के लिए एक सुनहरा अवसर लेकर आया है। इस यात्रा ने न केवल निवेशकों का विश्वास जीता, बल्कि मध्यप्रदेश को एक वैश्विक निवेश गंतव्य स्थल के रूप में स्थापित करने की दिशा में तेजी से अपने कदम बढ़ाए हैं।

- हर्षवर्धन पान्डे

कोख में कत्ल होती बेटियाँ- हरियाणा की घुटती संवेदना

हरियाणा में केवल तीन महीनों में एक हज़ार एक सौ चौवन गर्भपात। कारण ङ्क कन्या भ्रूण हत्या की आशंका। छप्पन आशा कार्यकर्ताओं को कारण बताओ नोटिस। निगरानी प्रणाली में चूक। पश्च परीक्षण प्रणाली और पुलिस के सहयोग से कठोर कार्यवाही की तैयारी। किन्तु क्या यह सख़्ती पर्याप्त है? जब तक समाज की सोच, पारिवारिक मानसिकता और चिकित्सा संस्थानों की नैतिकता में बदलाव नहीं आएगा, तब तक कोई योजना सफल नहीं होगी। बेटी को बचाने के लिए उसका जन्म गर्व का विषय बनाना होगा, अपराधबोध का नहीं।

जिस धरती पर दुर्गा, सरस्वती और लक्ष्मी जैसी नारियों की पूजा होती है, उसी धरती पर बेटियाँ आज भी माँ की कोख में दम तोड़ रही हैं। हाल ही में आई एक रिपोर्ट ने हरियाणा की उस कड़वी सच्चाई को फिर से उजागर किया है, जिसमें तीन महीनों में एक हज़ार एक सौ चौवन गर्भपात दर्ज किए गए — जिनमें अधिकांश के पीछे पुत्री होने की संभावना प्रमुख कारण मानी जा रही है। यह आँकड़ा केवल एक संख्या नहीं, बल्कि हमारे समाज के भीतर छुपी पुरुषप्रधान सोच, भेदभावपूर्ण मानसिकता और शासन-प्रशासन की विफलता का प्रत्यक्ष प्रमाण है। सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को जमीनी स्तर तक पहुँचाने के लिए आशा कार्यकर्ताओं को सहेली की भूमिका में तैनात किया था। उनका कर्तव्य था कि वे गर्भवती महिलाओं की नियमित निगरानी करें, उनके स्वास्थ्य की देखरेख करें, और सही सलाह देकर उन्हें सहयोग प्रदान करें। किन्तु छप्पन आशा कार्यकर्ताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाना यह दर्शाता है कि इस निगरानी प्रणाली में गम्भीर लापरवाही हुई है। क्या ये कार्यकर्ता जानबूझकर लापरवाह थीं, या उनके पास संसाधनों की कमी थी? क्या वे सामाजिक दबाव, भय अथवा अव्यवस्था के कारण चुप रहीं? यह गहन जाँच का विषय है, क्योंकि केवल दंड देना समाधान नहीं, अपितु इस समस्या का संवेदनशील समाधान आवश्यक है। हमारे देश में गर्भधारण से पूर्व एवं पूर्व प्रसव भ्रुण परीक्षण निषेध अधिनियम के अंतर्गत भ्रुण की लिंग जाँच तथा लिंग के आधार पर गर्भपात एक दंडनीय अपराध है। परंतु यह अधिनियम केवल कागज़ों तक सीमित रह गया है।

हरियाणा में कई स्थानों पर अवैध भ्रूण परीक्षण केंद्र, निजी चिकित्सा केंद्रों की मिलीभगत, तथा पैसे के लालच में लिंग जाँच और भ्रुण हत्या आज भी बेरोक-टोक जारी है। इन केंद्रों पर रोक लगाने हेतु बनाए गए विशेष दस्तों तथा निरीक्षण टीमों की सक्रियता केवल औपचारिकता बनकर रह गई है।

स्वास्थ्य विभाग ने गर्भपात करवाने वाली महिलाओं की पश्च परीक्षण प्रणाली को अधिक कठोर करने की घोषणा की है तथा विशेष रूप से उन महिलाओं की निगरानी बढ़ाने की बात कही है, जिनकी पहले से एक या अधिक पुत्रियाँ हैं। उद्देश्य सकारात्मक है, परंतु यदि इसे संवेदनशीलता और सम्मान के साथ लागू नहीं किया गया, तो यह कदम स्वयं महिलाओं के स्वास्थ्य अधिकारों और निजता पर प्रहार बन सकता है। क्या यह निगरानी केवल भय का वातावरण उत्पन्न करने का माध्यम बन रही है? या फिर वे महिलाएँ, जो सामाजिक दबाव में आकर गर्भपात करवाने को विवश हुईं, अब एक बार फिर पीडिता की बजाय अपराधिनी बना दी जाएँगी?

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसे नारे केवल दीवारों पर लिखे जा रहे हैं अथवा नेताओं के भाषणों में दोहराए जा रहे हैं। ज़मीनी सच्चाई यह है कि ग्रामीण ही नहीं, शहरी समाज भी पुत्री को आज भी एक बोझ के रूप में देखता है। दहेज, सुरक्षा, सम्मान और वंश परंपरा जैसे कुप्रथाओं के कारण बेटियाँ आज भी अवांछित हैं। क्या केवल नारेबाज़ी पर्याप्त है या इस दिशा में मूलभूत सामाजिक परिवर्तन की आवश्यकता है?

कोख में हो रही बेटियों की हत्या केवल माँ या परिवार की जिम्मेदारी नहीं है। यह एक सामूहिक अपराध है, जिसमें समाज, चिकित्सा संस्थान, प्रशासनिक व्यवस्था और हम सब शामिल हैं। जब कोई महिला दूसरी या तीसरी बार पुत्री को जन्म देने वाली होती है, तो समाज उसकी मानसिकता, पात्रता और पारिवारिक स्थिति पर कटाक्ष करता है। यही मानसिकता उस माँ को मजबूर करती है कि वह अगली बार कन्या का जन्म न होने दे — भले ही इसकी क़ीमत किसी जीवन के रूप में क्यों न हो।

केवल नोटिस, निलंबन और निगरानी से यह विकराल समस्या नहीं सुलझेगी। इसके लिए आवश्यक है। स्थानीय स्तर पर महिला सशक्तिकरण अभियान, पुत्रियों के जन्म पर प्रोत्साहन योजनाओं का क्रियान्वयन, जनजागृति के लिए पत्र-पत्रिकाओं, चलचित्रों और सामाजिक माध्यमों का उपयोग, पारिवारिक मुखियों को संवेदनशील बनाना, लिंग परीक्षण करने वाले चिकित्सकों पर कठोर दंडात्मक कार्यवाही, अवैध भ्रूण परीक्षण केंद्रों को बंद करना, तथा शैक्षणिक पाठ्यक्रमों में लिंग समानता की शिक्षा को समाविष्ट करना। आशा कार्यकर्ताओं को दंडित करना एक सतही समाधान है। असल प्रश्न यह है — क्या उन्हें आवश्यक प्रशिक्षण, संसाधन, समय पर मानदेय तथा कार्यस्थल पर सुरक्षा प्राप्त थी? जिन चिकित्सकों ने अवैध लिंग जाँच की, जिन केंद्रों ने भ्रूण हत्या करवाई, तथा जिन परिवारों ने कन्या को अस्वीकार किया — क्या उन सबको भी समान रूप से उत्तरदायी ठहराया गया?

यदि माताओं को निर्णय लेने का अधिकार देना है, तो उन्हें शिक्षा, आर्थिक स्वतंत्रता और सामाजिक सम्मान देना होगा। बेटी तभी बचेगी जब उसकी जननी स्वयं को सक्षम और सशक्त मानेगी। आज आवश्यकता है कि हम हर माँ को यह कहें — तू दुर्बल नहीं है, तेरे गर्भ में एक शक्ति पल रही है। पश्च परीक्षण प्रणाली और पुलिसिया दबाव केवल भय का वातावरण उत्पन्न करेंगे। इनकी अपेक्षा यदि हम संवाद को प्राथमिकता दें, महिलाओं को उनके अधिकारों की जानकारी दें, तथा समाज में बेटियों के लिए सम्मान का भाव विकसित करें — तो परिणाम अधिक स्थायी और सकारात्मक होंगे। एक हज़ार एक सौ चौवन गर्भपात केवल आँकड़े नहीं हैं। ये उस सामूहिक हत्या की पटकथा हैं, जो केवल इसीलिए लिखी गई क्योंकि भ्रुण स्त्रीलिंग का था। यह केवल हरियाणा नहीं, सम्पूर्ण भारत की नैतिक हार है। जब तक हम लिंग के आधार पर भेदभाव करते रहेंगे, तब तक कोई नीति, कोई योजना, कोई निगरानी प्रणाली प्रभावी सिद्ध नहीं होगी। यदि हमें सच में बेटी को बचाना है, तो सबसे पहले सोच को बदलना होगा। क़ानून से पहले करुणा और योजना से पहले दृष्टिकोण को बदलना होगा। अन्यथा हम एक ऐसे समाज का निर्माण कर रहे हैं, जिसमें कोखें सूनी रह जाएँगी, और सभ्यता अधूरी रह जाएगी।

-प्रियंका सौरभ

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। लेवाली के चलते बुधवार को अनाज मंडी में मसूर बाजार तेजी के रहे। चना पूर्वस्तर पर बना रहा। खाद्य तेलों में बाजार मजबूत नज़र आये। तिलहनों में सोयाबीन बना रहा। किराना जिंसों में खसखस बाजार सुस्त रहे। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार मसूर में माँग दम पड़ने से बाजार सुधार पर रहे। मसूर में बढ़िया मालों में बाजार 6100-6200 रू. प्रति क्विंटल पर टिका रहा। खाद्य तेलों में व्यापार की मात्रा कम रही। तिलहनों में सोयाबीन 4300 रू. प्रति क्विंटल पर बना रहा। वहीं, किराना बाजार में खसखस माँग की सुस्तता से मजबूती पर रही। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4100-4120, खोपरा गोला 340-385, खोपरा बूरा 4400-6600 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 250-265, मीडियम 280-285, ऊंझा हल्का 270-275, बेस्ट 290-320, हल्दी निजामाबाद 150-200, सांगली 250-255, साबूदाना हल्का 4500-4600, मीडियम 4650-4850, बेस्ट 5100-5500, ग्लास 6100, वरलक्ष्मी 5350, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 110-250, एस्ट्रा बेस्ट 300-400, सौंफ बारिक 280-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-800, गरबल 740-750, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 900-1200, क्लीन 1300-1500, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 765-775, बेस्ट 800-810, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2700-2800, मीडियम 2900-3050, बोल्ड 3100-3400, एक्ट्रा बोल्ड 3500-3700, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1550-1850, बेस्ट 1950-2050, तरबूज मगज 480-500, काजू (240) 950-960, काजू (210) 950-1000, काजू (320) 920-940, काजू एस. डब्ल्यू 800-810, जे.एच. 830-860, टुकड़ी 750-800, बादाम मगज 870-925, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 510-800, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1400-1600, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3400-3500, (160) 4300-4400, (200) 4800-5000, (250) 5000-5100

तेल- सींगदाना 1420-1440, मुम्बई 1450, राजकोट तेलिया 2250, सोया साल्वेंट 1125-1130, सोया रिफाइंड 1190-1210, कपास्या 1210, धूलिया 1215, कड़ी 1215,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1400, मुम्बई पाम 1190, मुम्बई सोया 1210,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2300, देवास-उज्जैन 2300, खंडवा-बुरहानपुर 2275, अकोला 3175 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 6800-6900, रायडा 5800-6000, सोयाबीन 4250-4300, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6200-6210, एवरेज 5500-5600, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रशियन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 6100-6200, एवरेज 6050-6100, मूंग देशी 7300-7400, पाला 7200-7300, चमकी 7400-7500, नायलोन 7600-7650, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6600-6700, महाराष्ट्र लाल 6600-6900, उड़द बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, शंकर 7000-7100, हल्की 6900-7000,

दाल- चना दाल एवरेज 7300-7500, बोल्ड 7700-8100, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7750-7850, बेस्ट 7950-8100, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3600-3800, परमल 3500-3800, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 320, उज्जैन 260, रतलाम 270 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। बुधवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार कमोवेश बने रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 111000, चाँदी (99) 110900, टंच 110400, सिक्का 1200, सोना 10 ग्राम 97800,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 20 पैसे की गिरावट के साथ ही 85.96 रुपये पर बंद हुआ। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी तथा निर्यात एवं आयात में गिरावट के बीच रुपया आज शुरुआती कारोबार में 22 पैसे टूटकर 85.98 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी के प्रवाह ने हालांकि स्थानीय मुद्रा में भारी गिरावट को रोका। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 86.02 पर खुला। फिर 85.98 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 22 पैसे की गिरावट दिखात है। विदेशी बाजार में डॉलर के कमजोर होने और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से रुपया मंगलवार को 16 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.76 पर बंद हुआ था।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए समस्याओं से भरा रहने वाला है। आपको अपने खर्चों को लेकर थोड़ा ध्यान देना होगा। यदि आपने किसी से धन उधार लिया था, तो वह आपसे वापस मांग सकते हैं। आपकी बॉस आपको यदि कोई जिम्मेदारी दें, तो आप उस पर पूरा ध्यान देने की कोशिश करें। आप अपनी वाणी पर संयम रखें, नहीं तो छोटी-छोटी बात पर लड़ाई-झगड़े बढ़ सकते हैं। पिताजी की सलाह आपके लिए कारगर सिद्ध होगी।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए मौज-मस्ती से भरा रहने वाला है। आप अपने दोस्तों के साथ कुछ समय मौज-मस्ती करने में व्यतीत करेंगे। यदि कार्यक्षेत्र में कोई वाद-विवाद की स्थिति उत्पन्न हो, तो आपस उसमें चुप रहें, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। आप दान-धर्म के कार्यो में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे। जीवनसाथी आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर आपका साथ देगी। विद्यार्थियों के उच्च शिक्षा के मार्ग प्रशस्त होंगे और आप तरक्की की राह पर आगे बढ़ेंगे।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। सरकारी कामों में आपको अच्छी सफलता हासिल होगी। प्रेम जीवन जी रहे लोगों की अपने साथी से खूब पटेगी और आपको परिवार के सदस्य से कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। आप अपने भविष्य को लेकर कोई बड़ा इन्वेस्टमेंट कर सकते हैं। आज प्रॉपर्टी डीलिंग का काम कर रहे लोगों की कोई डील यदि लंबे समय से अटक रही थी, तो वह भी फाइनल हो सकती है।

कर्क- आज का दिन आपके लिए मान सम्मान में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपको किसी काम को लेकर अति उत्साहित होने से बचना होगा। आपका कोई मित्र आपके स्वाभिमान को ठेस पहुंचा सकता है, जिससे आपका मन परेशान रहेगा। आप अपने कामों में बदलाव बिल्कुल ना करें, नहीं तो बाद में आपको उसके लिए पछतावा हो सकता है। परिवार में किसी सदस्य के स्वास्थ्य में गिरावट आने से आपको भागदौड़ तो होगी ही उसके साथ-साथ धन खर्च भी अधिक होगा।

सिंह- आज का दिन आपके लिए सावधानी बरतने के लिए रहेगा। वाहनों के प्रयोग से आपको सावधान रहने की संभावना है। बिजनेस कर रहे लोग किसी के साथ पार्टनरशिप ना करें। आप अपने कामों को कल पर टालने से बचें, नहीं तो आने वाले समय में आपकी समस्याएं बढ़ सकती हैं।

कन्या- आज का दिन आपके लिए आर्थिक दृष्टिकोण से कमजोर रहेगा। आप किसी योजना में बिना सोचे समझे धन ना लगाएं। आपका कोई काम यदि लंबे समय से अटका हुआ था, तो वह भी पूरा हो सकता है। आप अपने जीवनसाथी के लिए कोई सरप्राइज पार्टी प्लान कर सकते हैं। ससुराल पक्ष का कोई व्यक्ति आपसे मेल मिलाप करने आ सकता है।

तुला- आज का दिन आपके लिए उलझनें लेकर आएगा, क्योंकि आपके शत्रु आपको परेशान करने की कोशिश करेंगे। प्रेम जीवन जी रहे लोगों की अपने साथी से खूब पटेगी और वह अपने आगे के भविष्य को लेकर बातचीत कर सकते हैं। आप अपने किसी मित्र के लिए कुछ रूपयों का इंतजाम भी कर सकते हैं, लेकिन आपकी किसी गलती के लिए आपको अपने बॉस से डांट खानी पड़ सकती है। आप मनपसंद भोजन का आनंद लेंगे।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए समस्याएं लेकर आएगा। आपकी संतान को कोई सेहत संबंधित समस्या होने से आपको भागदौड़ बनी रहेगी। आप अपने मन में यदि किसी काम को लेकर आत्मविश्वास बनाए रखेंगे, तो ही आपका वह काम पूरा होगा। पैतृक मामलों में आपको कोर्ट-कचहरी के चक्कर लगाने पड़ सकते हैं। आप अपने जीवनसाथी से किसी बात को लेकर नोंकझोंक में न पाएं, नहीं तो लड़ाई-झगड़ा बढ़ने की संभावना है।

धनु- आज का दिन आपके लिए किसी नए भूमि, वाहन और मकान आदि की खरीदारी के लिए अच्छा रहने वाला है। आपको अपने स्वास्थ्य पर पूरा ध्यान देना होगा। किसी दूर रहे परिजन से आपको कोई निराशाजनक सूचना सुनने को मिल सकती है। आपको अपने बिजनेस के किसी काम को लेकर यात्रा पर जाना पड़ सकता है। सिंगल लोगों की अपने साथी से मुलाकात हो सकती हैं। आपको किसी काम को लेकर योजना बनाकर चलना होगा।

मकर- आज का दिन आपके लिए व्यापार के मामले में कमजोर रहेगा। आपको बिजनेस में मन मुताबिक लाभ न मिलने से टेंशन बनी रहेगी। पारिवारिक समस्याएं भी सिर उठा सकती हैं, जो आपकी टेंशन को बढ़ाएंगी और रोजगार को लेकर परेशान चल रहे लोगों को कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। आपकी किसी नए काम के प्रति रुचि जागृत हो सकती है। आपका कोई विरोधी आपको परेशान करने की कोशिश कर सकता है।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए धन के मामले में सावधानी बरतने के लिए रहेगा। आप इस समय कोई जोखिम लेने से बचें और यदि आप सट्टेबाजी और शेयर मार्केट आदि में इन्वेस्टमेंट करते हैं, तो वह आपके लिए अच्छा रहने वाला है, लेकिन आपको किसी एक्सपर्ट की राय से करना बेहतर रहेगा। संतान के मनमाने व्यवहार के कारण आपको टेंशन बनी रहेगी। कार्यक्षेत्र में आप किसी काम को लेकर यदि कोई लोन आदि अप्लाई कर रहे थे, तो उसके मिलने में आपको आसानी होगी।

मीन- आज का दिन आपके लिए स्वास्थ्य पर पूरा ध्यान देने के लिए रहेगा। आपके स्वास्थ्य में गड़बड़ रहने से आपका मन परेशान रहेगा। आप अपने मन में नकारात्मक विचारों को न रखें। जीवनसाथी से आपसी तालमेल बनाकर चलें। प्रतिस्पर्धा का भाव आपके मन में रहेगा। आपको किसी लिए गए निर्णय के लिए पछतावा हो सकता है। धार्मिक कामों में भी आपकी काफी रुचि रहेगी।

शब्दजाल - 7962

शब्दजाल में 'गोविंदा' अभिनीत 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे व तिरछे हैं.

मु	हु	मे	रि	दु	ला	र	ल	च	ट	र्जी
का	खु	क	दू	इं	जी	ने	शि	या	इ	नी
व	पी	जा	ल्हे	र	ग	ब	द	ह	प	ल
ला	ग	ए	र	जा	बा	बू	ल	ह	लि	प्रे
व	र	रा	जा	जी	ह	ला	कि	यो	प	म
ल	इ	वि	मो	ग	प	वा	शी	ह	जी	श
न	अ	ल	रा	व	मा	जो	न	व	प	क्ति
क	रि	ल	र	य	र	ह	त्या	ल	वि	रे
र	या	बा	बे	ह	न	ज	जी	शा	जू	ड्डी
र	ग	ल	नो	ला	व	शि	का	री	टि	ल
बां	स	सा	ज	न	च	ले	स	सु	रा	ल

मुकाबला, राजा बाबू, दुलारा, प्रेमशक्ति, दुल्हे राजा, साजन चले ससुराल, शिकारी, अलबेला, हत्या, राजाजी

शब्दजाल - 7961 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

17 जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	कर्क	05.26 बजे से
चंद्र	मीन में	सिंह	07.42 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	09.54 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	12.05 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	14.19 ब.से
शुक्र	वृष में	धनु	16.35 बजे से
शनि	मीन में	मकर	18.40 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	20.27 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	22.00 बजे से
राहुकाल	1.30 से 3.00 बजे तक	मेष	23.30 बजे से
		वृष	01.10 बजे से
		मिथुन	03.08 बजे से

गुरुवार 2025 वर्ष का 198 वा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** सप्तमी 19.10 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** रेवती 03.39 बजे रात्र को समाप्त। **योग** अतिगण्ड 09.29 बजे को समाप्त। **करण** विष्टि 08.08 बजे तदनन्तर बव 19.10 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 21.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 21° 11'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872408
जूलियन दिन 2460873.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना मोहर्रम **तारीख** 21
विशेष कालाष्टमी।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः विवेक की शक्ति

एक दिन महान दार्शनिक सुकरात अपने शिष्यों के साथ बैठे थे। किसी गंभीर विषय पर चर्चा चल रही थी। तभी एक ज्योतिषी वहां आ पहुंचा। वह चेहरा देखकर चरित्र बताने के लिए मशहूर था। वह गौर से सुकरात को देखते हुए उनके शिष्यों से बोला, 'तुम लोगों ने इस व्यक्ति को अपना गुरु बनाया है, इसका सम्मान करते हो, लेकिन इसका चरित्र गंदा है। इसके नथुनों की बनावट बता रही है कि यह क्रोधी है।' यह सुनते ही सुकरात के शिष्य ज्योतिषी को मारने दौड़े पर सुकरात ने उन्हें फौरन रोक दिया और कहा, 'ये विद्वान हैं, इन्हें बोलने दो।' इस पर ज्योतिषी तेज आवाज में बोला, 'मैं सत्य को छिपाकर सत्य का अपमान नहीं करना चाहता। इस व्यक्ति के सिर की बनावट से पता चलता है कि यह अत्यधिक लालची है और ठोड़ी बताती है कि यह सनकी है। इसके होंठों से मालूम होता है कि यह देशद्रोही निकलेगा।' सुकरात मुस्कराते रहे। उन्होंने उस व्यक्ति को उपहार देकर आदर के साथ विदा किया। एक शिष्य से रहा नहीं गया। उसने पूछ ही लिया, 'गुरुदेव, वह आदमी लगातार बकवास करता रहा, फिर भी आपने उसे इतना सम्मान दिया। मेरी तो कुछ समझ में नहीं आ रहा।' सुकरात गंभीर होकर बोले, 'उस व्यक्ति ने बकवास नहीं की बल्कि उसने सत्य कहा और सत्य की तरफ से मुंह मोड़ना बुरी बात है।' यह सुनकर सारे शिष्य हैरत भरी नजरों से सुकरात को देखने लगे। एक शिष्य ने पूछा, 'यानी आप वैसे ही हैं, जैसा उसने बताया है?' सुकरात बिना संकोच के बोले, 'हां, उसने जो कहा है, वह सत्य है। मुझ में भी कई अवगुण हैं लेकिन...।' सारे शिष्य एक साथ बोले, 'लेकिन क्या गुरुदेव?' शिष्यों को समझाते हुए सुकरात ने कहा, 'क्रोधावेग में उससे एक चूक हो गई।' शिष्यों ने पूछा 'कैसी चूक?' सुकरात बोले, 'उसने मेरे विवेक पर ध्यान नहीं दिया जिसकी शक्ति से मैं अपने सभी दुर्गुणों को कैद करके रखता हूं।'

फिल्म वर्ग पहेली - 6906

बायें से दायें:-

१. कारगिल युद्ध पर बनी जे. पी. दत्ता की बहु-सितारा फिल्म-२,१,१
३. 'रूप सलोना तेरा' गीत वाली सनी, अक्षय, मनीषा की फिल्म-२,३
६. आमिर, माधुरी दीक्षित की 'खंभे जैसी खड़ी है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'अपना बनाना है' गीत वाली अनिल कपूर, शिल्पा, करिश्मा की फिल्म-२
८. कुमार गौरव, माधुरी की 'पहली बारिश में और' गीत वाली फिल्म-२
९. 'रिमझिम के गीत' गीत वाली राजेंद्र कुमार, बबीता की फिल्म-४
१२. 'छोटा कद और पेट बड़ा' गीत वाली संजयदत्त, नम्रता की फिल्म-३
१३. अजय देवगन, मधु, सोनाली की 'किसी के इश्क' गीत वाली फिल्म-४
१५. फिल्म 'साया' में जॉन अब्राहम की नायिका कौन थी-२
१८. अक्षय कुमार, माधुरी की 'अब तेरे दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'सात सुरों के तार' गीत वाली जैकी, माधुरी दीक्षित की फिल्म-३
२१. फरदीन, करीना की 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'डैडी कूल कूल' गीत वाली शाहरूख खान, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२३. राजीव कपूर, डिम्पल की 'कोई भी नाम दो' गीत वाली फिल्म-२
२४. अभिनेत्री पूजा भट्ट के पिता-३
२६. दिलीपकुमार, वहीदा रहमान की 'कल के सपने' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'तुझे ना देखूँ तो' गीत वाली जीतेंद्र, कमल सदाना, दिव्या की फिल्म-२
३०. सुमीत सहगल, शिखा की 'पीछे पीछे आजा' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'दिल लगाने की' गीत वाली अक्षय, अमिताभ, राखी, जूही की फिल्म-२,२
२. अतीन भल्ला, संदली की एक फिल्म-२
३. 'पहला पहला प्यार' गीत वाली फिल्म-२
४. संजयदत्त, काजोल की 'आवाज दो हमको' गीत वाली फिल्म-३
५. 'मैं तेरी दुश्मन' गीत वाली फिल्म-३
६. अजय देवगन, रवीना की 'कितना हसीन चेहरा' गीत वाली फिल्म-४
९. राजेश खन्ना, शबाना आजमी की फिल्म-४
१०. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
११. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली मनोज वाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
१३. सनी, बॉबी, उर्मीला की 'कोई नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'तुम आए तो आया' गीत वाली अजय देवगन, पूजा भट्ट की फिल्म-२
१६. 'कहाँ से आई रानी' गीतवाली फिल्म-२,२
१७. 'मैं जब बोलूँ हाँ' गीत वाली जीतेंद्र, नीतूसिंह की फिल्म-४
१८. अशोककुमार, सुमिता की 'रेलगाड़ी रेलगाड़ी' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'दोस्त दोस्त ना रहा' गीत वाली फिल्म-३
२०. अक्षय, करिश्मा की 'दिल ले गया' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'रजिया सुल्तन' में रजिया सुल्तन की शीर्षक भूमिका किसने की हैं-२
२६. 'तेरा क्या लगता है' गीत वाली फिल्म-२
२७. फिल्म 'काजल' की नायिका कौन थी-३
२८. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 6905

का	ला	प	त्थ	र	■	को	ह	श	■
र	■	ड़ो	■	क्ष	त्रि	य	■	जा	ल
वॉ	■	स	ड़	क	■	ला	वा	■	म्हे
■	जा	न	■	■	ज	■	दा	दा	■
दि	ल	■	ख	ट्टा	मी	ठा	■	मि	ली
व्या	■	खे	ल	■	र	■	स	नी	■
■	प	■	ना	ना	■	डॉ	न	■	डो
प	रि	च	य	■	सु	■	म	वा	ली
■	वा	■	क	सू	र	■	■	रि	■
पा	र	स	■	र्या	■	वि	रा	स	त

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7215

★★★✯☆ मध्यम

		5			8			
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6						1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
			2			7		

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7214 का हल

5	7	4	1	3	9	6	2	8
2	8	9	6	5	7	1	4	3
3	6	1	2	8	4	5	7	9
9	3	7	8	1	6	4	5	2
6	5	8	4	9	2	3	1	7
1	4	2	5	7	3	8	9	6
7	9	6	3	4	1	2	8	5
4	2	5	9	6	8	7	3	1
8	1	3	7	2	5	9	6	4

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8430

बाएँ से दाएँ

1. जनमत-4
4. सचेत, सजग-4
7. सहयात्री, संगी-5
9. रुपया, पैसा -2
11. छोटी सवारी गाड़ी-2
12. घ्राणेंद्रिय-2
13. बेकार-3
15. झुका हुआ-2
16. बसंत काल-3
17. टिड्डा-3
18. अन्वेषण, ढूंढना-2
19. जलने की प्रक्रिया-3
21. एक विदेशी शराब-2
23. कला, हुनर-2
24. मैदे की एक प्रकार की रोटी-2
25. आत्मबलिदानी-5
29. करामात-4
30. नामसूची-4

ऊपर से नीचे

1. पूजा, प्रार्थना-4
2. मार्ग, पथ-2
3. यमराज, मृत्युदेवता-2
4. स्वच्छ-2
5. दूल्हा, वरदान-2
6. द्वेष, ईर्ष्या-4
8. तमीज, तहजीब-3
10. सेंधमार-5
11. चुगली करना-5
13. देवर्षि-3
14. रसद, खाद्य सामग्री-3
18. भयानक, डरावना-4
20. अक्षर (उर्दू-3)
22. संजीव कुमार व लीना चंदावरकर की फिल्म-5
25. तेज, सत्य-2
26. ईश्वर, भगवान-2
27. रुदन, क्रंदन-2
28. मोमबत्ती (उर्दू-2)

शब्द पहेली -8429 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शेयर बाजार हल्की बढ़त पर बंद

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को हल्की बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन वैश्विक बाजारों से मिलेजुले संकेतों से बाजार में कुछ विशेष हलचल नहीं रही। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 63.57 अंकों की हल्की बढ़त के साथ 82,634.48 अंकों पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी भी 16.25 अंकों की मामुली बढ़त के साथ ही 25,212.05 अंकों पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 में से 14 कंपनियों के शेयर ही तेजी के साथ बंद हुए और बाकी की सभी 16 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। इसी तरह निफ्टी की 20 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ जबकि 30 कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ बंद हुए। एक कंपनी का शेयर आज बिना किसी बदलाव के बंद हुआ। आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर सबसे ज्यादा 2.25 फीसदी। वहीं एटरनल (जोमेटो) के शेयर आज सबसे ज्यादा 1.69 फीसदी टूटे। सेंसेक्स की बाकी कंपनियों में आज टेक महिंद्रा के शेयर 1.94 फीसदी, एसबीआई 1.81, इंफोसिस 1.57, अडाणी पोर्ट्स 0.73, आईटीसी 0.54, एशियन पेंट्स 0.38, एलएंडटी 0.31, मारुति सुजुकी 0.20, एक्सिस बैंक 0.14, टाइटन 0.06, रिलायंस इंडस्ट्रीज 0.06, एनटीपीसी 0.06 की बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर सनफार्मा के शेयर 1.49, टाटा स्टील 1.10, टाटा मोटर्स 0.87, बजाज फाइनेंस 0.71, बीईएल 0.67, हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.38, कोटक महिंद्रा बैंक 0.63, टीसीएस 0.63, पावरग्रिड 0.50, अल्ट्राटेक सीमेंट 0.46, आईसीआईसीआई बैंक 0.45 फीसदी नीचे आकर बंद हुए। इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत सपाट स्तर पर हुई। सेंसेक्स 139 अंक की गिरावट के साथ 82,431 और निफ्टी 58 अंक की कमजोरी के साथ 25,137 पर कारोबार कर रहा था। शुरुआती कारोबार में मिडकैप और स्मॉलकैप में सपाट कारोबार हो रहा था। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 6 अंक की मामूली गिरावट के साथ 59,605 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 14 अंक की कमजोरी के साथ 19,120 पर था। सेंसेक्स गत दिवस भी बढ़त पर बंद हुआ था। वहीं अंतर्राष्ट्रीय बाजारों का रुख मिला-जुला रहा। टोक्यो, हांगकांग, जकार्ता और बैंकॉक हरे निशान में थे। शंघाई और सियोल लाल निशान में थे। अमेरिका में प्रमुख सूचकांक डाउ जोंस सोमवार को 0.98 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ।

आरबीआई के नकदी उपायों से 2025 में सस्ते होंगे ऋण- फिच

नई दिल्ली। वैश्विक रेटिंग एजेंसी फिच रेटिंग्स ने कहा है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा बैंकिंग प्रणाली में पर्याप्त नकदी डालने और नकद-आरक्षित अनुपात (सीआरआर) में कटौती जैसे कदमों से 2025 में ब्याज दरों में संभावित एक फीसदी कटौती का लाभ ग्राहकों तक पहुंच पाएगा। फिच ने बताया कि आरबीआई ने सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद के जरिए 2025 में अब तक करीब 5.6 लाख करोड़ रुपये की टिकाऊ नकदी प्रणाली में डाली है, जिससे मार्च के बाद से बैंकिंग प्रणाली में अधिशेष नकदी देखने को मिल रही है। इसके अलावा, आरबीआई ने सीआरआर में एक फीसदी की कटौती का निर्णय लिया है, जिससे चरणबद्ध तरीके से लगभग 2.7 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त नकदी बाजार में आएगी। सीआरआर में यह कटौती 2025 की दूसरी द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा के तहत घोषित की गई है। यह कटौती 29 नवंबर 2025 तक चार किस्तों में पूरी होगी, जिसके बाद बैंकों को कुल सीआरआर तीन फीसदी रखना होगा। यानी बैंकों को आरबीआई के पास कम नकदी जमा करनी होगी और वे ज्यादा राशि उधार देने में सक्षम होंगे। फिच ने कहा कि आरबीआई के ये कदम उसके अक्टूबर 2024 की रिपोर्ट से बदले रुख को दर्शाते हैं, जिसमें अब ऋण वृद्धि को बढ़ावा देने पर जोर है, वह भी बिना वित्तपोषण लागत में अत्यधिक बढ़ोतरी किए। इन उपायों से आर्थिक गतिविधियों को गति मिलने की संभावना है और ऋण सस्ता होने से उपभोक्ता तथा उद्योग जगत दोनों को राहत मिल सकती है।

टेस्ला का मिशन है दुनिया को सस्टेनेबल एनर्जी की ओर ले जाना

नई दिल्ली। एलन मस्क की कंपनी टेस्ला ने आखिरकार भारत में अपनी औपचारिक एंट्री कर ली है। कंपनी ने मुंबई में अपना पहला शोरूम खोल दिया है और इसके साथ ही दो इलेक्ट्रिक कार मॉडल्स लॉन्च किए हैं। टेस्ला दुनिया की सबसे अग्रणी इलेक्ट्रिक कार निर्माता कंपनी है और इसका उद्देश्य पूरी तरह से पर्यावरण के अनुकूल, शुद्ध इलेक्ट्रिक गाड़ियाँ बनाना है। यह कंपनी न तो पेट्रोल और न ही डीजल से चलने वाली कोई भी गाड़ी बनाती है। टेस्ला का मिशन है दुनिया को सस्टेनेबल एनर्जी की ओर ले जाना, और इसी कारण यह केवल बैटरी से चलने वाले वाहन बनाती है। अब तक टेस्ला की सबसे बड़ी मौजूदगी अमेरिका, चीन और यूरोप में रही है। अमेरिका टेस्ला का सबसे बड़ा बाजार है, जहां मॉडल वाय और मॉडल 3 सबसे अधिक बिकते हैं। अमेरिका में इसके प्रोडक्शन यूनिट कैलिफोर्निया के फ्रेमोंट, ऑस्टिन और टेक्सास में स्थित हैं। चीन इसका दूसरा सबसे बड़ा बाजार है, जहां शंघाई स्थित गीगाफैक्ट्री से वाहनों का निर्माण और आपूर्ति होती है। यूरोप के देशों जर्मनी, नॉर्वे, नीदरलैंड्स और फ्रांस में भी टेस्ला की गाड़ियों को काफी पसंद किया जाता है। भारत में लॉन्च की गई टेस्ला की सबसे महंगी कार मॉडल एक्स प्लेड है, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 2 करोड़ है। यह कार महज 2.5 सेकंड में 0 से 96 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ लेती है और एक बार चार्ज करने पर 547 किलोमीटर की दूरी तय कर सकती है। वहीं कंपनी की सबसे सस्ती कार मॉडल वाय आरडब्ल्यूडी है, जिसकी कीमत भारत में करीब 61 लाख बताई जा रही है। यह कार 6.6 सेकंड में 96 किमी/घंटा की स्पीड पकड़ सकती है और इसकी रेंज लगभग 455 किलोमीटर है।

श्रावण मास के चलते कोटेश्वर धाम में भक्तिमय माहौल

कांवड़ यात्रियों के लिए प्रशासन से बेहतर व्यवस्था की मांग

लांजी (पद्मेश न्यूज)। धर्म नगरी के रूप में विख्यात लांजी नगर जहां आदिकाल से भगवान कोटेश्वर नाथ का वास है। श्रावण मास के पावन पर्व पर कोटेश्वर धाम में क्षेत्र, जिले व देश के विभिन्न राज्यों से हजारों भक्त भगवान कोटेश्वर महादेव के दर्शन और जलाभिषेक के लिए पहुंचते हैं। इस दौरान कांवड़ यात्री नदियों और पवित्र जल स्त्रोतों से जल लाकर, लंबी पदयात्रा और कठिनाइयों को पार करते हुए कोटेश्वर धाम पहुंचते हैं। यह कांवड़ यात्रा भगवान शिव के प्रति भक्तों की पवित्र साधना का प्रतीक है। हालांकि, सामाजिक और धार्मिक संगठनों द्वारा कांवड़ यात्रियों के लिए भोजन, विश्राम और महाप्रसाद की व्यवस्था की जाती है, लेकिन प्रशासन की ओर से इस पवित्र अवसर पर विशेष व्यवस्थाओं का अभाव दिखता है। कांवड़ यात्रियों को जलाभिषेक के लिए लंबा इंतजार करना पड़ता है, जिससे उनकी शारीरिक और मानसिक स्थिति प्रभावित होती है।

जलाभिषेक के लिए लंबा इंतजार, प्रशासन से बेहतर व्यवस्था की मांग

श्रावण मास के प्रत्येक सोमवार को कोटेश्वर धाम में कांवड़ यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ती है। सुबह से रात 9 बजे तक यात्रियों का आगमन बना रहता है। मंदिर में संध्या पूजन के दौरान कांवड़ यात्रियों को जलाभिषेक के लिए लगभग 2 घंटे इंतजार करना पड़ता है। हाल ही में, बीते सोमवार को दो कांवड़ यात्री इस इंतजार के दौरान बेहोश हो गए। ऐसे में प्रशासन से मांग है कि मंदिर में जलाभिषेक की व्यवस्था को सुचारू किया जाए, ताकि भगवान कोटेश्वर नाथ का पूजन और कांवड़ यात्रियों का जलाभिषेक दोनों निर्बाध रूप से संपन्न हो सकें। कांवड़ यात्री लंबी दूरी और कठिनाइयों को सहकर जल लेकर आते हैं, इसलिए उनकी भावनाओं और शारीरिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए मंदिर प्रशासन और पुजारियों को उन्हें प्राथमिकता देनी चाहिए।

मंदिर परिसर में स्वच्छता बनाए रखने की अपील

श्रावण मास में लाखों भक्त कोटेश्वर धाम में दर्शन के लिए पहुंचते हैं, लेकिन मंदिर परिसर में स्वच्छता की स्थिति चिंताजनक है। भक्त पूजा सामग्री को पॉलीथीन में लाते हैं और पूजा के बाद इन्हें परिसर में इधर-उधर फेंक देते हैं। हैंडपंप के आसपास और परिसर के अन्य स्थानों पर भी गंदगी का अंबार देखा जा सकता है। यह केवल सफाई कर्मचारियों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक दर्शनार्थी का कर्तव्य है कि वे मंदिर परिसर को स्वच्छ रखें। भक्तों से अपील है कि पॉलीथीन का उपयोग न करें और यदि कचरा हो, तो उसे मंदिर परिसर में रखे कूड़ेदान में डालें। स्वच्छता बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

प्रशासन से अपेक्षाएं

कांवड़ यात्रियों की सुविधा और मंदिर परिसर की स्वच्छता के लिए नगर परिषद प्रशासन को ठोस कदम उठाने चाहिए। मंदिर में जलाभिषेक के लिए अलग से व्यवस्था, कांवड़ यात्रियों के लिए विश्राम स्थल, और परिसर में नियमित सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही पॉलीथीन के उपयोग पर नियंत्रण और कूड़ेदान की पर्याप्त व्यवस्था भी आवश्यक है। लांजी का कोटेश्वर धाम श्रावण मास में भक्ति और आस्था का केंद्र बना हुआ है। सामाजिक संगठनों के प्रयासों के साथ-साथ प्रशासन की सक्रिय भागीदारी से कांवड़ यात्रियों को बेहतर अनुभव मिल सकता है। भक्तों से भी अपील है कि वे स्वच्छता और अनुशासन बनाए रखें, ताकि यह पवित्र स्थल अपनी गरिमा और पवित्रता को बरकरार रख सके।

नशा मुक्ति जन जागृति सप्ताह-बहेला पुलिस ने चलाया जागरूकता अभियान

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी पुलिस अनुभाग के बहेला थाना अन्तर्गत बहेला पुलिस के द्वारा मध्यप्रदेश पुलिस विभाग के आदेशानुसार चलाये जा रहे नशा मुक्ति जन जागृति सप्ताह के अन्तर्गत ग्राम बहेला के शासकीय संस्थानों एवं ग्रामीण क्षेत्रो में नशा मुक्ति को लेकर जागरूकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है। कार्यक्रम में बहेला थाना प्रभारी राजकुमार रधुवंशी सहित पुलिस बल के द्वारा शसकीय उच्चतर माध्यमिक शाला बहेला में पंहुचकर प्रयास हमारा संकल्प आपका के संबोधन के साथ नशे से दुरी है जरूरी इस विषय को लेकर छात्र छात्राओं को जागरूक किया गया। उन्हे नशे से होने वाले अनेको दुष्प्रभाव से अवगत कराया गया। कैसे आज युवा पीढ़ी नशे की लत में इतना डूब चुका है कि उसे यह तक ज्ञात नही होता कि वह इस नशे के चलते किन परिणामों से गुजर रहा है। आज नशा अपराध की ओर ले जा रहा है, नशे के लिये पैसे नही होने पर वह अनेको ऐसे अपराधिक गतिविधियों में लिप्त हो जाता है कि उसके बाद उन अपराधो से वह बहार तक नही निकल पाता और अपनी तथा परिवार की जिंदगी तक खराब कर देता है। नशा एक बहुत बुरी लत है जिससे जितनी दुरी बनाये रखे उतनी है आप सभी के लिये अच्छी होगी। नशे से दुरी है जरूरी है आईये आप और मिलकर यह संकल्प लेवे की हम और अपने आस पास सभी को नशे से दुरी बनाये रखने के लिये जागरूक करेंगे। अंत में थाना प्रभारी श्री रघुवंशी के द्वारा शपथ दिलाइ गई तथा जागरूकता रैली निकालकर कार्यक्रम का समापन किया गया। इस दौरान विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक, शिक्षिकाऐं,स्टाफ एवं बहेला पुलिस से एएसआई बीजू मम्मन, संतोष मरकाम, सुरेश पांचे, आरक्षक जीवन, प्रतिभा सहित जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

हायर सेकेण्डरी स्कूल घोटी एवं ग्राम पंचायत नंदोरा में पुलिस ने किया नशा मुक्ति जन जागरूकता अभियान

लांजी (पद्मेश न्यूज)। पुलिस मुख्यालय, भोपाल द्वारा जारी निर्देशों के अनुपालन में 16 जुलाई 2025 को पुलिस थाना लांजी के द्वारा वनांचल ग्राम घोटी एवं नंदोरा में अंतर्गत नशा मुक्ति जन जागरूकता अभियान के तहत एक व्यापक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अभियान का उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों, विशेष रूप से युवाओं और ग्रामीणों को नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और उन्हें नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना था।

घोटी के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम

इस अभियान के तहत थाना लांजी पुलिस ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, घोटी में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में स्कूल के लगभग 500-600 छात्र-छात्राओं और शिक्षकगणों ने भाग लिया। पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने उपस्थित सभी लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नशीले पदार्थों का सेवन न केवल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि यह सामाजिक और पारिवारिक जीवन को भी प्रभावित करता है। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया। पुलिस अधिकारियों ने नशे की लत के कारण होने वाली सामाजिक समस्याओं, जैसे अपराध, बेरोजगारी, और पारिवारिक विघटन, के बारे में भी जागरूक किया। इसके साथ ही, युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और खेल, शिक्षा, और रचनात्मक गतिविधियों में ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी गई। कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा शपथ ग्रहण समारोह, जिसमें स्कूल के सभी छात्र-छात्राओं और शिक्षकगणों ने पुलिस स्टाफ की उपस्थिति में नशे से दूर रहने की शपथ ली। इस शपथ के माध्यम से सभी ने यह संकल्प लिया कि वे स्वयं नशे से दूर रहेंगे और अपने आसपास के लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करेंगे।

ग्राम नंदोरा में ग्रामीणों को किया गया जागरूक

इस अभियान के तहत थाना लांजी की पुलिस टीम ने ग्राम पंचायत नंदोरा में भी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में समझाया गया और उन्हें नशीले पदार्थों से होने वाले नुकसान के प्रति सचेत किया गया। पुलिस ने ग्रामीणों को बताया कि नशा न केवल व्यक्तिगत जीवन को प्रभावित करता है, बल्कि पूरे समुदाय की प्रगति को भी बाधित करता है। ग्रामीणों से अपील की गई कि वे अपने बच्चों और परिवार के सदस्यों को नशे से बचाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाएं और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना पुलिस को दें।

पुलिस की सक्रिय भूमिका और सामाजिक प्रभाव

थाना लांजी के प्रभारी अधिकारी ने बताया कि पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार यह अभियान नशे के खिलाफ एक सतत प्रयास का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को नशे से बचाना और समाज में जागरूकता फैलाना पुलिस की प्राथमिकता है। इस तरह के कार्यक्रमों के माध्यम से पुलिस न केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने का कार्य करती है, बल्कि सामाजिक उत्थान में भी योगदान देती है। कार्यक्रम में उपस्थित स्कूल के प्राचार्य और शिक्षकों ने पुलिस के इस प्रयास की सराहना की और कहा कि इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम छात्रों के लिए प्रेरणादायक हैं और उन्हें सही दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। ग्राम नंदोरा के ग्रामीणों ने भी इस पहल का स्वागत किया और पुलिस के साथ सहयोग करने का भरोसा दिलाया।

भक्ति और आध्यात्म का संगम

आर्ट ऑफ लिविंग संस्था ने श्रावण मास के प्रथम सोमवार किया रुद्र पूजा

लांजी (पद्मेश न्यूज)। हिंदू धर्म में श्रावण मास का विशेष महत्व है, जो भगवान शिव की भक्ति और आराधना के लिए समर्पित माना जाता है। इसी पावन अवसर पर, लांजी नगरी के सरस्वती शिशु मंदिर में 14 जुलाई 2025 को आर्ट ऑफ लिविंग संस्था, बैंगलोर आश्रम से पधारे अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षक आशीष पटेल और वेदाचार्य के नेतृत्व में भव्य रुद्र पूजा (अभिषेक) का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में लांजी के समस्त जनमानस ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने सहयोग से इसे सफल बनाया।

आध्यात्मिक उत्साह और भक्ति का माहौल

श्रावण मास के प्रथम सोमवार को आयोजित इस रुद्र पूजा में भगवान शिव का विधि-विधान के साथ अभिषेक किया गया। रुद्राभिषेक, जो भगवान शिव को प्रसन्न करने का एक प्रभावशाली अनुष्ठान है, में पंचामृत (दूध, दही, घी, शहद, और शक्कर), गंगाजल, बेलपत्र, धतूरा, और अन्य पूजन सामग्री के साथ शिवलिंग का अभिषेक किया गया। आशीष पटेल और वेदाचार्य ने मंत्रोच्चार के साथ पूजा संपन्न की, जिससे पूरा वातावरण शिवमय हो उठा। नमः

शिवाय% के जाप और रुद्राष्टक के पाठ से श्रद्धालुओं में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हुआ।

जनमानस का सहयोग और आयोजन की भव्यता

इस भव्य आयोजन में लांजी नगरी के लोगों का विशेष सहयोग रहा। पुरुषोत्तम कलपुरीया, मनोज किरनापुरे, संतोष मोरघडे, गोविंद सोनवाने, नोकेश कुचलाहे, प्रणय मुरकुटे, और विवेक कर्राहे ने आयोजन को सुचारु रूप से संपन्न करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति

इस अवसर पर कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे, जिनमें लांजी के विधायक श्री राजकुमार कर्राहे, बालाघाट नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती ठाकुर, श्री सुरजीत सिंह ठाकुर, डॉ. हेमंत रहांगडाले, और डॉ. श्रीमती सुनीता रहांगडाले शामिल थे। इन सभी ने पूजा में भाग लिया और भगवान शिव से सुख, समृद्धि, और क्षेत्र की उन्नति के लिए प्रार्थना की। उनकी उपस्थिति ने इस आयोजन को और भी गरिमामय बना दिया।

रुद्र पूजा का महत्व

शास्त्रों के अनुसार, श्रावण मास में रुद्राभिषेक करने से भगवान शिव शीघ्र प्रसन्न होते हैं और भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। यह अनुष्ठान न केवल आध्यात्मिक शांति प्रदान करता है, बल्कि जीवन की बाधाओं, ग्रह दोषों, और नकारात्मकता को भी दूर करता है। इस पूजा के माध्यम से भक्तों ने संतान प्राप्ति, वैवाहिक सुख, स्वास्थ्य, और समृद्धि की कामना की। साथ ही, यह आयोजन सामाजिक एकता और सामुदायिक सहयोग का भी प्रतीक बना।

आर्ट ऑफ लिविंग का योगदान

आर्ट ऑफ लिविंग संस्था, जो आध्यात्मिकता और सामाजिक उत्थान के लिए विश्व भर में जानी जाती है, ने इस आयोजन को विशेष रूप से प्रेरित किया। श्री आशीष पटेल ने अपने संबोधन में बताया कि रुद्र पूजा न केवल धार्मिक अनुष्ठान है, बल्कि यह मन, वाणी, और कर्म की शुद्धि का मार्ग भी है। उन्होंने भक्तों को नियमित ध्यान, प्राणायाम, और शिव भक्ति के महत्व के बारे में भी प्रेरित किया।

नगर परिषद में नमस्ते दिवस का किया आयोजन

सफाई मित्रों को सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

लांजी (पद्मेश न्यूज)। 16 जुलाई को नगर परिषद लांजी के सभा कक्ष में नमस्ते दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। यह आयोजन भारत सरकार की नेशनल एक्शन फॉर मैकेनाइज्ड सैनिटेशन इकोसिस्टम (नमस्ते) योजना के तहत किया गया। इस योजना का उद्देश्य सैप्टिक टैंक की सफाई करने वाले और कचरा बीनने तथा सफाई करने वाले सफाई मित्रों को सहायता और सम्मान देना है। इस कार्यक्रम में नगर परिषद लांजी के मुख्य नगर पालिका अधिकारी मयूर वाहने के मार्गदर्शन और स्वच्छता निरीक्षक राजेश मिश्रा के नेतृत्व में सभी सफाई मित्रों को शामिल किया गया। इस अवसर पर सफाई मित्रों को उनकी सुरक्षा के लिए जागरूक किया गया और उन्हें बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही, उन्हें व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई किट) भी वितरित किए गए, ताकि वे अपने काम को सुरक्षित तरीके से कर सकें। कार्यक्रम में नगर परिषद लांजी के कर्मचारी जैसे संतोष भार्गव, उत्तम रामटेक्कर, विनोद तिवारी, नेकराम रामटेक्कर और अन्य सभी सफाई मित्र उपस्थित थे। इस आयोजन के माध्यम से सफाई मित्रों के योगदान को सराहा गया और उन्हें सुरक्षित कार्य वातावरण प्रदान करने पर जोर दिया गया।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

अब सीएम डॉ. मोहन यादव सुनेंगे ऑनलाइन समस्या

शिकायतें सुन तुरंत कराएंगे समाधान, ऑनलाइन होगी सारी प्रोसेस

भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती और दिग्विजय सिंह के बाद अब मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी जनता दरबार लगाने जा रहे हैं। मप्र में जनता की समस्याओं से रूबरू होने के लिए मुख्यमंत्री जल्द ही जनता दरबार लगाएंगे। हालांकि इस जनता दरबार में मुख्यमंत्री सीधे जनता से रूबरू नहीं होंगे, बल्कि डिजिटल माध्यम से लोगों से जुड़ेंगे। इस दौरान लोग सीएम को सामने से अपनी शिकायत दर्ज करा सकेंगे। डिजिटल जनता दरबार को लेकर तैयारियां शुरू की जा रही है। जनता दरबार के लिए प्रस्ताव तैयार कर मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई के पास भेजी गई है। डिजिटल जनता दरबार में शिकायत के बाद सीएम का एक्शन भी ऑन स्पॉट होगा।

आमतौर पर जनता से जुड़े राज्य स्तरीय कार्यक्रम में अलग-अलग जिलों से भी स्क्रीन के माध्यम से लोगों को जोड़ा जाता है। इस दौरान मुख्यमंत्री जिलों में मौजूद चुनिंदा लोगों से चर्चा भी करते हैं। कमोवेश इसी तर्ज पर मुख्यमंत्री का जनता दरबार शुरू होने जा रहा है। इसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का जिलावार जनता दरबार लगाया जाएगा। इसमें जिले का सिलेक्शन रेंडमली किया जाएगा। जिस भी जिले का नाम आएगा, उससे जुड़ी लोगों की शिकायतों को जनता दरबार में शामिल किया जाएगा। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री सचिवालय ने डिजिटल जनता दरबार को लेकर तैयारियां शुरू कर दी है। इसकी पूरी कार्ययोजना तैयार कर ली गई है। मुख्यमंत्री के विदेश दौरे से लौटने के बाद इसको मुख्यमंत्री के सामने रखा जाएगा और फिर इसे शुरू किया जाएगा।

उमा भारती शासनकाल में लग चुका जनता दरबार

मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह और फिर उमा भारती के शासनकाल में मुख्यमंत्री निवास पर जनता दरबार लगाया जा चुका है। हालांकि बाद में शिवराज सिंह चौहान के दौरान शिकायतों के निराकरण के लिए सीएम हेल्पलाइन शुरू की गई, हालांकि यह व्यक्तिगत समस्या से जुड़ी शिकायतों की अपेक्षा दूसरों की शिकायतों का जरिया ज्यादा बन गया। वहीं समाधान ऑनलाइन भी शुरू किया गया था।

जनवरी में टल गया था मामला

हालांकि पहले मुख्यमंत्री निवास पर जनता दरबार लगाए जाने पर विचार किया जा रहा था। इस संबंध में जनवरी माह में विचार हुआ था, लेकिन इस पर चर्चा शुरू होने के बाद ही मुख्यमंत्री निवास पर बड़ी संख्या में शिकायतकर्ता पहुंचना शुरू हो गए, इसको देखते हुए अब डिजिटल माध्यम अपनाने पर विचार किया गया है।

एनआईसी के माध्यम से सुनी जाएंगी शिकायतें

इस जनता दरबार में जिस भी जिले का नंबर आएगा, उस जिले के कलेक्टर कार्यालय में शिकायतकर्ताओं को बुलाया जाएगा। उन सभी शिकायतकर्ताओं से सीधे मुख्यमंत्री चर्चा करेंगे। इस दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि के अलावा सभी संबंधित अधिकारी भी मौजूद होंगे। शिकायत के बाद मुख्यमंत्री तत्काल अधिकारियों पर कार्रवाई के निर्देश देंगे। जनता दरबाज में जिलों के अधिकारियों के अलावा प्रदेश स्तर के अधिकारी भी रहेंगे।

खटारा वाहनों से मिलेगी राहत...अब दौड़ेंगी एडवांस फीचर्स से लैस डायल 112 गाड़ियां

भोपाल। प्रदेश में डायल 100 की जगह अब डायल 112 गाड़ियां दौड़ेंगी। गाड़ियों की छह वर्ष की प्रतीक्षा खत्म हो रही है। अगस्त 2025 से प्रदेश में नए वाहन दौड़ने लगेंगे। शहरी क्षेत्र में स्कार्पियो एन और ग्रामीण क्षेत्र में बोलेरो गाड़ियां चलेंगी। अभी एक हजार वाहन चल रहे हैं, पर आवश्यकता को देखते हुए इनकी संख्या दो हजार की जा रही है। अगस्त में एक साथ 1200 वाहन प्रारंभ होंगे।

इसके बाद प्रतिवर्ष 200 वाहन बढ़ाकर चार वर्ष में इनकी संख्या दो हजार की जाएगी। अभी एक थाने में एक वाहन है जो दो हो जाएंगे। वाहनों की अधिक संख्या और नए होने से पुलिस घटना स्थल पर जल्दी पहुंच सकेगी। नए वाहनों के साथ कई सुविधाएं भी बढ़ जाएंगी। वाहनों में कैमरे भी लगे रहेंगे। पुलिस मुख्यालय के अधिकारियों ने बताया कि वाहन आ चुके हैं।

वाहनों की हालत हो चुकी थी खस्ता

बता दें कि अभी बीवीजी कंपनी डायल 100 का संचालन कर रही है। वर्ष 2020 में उसका अनुबंध पूरा हो गया पर कभी कोर्ट केस तो कभी प्रशासनिक स्वीकृति के कारण निविदा प्रक्रिया उलझी रही। ऐसे में पुरानी कंपनी को ही कई बार छह-छह माह का सेवा विस्तार दिया गया। वाहनों की हालत खस्ता हो चुकी है, जिससे पुलिस को घटना स्थल पर पहुंचने में भी देरी हो रही है।

बढ़ेंगी कई सुविधाएं

नई कंपनी आने पर कई सुविधाएं बढ़ेंगी। वाहनों में सीसीटीवी कैमरे और तैनात पुलिसकर्मियों को बॉडीवार्न कैमरे दिए जाएंगे, जिससे घटनास्थल की रिकार्डिंग हो सके। जीपीएस के माध्यम से फोन करने वाले की सही लोकेशन ली जाएगी। इसके लिए निजी मैप प्रोवाइडर की मदद ली जाएगी। काल सेंटर में फोन उठाने वालों की संख्या 80 से बढ़ाकर 100 की जाएगी। ऐसी सुविधा रहेगी, जिसमें फोन करने वाले का नंबर डायल।

दिल्ली तक पहुंचा ऑयल पेंट और ड्राई फ्रूट्स घोटाला

-शहडोल सांसद और विधायक एक्शन में

भोपाल। हाल ही में शहडोल जिले में एक के बाद एक घोटाले उजागर हो रहे हैं। जिसमें एक स्कूल में ऑयल पेंट घोटाला हुआ, उसके बाद एक ग्राम पंचायत में ड्राई फ्रूट घोटाला का मामला सामने आया था। इन दोनों मामलों की गूंज भोपाल से दिल्ली तक पहुंच गई है। अब इस मामले पर शहडोल सांसद हिमाद्री सिंह भी एक्शन में नजर आ रही हैं। बता दें कि घोटाले के दोनों मामले बिल वायरल होने के बाद सामने आए थे।

शहडोल जिले में हुए ऑयल पेंट और ड्राई फ्रूट घोटाले के बाद अब शहडोल सांसद हिमाद्री सिंह भी एक्शन में नजर आ रही हैं। उन्होंने कहा है कि घोटाले का मामला मेरे संज्ञान में आया है और हमने प्रशासन को निर्देश भी दिया है कि अगर इस प्रकार का कहीं पर कोई भी घोटाला है, तो इसकी निष्पक्ष जांच की जाए। जो भी दोषी होगा उस पर उचित कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

न हम छोड़ेंगे और न सरकार

सांसद हिमाद्री सिंह ने कहा कि भ्रष्टाचार को लेकर हमारी सरकार भी बहुत संवेदनशील है। दोषियों को सजा जरूर मिलेगी अभी मामले की जांच हो रही है। जांच रिपोर्ट जब आ जाएगी तो उसके बाद उसमें

क्या एक्शन होगा ये भी देखेंगे। लेकिन हमारा बस इतना ही कहना है कि अगर इस तरह का घोटाला होता है तो उसको ना तो हम छोड़ेंगे ना हमारी सरकार छोड़ेगी।

एक्शन में ब्यौहारी विधायक

ब्यौहारी विधानसभा क्षेत्र के स्कूल में हुए ऑयल पेंट घोटाले को लेकर ब्यौहारी विधानसभा के विधायक शरद कोल का कहना है कि हम सत्ता पक्ष के विधायक हैं, हमारी जो अपेक्षाएं हैं, शासन ने जो राशि आवंटित की है, उसे गांव में रहने वाले बच्चों के पठन-पाठन उनकी व्यवस्थाओं को सुलभ बनाने के लिए शासन ने राशि दी है। उसका सही तरीके से क्रियान्वयन होना चाहिए। उसमें किसी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए, ऐसे घोटालेबाजों को छोड़ा नहीं जाएगा।

यह है ऑयल पेंट और ड्राई फ्रूट घोटाला

दरअसल, शहडोल जिले में घोटाले का पहला मामला ब्यौहारी विधानसभा क्षेत्र में आया था। यहां सकंदी और निपानिया स्कूल भवन की पुताई के लिए सिर्फ 24 लीटर ऑयल पेंट दिखाया गया, लेकिन बिल में मजदूरों की संख्या 443 और 251 राज मिस्त्री दिखाए गए। और जब यह बिल सोशल मीडिया पर वायरल हो गया तब इसे लेकर हडकंप मच गया। वहीं दूसरे घोटाले का मामला गोपारू जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत भदवाही का है। जहां जल गंगा संवर्धन अभियान को लेकर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस 1 घंटे के कार्यक्रम में अधिकारियों के स्वागत सत्कार के लिए 14 किलो काजू, 20 किलो बादाम, 30 किलो नमकीन, 6 लीटर दूध और 5 किलो शक्कर का बिल पेश कर दिया गया। फल, सब्जी, किराना सामान का बिल भी सामने आया।

20 जुलाई को आंदोलन करेंगे सुरक्षा श्रमिक एवं वन समिति चौकीदार

भोपाल। मप्र कर्मचारी मंच के बैनर तले अपनी न्यायोचित मांगों को लेकर प्रदेश के वन सुरक्षा श्रमिक एवं वन समिति चौकीदार 20 जुलाई को भोपाल में आंदोलन करके मुख्यमंत्री के नाम जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपेंगे। यह निर्णय वन सुरक्षा श्रमिकों एवं वन समिति चौकीदारों की बैठक में लिया गया है। मप्र कर्मचारी मंच के प्रांत अध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि प्रदेश के वन सुरक्षा श्रमिक एवं वन समिति चौकीदारों को श्रम अधिकारों का लाभ नहीं दिया जा रहा है। वन सुरक्षा श्रमिकों एवं वन समिति चौकीदारों का नौकरशाही शोषण कर रही है। वन सुरक्षा श्रमिकों को पीएफ सुविधा का लाभ नहीं दिया जा रहा है।

नेता प्रतिपक्ष ने विभिन्न आयोगों की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल

मप्र में 7 साल से निष्क्रिय हैं आयोग

भोपाल। मप्र के विभिन्न आयोगों की कार्यप्रणाली पर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सवाल उठाए हैं। नेता प्रतिपक्ष ने बयान जारी कर कहा कि समाज के कमजोर वर्गों के अधिकारों की रक्षा और उनके उत्पीड़न को रोकने के लिए प्रदेश में कई आयोग बनाए गए, जो 2016-17 से भाजपा के कार्यकाल में निष्क्रिय हो चुके हैं। सिंघार ने जिन आयोगों को लेकर सवाल उठाया है उनमें राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग, राज्य अनुसूचित जाति आयोग, राज्य महिला आयोग, राज्य अल्पसंख्यक आयोग, बाल अधिकार संरक्षण आयोग मानव अधिकार आयोग और सूचना आयोग शामिल हैं।

नेता प्रतिपक्ष सिंघार ने कहा कि यह आयोग एक कोर्ट की तरह काम करते हैं जिनके पास सिविल कोर्ट की शक्तियां होती हैं। यह शिकायतों को सुनते हैं और बिना खर्च एवं बिना किसी कोर्ट, पुलिस को शामिल किए उसका निपटारा करते हैं। आयोग में एक अध्यक्ष होता है और उसके पांच सदस्य। लगभग दर्जनभर स्टाफ किसी भी शिकायत की जांच करना, शिकायतकर्ता को संबल देना और उस के निष्पादन के लिए सरकार को आदेशित करता है। नेता प्रतिपक्ष ने सरकार से मांग कि है कि सरकार को तत्काल इन आयोगों में अध्यक्षों और सदस्यों की नियुक्ति करना चाहिए। वेबसाइट्स को शुरू करना चाहिए और पारदर्शी व जवाबदेह कार्यप्रणाली सुनिश्चित करनी चाहिए। इन आयोगों के बजट का उपयोग प्रभावी ढंग से पीड़ितों के कल्याण और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए किया जाना चाहिए।

आयोगों में बिना जज के कोर्ट जैसे हालात

नेता प्रतिपक्ष सिंघार ने कहा कि भाजपा सरकार ने इन आयोगों का भट्ठा बैठा दिया है, जो सामाजिक न्याय पर गहरा प्रहार है। उन्होंने कहा कि इन आयोगों

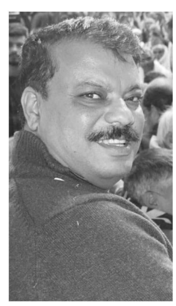

की स्थिति इतनी दयनीय है कि ये न तो पीड़ितों की आवाज सुन पा रहे हैं और न ही उनके लिए कोई ठोस कार्यवाही कर पा रहे हैं। यहां तक कि राज्य के कुल आठ प्रमुख आयोगों में से केवल तीन-पिछड़ा वर्ग आयोग, सूचना आयोग और मानवाधिकार आयोग में ही अध्यक्ष नियुक्त हैं, लेकिन इनमें भी सदस्यों की भारी कमी है। शेष पांच आयोग वर्षों से बिना अध्यक्ष और सदस्यों एवं बिना कर्मचारियों के संचालित हो रहे हैं। जैसे बिना जज के कोर्ट।

महिला आयोग में 24 हजार केस पेंडिंग

नेता प्रतिपक्ष ने उदाहरण देते हुए कहा, राज्य महिला आयोग में पिछले पांच वर्षों से न तो अध्यक्ष नियुक्त किया गया है और न ही सदस्यों की नियुक्तियां हुई है। जिसके चलते लगभग 24,000 महिला उत्पीड़न से संबंधित मामले लंबित हैं। इसी तरह, पिछड़ा वर्ग आयोग में भले ही अध्यक्ष मौजूद हैं, लेकिन सदस्यों और कर्मचारियों के अभाव में यह पंगु हो गया है। हाल ही में पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष, जो स्वयं भाजपा के पूर्व सांसद हैं, ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर खाली पदों को भरने, आयोग के लिए पृथक भवन जैसी कई मांगें की, जो सरकार की उदासीनता को स्पष्ट दर्शाता है।

आयोगों की वेबसाइट बंद कीं

उमंग सिंघार ने कहा कि डिजिटल भाजपा सरकार में इन आयोगों की वेबसाइट तक बंद कर रखी हैं। इन आयोगों की लगभग 2 लाख से ज्यादा शिकायतें लंबित हैं। लोगों का विश्वास इन संस्थानों में कम हो रहा है। इन आयोगों की निष्क्रियता के बावजूद, वित्त वर्ष 2017 से 2024 तक इनके संचालन पर जनता के कर से करोड़ों रुपए खर्च किए गए। नेता प्रतिपक्ष ने आगे कहा कि यह एक विडंबना है कि आज समाज के कमजोर वर्ग-आदिवासी, दलित, अल्पसंख्यक, पिछड़ा वर्ग और महिलाएं न्याय और संरक्षण के लिए दर-दर भटक रहे हैं। मध्यप्रदेश के लगभग 22 प्रतिशत आदिवासी, 17 प्रतिशत दलित, 7 प्रतिशत अल्पसंख्यक, 50 प्रतिशत पिछड़ा वर्ग और महिलाओं के खिलाफ उत्पीड़न की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। उमंग सिंघार ने कहा कि यही वजह है कि प्रदेश महिला अपराध, शिशु अपराध, एससी-एसटी और अल्पसंख्यकों पर अत्याचार, जातिगत भेदभाव और सामाजिक हिंसा की घटनाओं में वृद्धि हुई है और उनकी शिकायतें ना पुलिस सुनती है, ना सरकार और कोर्ट जाने के पैसे नहीं होते।

तहसीलदारों को न्यायालय और गैर न्यायालय में बांटने का विरोध

-प्रदेशभर में कलेक्टरों को ज्ञापन देंगे, फैसला वापस न हुआ तो 21 जुलाई से काम बंद

भोपाल। तहसीलदारों की पदस्थापना को लेकर मोहन कैबिनेट के एक माह पुराने फैसले का प्रदेश के तहसीलदार विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि इस फैसले से लोगों को सुविधा मिलने की बजाय दिक्कत बढ़ेगी। कुछ जिलों में कलेक्टरों ने कैबिनेट के फैसले के आधार पर आदेश भी जारी कर दिए हैं, जिसे वापस लेने की मांग की जा रही है। ऐसा न करने पर तहसीलदार और नायब तहसीलदार 21 जुलाई से काम बंद करेंगे।

कनिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी (तहसीलदार) संघ ने तहसीलदार और नायब तहसीलदार कैडर के अफसरों के बीच न्यायालयीन और गैर न्यायालयीन कार्य विभाजन का विरोध किया है। संघ ने कहा है कि अफसरों के बीच इस तरह का विभाजन किसी स्टडी, किसी समिति की सिफारिश और पारदर्शी मापदंड को अपनाए बगैर किया जा रहा है। इसका कोई ठोस और तार्किक कारण भी नहीं है। इस तरह के निर्णय से कार्यक्षमता कैसे बढ़ेगी? गैर न्यायालयीन कार्यों के लिए संभागीय मुख्यालयों के जिलों में 14 और अन्य जिलों में 8 तहसीलदार और नायब तहसीलदार चिन्हित करने का काम किस आधार पर किया गया है, यह भी इसमें स्पष्ट नहीं है।

संयुक्त परामर्शदात्री समिति की सहमति नहीं ली

प्रदेश के तहसीलदारों का यह भी कहना है कि इस मामले में संयुक्त परामर्शदात्री समिति से सहमति ली जानी चाहिए, जो नहीं ली गई है। इस मामले में संघ को विश्वास में लिए बगैर फैसला किया गया है। संघ का आरोप है कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की

धारा 6 के अंतर्गत कार्यपालिक मजिस्ट्रेट को क्रिमिनल कोर्ट का एक वर्ग माना गया है, जिसे नियुक्त करने की शक्ति धारा 14 के अंतर्गत शासन को है। जबकि प्रमुख राजस्व आयुक्त के आदेश के पालन में कलेक्टर इस तरह के पदों पर नियुक्तियां कर रहे हैं, जो उनके अधिकार क्षेत्र से बाहर है। इसके लिए जबलपुर और सिवनी में आदेश भी जारी किए गए हैं।

राजस्व न्यायालयों में कमी की स्थिति बन रही

इन्होंने सवाल उठाया है कि अधिकार विहीन कार्यपालिक मजिस्ट्रेट कहां बैठेंगे और उनके रीडर, आफिस स्टाफ को लेकर भी स्थिति साफ नहीं है। संघ ने यह भी कहा है कि इस फैसले से राजस्व न्यायालयों में कमी की स्थिति बन रही है। जबकि तीन राजस्व महाभियान चलाने के बाद भी किसानों की समस्याओं में कमी नहीं हो रही है। कनिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी संघ ने कहा है कि अगर राजस्व विभाग को कोई नवाचार करना ही था तो पुलिस कमिश्नर प्रणाली की तरह प्रदेश के एक-दो जिलों में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर इस व्यवस्था को लागू किया जाता और फिर इस पर अंतिम फैसला होता। संघ ने कलेक्टरों को सौंपे ज्ञापन के जरिये यह कहा है कि अगर सरकार इस मामले में बदलाव कर कलेक्टरों के आदेश नहीं रोकती है तो प्रदेश के सभी तहसीलदार 21 जुलाई से काम बंद कर देंगे।

स्वच्छ सर्वेक्षणः आज राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू विजेता शहरों को करेंगी पुरस्कृत, पुरस्कार लेने दिल्ली पहुंचे महापौर-कमिश्नर

देश के सबसे साफ शहरों में दूसरे नंबर पर भोपाल

भोपाल(ईएमएस)। स्वच्छता सर्वेक्षण-2024 में भोपाल देश के सबसे साफ शहरों में टॉप-3 पर है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पुरस्कार देंगी। निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने बताया, भोपाल ने 3 पायदान छलांग लगाई है और देश में दूसरे नंबर पर आया है। इसलिए जश्न भी भव्य तरीके से करेंगे। स्वच्छता मित्रों और जनता के साथ जश्न मनाएंगे। लड्डू भी बांटे जाएंगे। इधर, पुरस्कार लेने के लिए मेयर मालती राय और निगम कमिश्नर हरेंद्र नारायण दिल्ली पहुंच गए हैं। 17 जुलाई को नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में एक आयोजन होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू करेंगी।

स्वच्छ सर्वेक्षण में इस बार भी मध्यप्रदेश के शहर बाजी मारेंगे। राजधानी भोपाल देश के सबसे स्वच्छ शहरों में दूसरे नंबर पर रहेगा। साथ ही सबसे स्वच्छ राजधानी का तमगा भी फिर मिलने की उम्मीद है।

पिछली बार पांचवें नंबर पर था भोपाल

पिछले सर्वे में भोपाल 5वें नंबर पर था। कचरे की प्रोसेसिंग में सुधार व डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन की व्यवस्था को और पुख्ता कर भोपाल ने दावा मजबूत किया है। वहीं, फरवरी में हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) की वजह से भी भोपाल को फायदा मिलेगा। जीआईएस के चलते राजधानी में 100 करोड़ रुपए से ज्यादा के काम शहर में हुए हैं। इसमें स्वच्छता से जुड़े काम भी शामिल थे। इसी दौरान स्वच्छता सर्वेक्षण टीमें भी भोपाल पहुंची थी। इसलिए दावा मजबूत है।

स्वच्छ सर्वेक्षण में भोपाल का अब तक का सफर

स्वच्छ सर्वेक्षण में भोपाल ने 2017 और 2018 में लगातार दो साल देश में दूसरी रैंक हासिल की थी। 2019 में भोपाल खिसककर 19वें नंबर पर आ गया था। उस समय अफसरों के लगातार तबादले के कारण तैयारियों की दिशा ही तय नहीं हो पाई थी, लेकिन 2020 में कम बैक करते हुए 12 पायदान ऊपर खिसका और 7वीं रैंक हासिल की। 2021 के सर्वेक्षण में भी भोपाल ने 7वां स्थान हासिल किया था। 2022 के सर्वेक्षण में भोपाल की रैंक सुधरी और यह छठवें स्थान पर आ गया। वहीं, भोपाल को 5 स्टार मिला। 2023 के सर्वेक्षण में पांचवीं रैंकिंग रही थी। इस बार यह टॉप-3 में हो सकता है।

बिना पर्यावरण अनुमति बना है 184 करोड़ का वन भवन

अब कुल लागत का 2.5 प्रतिशत देना होगा जुर्माना

भोपाल। 7 अगस्त 2023 को तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लिंक रोड नंबर-दो पर 2 लाख वर्ग फीट में बने 184 करोड़ रुपए के जिस वन भवन का लोकार्पण किया था, वह बिना पर्यावरण अनुमति के बना है। अब वन विभाग को बिना पर्यावरणा अनुमति निर्माण करने पर प्रोजेक्ट की 184 करोड़ रुपये की लागत का ढाई प्रतिशत जुर्माना भरना होगा।

गौरतलब है कि वन भवन का निर्माण शुरू से ही विवादों में रहा है। वन भवन पर्यावरण अनुमति के बिना ही बना लिया गया। इसका न तो पर्यावरण के अनुकूल निर्माण कराया गया और न ही स्वीकृति ली गई। बता दें कि इसका निर्माण मप्र पर्यटन विकास निगम ने किया था। बता दें कि वर्ष 2008 में वन भवन की आधारशिला रखी गई थी, इसके साथ ही जमीन के आधिपत्य को लेकर विवाद खड़ा हो गया था, चार साल इसे सुलझाने में लग गए। तमाम

विवादों के बीच वर्ष 2023 में बनकर यह तैयार हुआ था। चार मंजिल के इस भवन में पांच ब्लाक और अधिकारियों के लिए 80 कक्ष हैं। अगर बजट की कमी न होती, तो यह प्रदेश की पहली ग्रीन बिल्डिंग होती। इसी परिकल्पना के साथ वर्ष 2013 में भवन का निर्माण प्रारंभ किया था, लेकिन समय बीतने के साथ भवन की लागत बढ़ गई।

86 करोड़ का प्रोजेक्ट 184 करोड़ में पूरा

गौरतलब है कि 15 साल तक चले निर्माण कार्य में वन भवन की शुरुआती निर्माण लागत 86 करोड़ रुपये थी, लेकिन समय के साथ निर्माण में देरी के कारण लागत बढ़कर 184 करोड़ रुपये हो गई। लिंक रोड-2 पर ग्रीन बिल्डिंग कंसेप्ट पर वन भवन बनाया जाना था। 14 एकड़ जमीन पर निर्मित यह परिसर ग्रीन बिल्डिंग के आकार भी नहीं ले सका। वन विभाग ने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में पर्यावरण स्वीकृति की अनुमति के लिए आवेदन किया था, लेकिन इसमें कुछ कमियों के चलते बोर्ड के सदस्य सेवानिवृत्त आईएफएस पीसी दुबे ने विभाग को पत्र लिखकर उन कमियों को पूरा कर पुनः आवेदन के लिए लिखा था। इस प्रकरण में एक पेशी हो चुकी है, लेकिन मामला अब तक नहीं सुलझा है। वर्तमान में राज्य विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) के अध्यक्ष राकेश श्रीवास्तव है। अब इस प्रकरण को यही सुलझाएंगे। नए वन भवन में कक्षों के आवंटन को लेकर भी अधिकारी नाखुश हैं। भवन की गुणवत्ता को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। 14 एकड़ में फैले तीन मंजिला वन भवन होने के बावजूद वन विभाग से जुड़े कई कार्यालय बाहर किराए के भवनों में लग रहे हैं। कार्य आयोजना (वर्किंग प्लान) कार्यालय सहित अन्य कार्यालय है। हालांकि इन्हें वन भवन में शिफ्ट करने पर विचार किया जा रहा है।

गेंदबाजी में बुमराह नंबर एक पर बरकरार

आईसीसी बल्लेबाजी रैंकिंग में फिर शीर्ष पर पहुंचे रुट, भारतीय बल्लेबाजों को हुआ नुकसान

दुबई। इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट एक बार फिर नंबर एक बल्लेबाज बन गये हैं। रुट ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट प्ररिषद (आईसीसी) की बुधवार को जारी बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया है। इसी के साथ ही रुप ने हैरी ब्रूक को नंबर एक स्थान से नीचे धकेल दिया है। रुट के अब 888 रेटिंग अंक हो गये हैं। उन्होंने भारत के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट में शतक लगाने के अलावा 40 रन भी बनाये थे। हैरी पिछले हफ्ते रूट को पीछे छोड़कर नंबर एक स्थान पर पहुंच गये थे पर लॉर्ड्स में वह रन नहीं बना पाये जिससे उनकी रैंकिंग खराब हुई है और वह 862 अंक लेकर तीसरे नंबर पर फिसल गये हैं। वहीं न्यूजीलैंड के अनुभवी बल्लेबाज केन विलयमसन 867 अंक के साथ ही दूसरे नंबर पर हैं।

वहीं भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल सहित तीन भारतीय बल्लेबाजों की भी रैंकिंग गिरी है। शुभमन तीन स्थान के नुकसान के साथ ही नौवें पर आ गए हैं। उनके 765 अंक हैं। शुभमन लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट में केवल 22 रन ही बना पाये थे। वहीं सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल 801 और विकेटकीपर ऋषभ पंत 779 अंक भी एक-एक स्थान नीचे आये हैं। यशस्वी मैच में केवल 13 रन बना सके। वहीं ऋषभ ने पहली पारी में 74 रन बनाये पर दूसरी पारी में वह 9 रन ही बना पाये। ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज स्टीव स्मिथ 816 अंक लेकर एक स्थान ऊपर आये हैं। उन्हें जमैका में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टेस्ट में 48 रन की पारी खेलने का लाभ मिला है अब वह चौथे नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया के ही कैमरन ग्रीन 46 और 42 रन की पारी की सहायता से 16 स्थान ऊपर आकर 29वें स्थान पर पहुंच गए।

वहीं जमैका में हैट्रिक लेने वाले ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड टेस्ट गेंदबाजों की सूची में करियर के सर्वश्रेष्ठ छठे स्थान पर आ गए हैं। वह दूसरी ओर, तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क अपने अच्छे प्रदर्शन के बाद भी रैंकिंग में 10वें स्थान पर ही हैं। उनके रेटिंग अंक बढ़कर 766 हो गए हैं। टॉप-10 गेंदबाजों में 901 अंक लेकर भारत के जसप्रीत बुमराह पहले नंबर पर हैं। कप्तान पैट कमिंस तीसरे और जोश हेजलवुड चौथे स्थान पर बने हुए हैं। स्पिनर नाथन लियोन एक स्थान नीचे आठवें पर खिसक गए हैं।

शीर्ष क्रम के रन नहीं बनाने से हारे - गांगुली

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट में भारत की हार के लिए शीर्ष क्रम की खराब बल्लेबाजी को दोषी बताया है। गांगुली ने कहा कि इस टीम में काफी प्रतिभा है पर इसके बावजूद उसे हार का सामना करना पड़ा जो निराशाजनक है। इस मैच में भारतीय टीम 193 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए केवल 170 रन ही बना पायी। गांगुली ने कहा कि यह मैच भारतीय टीम के हाथ में आकर फिसल गया। साथ ही कहा कि अगर शीर्ष क्रम के बल्लेबाज

जिम्मेदारी से खेलते तो ऐसा नहीं होता।

गांगुली ने कहा कि भारतीय बल्लेबाजी से इस सीरीज में थोड़ी निराशा हुई है। उन्होंने कहा कि टीम को 190 रन बनाने चाहिए थे। गांगुली के अनुसार टीम में मौजूद खिलाड़ी भी इस परिणाम से बेहद निराश होंगे। उन्होंने कहा कि यह इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में 2-1 की बढ़त लेने का अच्छा अवसर था बल्लेबाजों ने अपनी गलती से इसे खो दिया। उन्होंने कहा कि यशस्वी जायसवाल एक भी रन नहीं बना पाए जबकि शुभमन गिल और ऋषभ पंत भी दोहरे अंक तक नहीं पहुंच सके। केएल राहुल ने 39 रन बनाए पर उनका विकेट गिरने के बाद टीम की बल्लेबाजी दबाव में आ गयी।

गांगुली ने कहा कि शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों ने जरा भी संघर्ष नहीं किया। अगर उन्होंने थोड़ा भी धैर्य दिखाया होता तो परिणाम कुछ और होता। उन्होंने यह भी माना कि निचले क्रम के बल्लेबाजों ने रविंद्र जडेजा की अगुवाई में अच्छी बल्लेबाजी कर जुझारु क्षमता दिखायी। जडेजा ने नाबाद 61 रन बनाए और अंत तक खेलते रहे पर बाकी बल्लेबाज उनका साथ नहीं दे सके। गांगुली ने जडेजा की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने असाधारण बल्लेबाजी की और वह भारत के लिए तब तक खेलते रहेंगे जब तक इस तरह का प्रदर्शन करते रहेंगे।

गांगुली ने कहा कि जडेजा लंबे समय से टीम में हैं और अनुभवी होने का लाभ उन्हें मिल रहा है। उनकी बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग में अनुभव की झलक दिखती है। वह एक खास खिलाड़ी हैं और पिछले कुछ साल में उनकी बल्लेबाजी बेहतर हुई है और इसी कारण टीम के लिए वह फायदेमंद हैं।

ऋषभ के रनआउट होने से आया अंतर - स्टोक्स

लंदन। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ तीसरे टेस्ट में ऋषभ पंत के आउट होने से मैच बदला था। इस मैच में इंग्लैंड की टीम ने 22 रनों से जीत हासिल की थी। मैच में 193 के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम दूसरी पारी में 170 रन ही बना पायी थी। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने भी कहा था कि पहली पारी में ऋषभ के रनआउट होने से मैच में अंतर आया था। उन्होंने कहा कि अगर लॉर्ड्स टेस्ट की पहली पारी में बढ़त मिलती तो मैच का परिणाम कुछ और होता। पहली पारी में दोनों टीमों का स्कोर बराबर रहा था। इस मैच में इंग्लैंड के 387 रनों का पीछ करते हुए भारतीय टीम ने भी पहली पारी में इतना ही स्कोर बनाया।

पंत पहली पारी में 74 रन बनाकर स्टोक्स के एक शानदार थ्रो पर रनआउट हो गए। शुभमन ने कहा, पंत का विकेट मैच का सबसे अहम पल था क्योंकि हमें पता था कि पांचवें दिन बल्लेबाजी कठिन होगी। उन्होंने कहा, पहली पारी में बढ़त हमारे लिए लाभदायक होती। वहीं, स्टोक्स ने भी शुभमन की बात का समर्थन किया है। उन्होंने माना है कि पंत का रनआउट होना उनके लिए लाभदायक रहा। स्टोक्स ने मैच के बाद कहा, जब फील्डिंग करते हुए गेंद मेरे पास आई तो मैंने ऋषभ को हिचकिचाते हुए देखा। जब आप गेंद फेंकते हैं और जानते हैं कि वह स्टंप्स पर लगेगी तो यह एक बेहतरीन एहसास होता है।

स्टोक्स ने इसके अलावा कहा कि कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद वह अब कुछ दिन आराम कर तरोताजा होना चाहते हैं। पांच टेस्ट की सीरीज का चौथा मैच 23 जुलाई से मैनचेस्टर के मैदान पर खेल जाएगा। इंग्लैंड के कप्तान ने कहा, दो बहुत अच्छी टीमें आमने-सामने हैं। इसलिए मुकाबले से पहले आराम चाहता हूं। स्टोक्स को तीसरे मैच में गेंद और बल्ले से अच्छे प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला था।

वैभव ने बनाया रिकार्ड, सबसे कम उम्र में विकेट लेने वाले खिलाड़ी बने

लंदन। भारतीय अंडर-19 क्रिकेट टीम में शामिल 14 साल के वैभव सूर्यवंशी का शानदार प्रदर्शन जारी है। वैभव अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं पर इस बार उन्होंने अपनी गेंदबाजी से कमाल किया है। वैभव ने इंग्लैंड अंडर-19 टीम की पहली पारी में दो विकेट लेने के साथ ही तेजी से एक अर्धशतक भी लगा दिया। वैभव ने टी20 की तरह बल्लेबाजी करते हुए 128 के स्ट्राइक रेट से पचास रन पूरे किये। वैभव ने इंग्लैंड के कप्तान हमजा शेख का विकेट लिया। हमजा 84 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। उसके बाद वैभव ने थॉमस रु को 34 रनों के स्कोर पर अपना शिकार बनाया। इसी के साथ वैभव यूथ टेस्ट में विकेट लेने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए। वैभव ने केवल 14 साल और 107 दिन की उम्र में ही ये विकेट लिए हैं।

वैभव पहली पारी में इंग्लैंड के खिलाफ 13 गेंदों में सिर्फ 14 रन ही बना पाए थे पर दूसरी पारी में इस बल्लेबाज ने कसर निकालते हुए केवल 39 गेंदों में ही अर्धशतक बना दिया। वैभव ने 44 गेंदों में 56 रन बना दिये। अपनी

इस पारी में वैभव ने 9 चौके और एक छक्का लगाया। बल्लेबाज के बाद वैभव ने जबरदस्त गेंदबाजी भी की। वैभव ने जिस तरह से गेंदबाजी की की उससे सभी हैरान रह गये। अगर वह इसी प्रकार गेंदबाजी करते रहे तो आने वाले समय में ऑलराउंडर के तौर पर उतरे सकते है. इस मैच में कप्तान आयुष महात्रे की शानदार पारी से पहली पारी में भारतीय टीम ने 540 रन बनाए थे जबकि इंग्लैंड की पहली पारी 439 रनों पर ही आउट हो गयी। . इसके बाद दूसरी पारी में भारत ने 248 रन बनकार मेजबान टीम को 350 रनों का कठिन लक्ष्य दिया है।

केएससीए टी20 लीग में सबसे महंगे बिके पडिक्कल, द्रविड़ के बेटे समित रहे अनसोल्ड

बेंगलुरु। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान राहुल द्रविड के बेटे समित द्रविड़ को महाराजा ट्रॉफी केएससीए टी20 लीग के लिए यहां हुई नीलामी में किसी भी टीम ने नहीं खरीदा। वहीं बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल सबसे महंगे बिके हैं। पडिक्कल को सबसे ज्यादा 13.20 लाख रुपये में हुबली टाइगर्स ने खरीदा है। ये लीग 11 से 27 अगस्त तक खेली जाएगी। समित पिछले सत्र में लीग का हिस्सा थे, उन्हें मैसूर वॉरियर्स ने 50 हजार रुपये में खरीदा था पर इस बार उनका नाम अंतिम सूची में भी नहीं था। समित को जूनियर राज्य खिलाड़ी के तौर पर सी वर्ग में शामिल किया गया था। उनका नाम अंतिम नीलामी सूची से भी बाहर हो गया। वह ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गई भारतीय अंडर-19 टीम का भी हिस्सा थे पर चोटिल होने के कारण बाहर हो गए थे।

वहीं सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेलने वाले अभिनव मनोहर और पूर्व भारतीय बल्लेबाज मनीष पांडे पर दूसरी सबसे ऊंची बोली लगी है। दोनों को हुबली टाइगर्स और मैसूर वॉरियर्स ने 12.20 लाख रुपये में खरीदा है।

वहीं गेंदबाजों में शिवमोग्गा लायंस ने कर्नाटक के तेज गेंदबाज विद्वथ कावेरप्पा को 10.80 लाख रुपये। वहीं बेंगलुरु ब्लास्टर्स ने तेज गेंदबाज विद्याधर पाटिल पर 8.30 लाख रुपये की रकम लगायी।

शिवमोगा लायंस ने भारत ए के बल्लेबाज अनीश्वर गौतम को 8.20 लाख रुपये में शामिल किया, जबकि मैंगलोर ड्रैगन्स ने अनुभवी श्रेयस गोपाल पर 8.60 लाख रुपये की बोली लगाई।

चौथे टेस्ट में बदलावों के साथ उतर सकती है भारतीय टीम

लंदन। भारतीय क्रिकेट टीम के के इंग्लैंड के खिलाफ 5 टेस्ट सीरीज में 1-2 से पिछड़ने के बाद अब चौथे टेस्ट में बदलाव की संभावना जतायी जा रही है। भारतीय टीम को सीरीज में बराबरी करनी है तो उसे हर हाल में 23 जुलाई से शुरू होने वाला मैनचेस्टर टेस्ट को जीतना होगा। इस मैच के लिए टीम में कुछ बदलाव भी होने तय हैं। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार इस मैच में मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह खेल सकते हैं हालांकि कार्यभार प्रबंधन के तहत इस मैच में उन्हें आराम दिया जाना है। इस सीरीज की शुरूआत से पहले ही मुख्य कोच अजीत अगरकर, मुख्य कोच गौतम गंभीर, कप्तान शुभमन गिल और स्वयं बुमराह ने भी साफ कर दिया था कि वह सीरीज के सभी पांच मैच नहीं खेलते हुए केवल तीन टेस्ट ही खेलेंगे। बुमराह ने इस सीरीज में 2 टेस्ट पहले ही खेले हैं। ऐसे में तय कार्यक्रम के अनुसार अब उन्हें सिर्फ 1 ही टेस्ट खेलना है। ऐसे में ये भी हो सकता है किकि वह सीरीज के पांचवें और आखिरी मुकाबले में दिखें जो लंदन के ओवल मैदान में 31 जुलाई से 4 अगस्त तक चलेगा।वहीं भारतीय टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत शायद ही चौथे मैच में खेल पायें। लॉर्ड्स टेस्ट के दौरान उनकी उंगली में चोट लगी थी, जिसके बाद वह पहली पारी में केवल 34 ओवर ही विकेटकीपिंग कर पाए थे। उनकी जगह पर ध्रुव जुरेल ने कीपिंग की थी। अभी चौथे टेस्ट में एक हफ्ते का समय है, ऐसे में टीम ये भी उम्मीद कर रही है कि वह तब तक ठीक हो जायें। इस मैच में आठ साल बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करने वाले करुण नायर को भी अवसर मिलने की कम ही संभावना है क्योंकि वह अब तक इस सीरीज में विफल रहे हैं। वह इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा सीरीज के 3 टेस्ट की 6 पारियों में सिर्फ 131 रन बना सके हैं। ऐसे में उन्हें चौथे टेस्ट में बेंच पर बैठना पड़ सकता है। वैसे शुरुआती दो टेस्ट में नाकामी के बाद जिस तरह तीसरे मैच में भी उन्हें मौका दिया गया, उससे ये लगता है कि टीम प्रबंधन उन्हें वापसी पर अपने को साबित करने के लिए पूरी अवसर देना चाहता है। वहीं इस मैच में अगर ऋषभ खेल नहीं पाते हैं तो जुरेल को अवसर मिलेगा। जुरेल ने लॉर्ड्स टेस्ट में पंत की अनुपस्थिति में विकेटकीपिंग की थी। वहीं अगर तेज गेंदबाज बुमराह मैनचेस्टर टेस्ट में नहीं खेलते हैं तो उनकी जगह युवा अर्शदीप सिंह को अवसर मिल सकता है। टीम के पास प्रसिद्ध कृष्णा और शार्दुल ठाकुर जैसे भी विकल्प हैं, पर ये दोनो अपने अवसरों का लाभ नहीं उठा पाये। साई सुदर्शन को इसी सीरीज से टेस्ट में डेब्यू का मौका मिला था। मैनचेस्टर टेस्ट में उन्हें करुण नायर की जगह अंतिम ग्यार हमें जगह मिल सकती है।वहीं चाइनामेन स्पिनर कुलदीप यादव कुलदीप यादव सीरीज के अब तक हुए सभी तीनों मैच में बेंच पर ही बैठे रहे। इंग्लैंड की पिचें तेज गेंदबाजों की सहायक मानी जाती हैं। लॉर्ड्स टेस्ट में स्पिन की जिम्मेदारी ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर ने संभाली थी। ऐसे में साफ है कि मैनचेस्टर टेस्ट में भी कुलदीप को अवसर शायद ही मिले।

भारत की संभावित अंतिम ग्यारह

यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, शुभमन गिल (कप्तान), रविंद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), नीतीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप और अर्शदीप सिंह।

विराट-रोहित पर संन्यास के लिए बीसीसीआई का दबाव नहीं था - राजीव शुक्ला

लंदन। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने विराट कोहली और रोहित शर्मा ने अचानक टेस्ट क्रिकेट से संन्यास को लेकर साफ कर दिया है कि दोनो पर किसी भी प्रकार का कोई दबाव बोर्ड की ओर से नहीं था। इससे पहले कहा जा रहा था कि इन दोनों दिग्गजों ने इंग्लैंड दौरे से ठीक पहले संन्यास का फैसला दबाव में किया था। इसी को लेकर अब बीसीसीआई उपाध्यक्ष ने कहा कि विराट और रोहित ने स्वयं ही संन्यास लेने का फैसला लिया है। इसमें बोर्ड की कोई भूमिका नहीं थी। बीसीसीआई की नीति स्पष्ट है। वह किसी भी खिलाड़ी को संन्यास के लिए मजबूर नहीं करना। इसलिए ये विराट और रोहित का फैसला था। ये दोनों ही खिलाड़ी हैं और अब भी एकदिवसीय प्रारुप के लिए उपलब्ध रहेंगे।

38 साल के रोहित ने 67 टेस्ट मैच में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए 4301 रन बनाए। पिछले कुछ समय में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। घरेलू सीरीज में न्यूजीलैंड के खिलाफ और ऑस्ट्रेलिया दौरे पर वह रन नहीं बना पाये। इसी कारण सिडनी टेस्ट से स्वयं ही बाहर हो गये। ऐसे में उन्होंने संन्यास की घोषणा कर दी। वहीं दूसरी ओर विराट ने भी सोशल मीडिया पर लंबा-चौड़ा पोस्ट लिखकर अपने संन्यास की घोषणा कर दी। विराट और रोहित की गैरमौजूदगी में शुभमन गिल को टीम की कप्तानी दी गयी और आठ साल के बाद करुण नायर की टीम में वापसी हुई। भारतीय टीम का प्रदर्शन इस दौरे में अब तक अच्छा रहा है पहले टेस्ट में मिली हार के बाद उसने दूसरे टेस्ट में वापसी पर तीसरे टेस्ट में उसे एक बार फिर हार का सामना करना पड़ा। उसके बाद भी इस सीरीज में भारतीय बल्लेबाजों और गेंदबाजों का प्रदर्शन अच्छा रहा है।

कुंबले ने शुभमन को दी सलाह, कप्तान का तरीका थोड़ा अलग होना चाहिए

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और कोच अनिल कुंबले ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट में जैक कॉली से हुए विवाद को लेकर कहा कि शुभमन सही थे पर इस प्रकार के मामलों को हल करने का कप्तान का तरीका थोड़ा अलग होना चाहिये। उन्होंने कहा कि टकराव ठीक था पर कप्तान के तौर पर शायद तरीका थोड़ा अलग हो सकता था। मुझे भरोसा है कि वह इस तरह की घटनाओं से सीखेंगे। वह अभी भी युवा हैं। कुंबले ने कहा कि शुभमन की कप्तानी में भारतीय टीम ने लॉर्ड्स टेस्ट में अच्छी तरह से खेला था। गिल की कप्तानी भी ठीक थी हालांकि वह इस मैच में रन नहीं बना पाये जिससे वह निराश होंगे। दूसरी पारी में आउट होने से उन्हें निश्चित रूप से दुख हुआ होगा।

इस पूर्व कप्तान ने कहा, शुभमन की प्रेस कॉन्फ्रेंस भी ठीक थी। मुझे लगता है कि उन्होंने सवालों को बहुत अच्छी तरह से जवाब दिया। उन्होंने कुछ घटनाओं को गेम बदलने की वजह नहीं करारा दिया। उन्होंने माना कि ऋषभ पंत के रनआउट ने मैच में अंतर आया। पहली पारी में भारत की बल्लेबाजी के लिए यह एक बड़ा पल था। शुभमन ने कहा कि पंत के रनआउट से मैच में टर्निंग पॉइंट अया क्योंकि इससे भारतीय टीम के हाथों से पहली पारी में बढ़त बनाने का अवसर निकल गया। पहली पारी में दोनों टीमों का स्कोर बराबर 387 से बराबर रहा था। पंत 72 रन बनाकर पवेलियन लौटे थे अगर वह आउट नहीं होते तो भारतीय टीम को बढ़त मिल जाती। शुभमन इंग्लैंड दौरे पर शानदार लय में दिखे हैं। उन्होंने अब तक दो शतक और एक दोहरा शतक लगाया है हालांकि वह लॉर्ड्स में रन नहीं बना पाये।

डोपिंग मामले में टेनिस खिलाड़ी तारा पर चार साल का प्रतिबंध

लंदन। ब्रिटेन की महिला टेनिस खिलाड़ी तारा मूर पर डोपिंग मामले में चार साल का प्रतिबंध लगाया जाएगा। खेल पंचाट ने तारा पर ये पाबंदी लगायी है। खेल पंचाट ने अंतरराष्ट्रीय टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी (आईटीआईए) के साथ सहमति के बाद कहा कि तारा को प्रदर्शन बढ़ाने वाली दवाओं के सेवन के लिए प्रतिबंधिति किया जाना जरुरी था। इस खिलाड़ी को अप्रैल 2022 में एनाबॉलिक स्टेरॉयड बोल्डेनोन और नैंड्रोलोन के सेवन के लिए पॉजिटिव पाया गया था पर दिसंबर 2023 में उन्हें खेलने की अनुमति मिल गयी थी। वहीं इससे पहले एक स्वतंत्र पंचाट ने फैसला दिया कि कोलंबिया में एक प्रतियोगिता में भाग लेने के दौरान दूषित मांस खाने के कारण तारा पॉजिटिव हुई होगी। आईटीआईए ने उस फैसले के खिलाफ खेल पंचाट में अपील की थी।

पाक क्रिकेट में पीसीबी ने किया बदलाव, ग्रेड- थ्री डिवीजन की शुरुआत की

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने घरेलू क्रिकेट में बड़ा बदलाव किया है। पीसीबी ने साल 2025-26 के घरेलू सत्र के लिए री-स्ट्रक्चर थ्री-टीयर विभागीय क्रिकेट ढ़ाचे की घोषणा कही है। इसके तहत ही ग्रेड- थ्री डिवीजन की शुरुआत होगी। अगस्त 2025 से मई 2026 तक चलने वाले इस नए ढ़ांचे में ग्रेड-वन , ग्रेड-टू और ग्रेड-थ्री ढ्ढ में प्रतिस्पर्धा करने वाली 40 से ज्यादा विभागीय टीमें शामिल होंगी। इसमे बेहतर प्रदर्शन को पुरस्कृत करने और डिवीजनों के बीच गतिशीलता सुनिश्चित करने के लिए एक स्पष्ट प्रमोशन और डिमोशन प्रणाली बनायी गयी है1

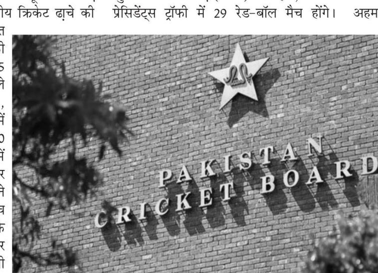

ग्रेड-वन विभाग नवंबर-दिसंबर में 50 ओवर के प्रेसिडेंट कप के साथ अपना अभियान शुरू करेंगे। इसके बाद प्रथम श्रेणी प्रेसिडेंट ट्रॉफी होगी, जिसका समापन जनवरी 2026 में होगा। दोनों टूर्नामेंटों में आठ शीर्ष स्तरीय टीमें शामिल होंगी, जिनमें गनी ग्लास, केआरएल, ओजीडीसीएल, पीटीवी, साहिर एसोसिएट्स, एसबीपी, एसएनजीपीएल और डब्ल्यूएपीडीए शामिल है। प्रेसिडेंट्स कप कुल में 31 लिस्ट ए (वनडे) मैच होंगे, जबकि प्रेसिडेंट्स ट्रॉफी में 29 रेड-बॉल मैच होंगे। निचली दो टीमों को ग्रेड-टू में भेज दिया जाएगा, जबकि ग्रेड-टू की शीर्ष दो टीमों को प्रमोशन मिलेगा और वे ग्रेड-वन में पहुंच जाएंगी। ग्रेड-टूढ्ढ में 14 टीमें होंगी, जिनमें 2024-25 प्रेसिडेंट्स ट्रॉफी ग्रेड-टू के 12 शीर्ष प्रदर्शन करने वाली टीमें और ग्रेड-वन की दो डिमोटेड टीमें शामिल होंगी। यह डिवीजन मार्च से मई 2026 तक तीन दिवसीय मैचों की मेजबानी करेगा।

वहीं दूसरे टीयर में भाग लेने वाली टीमों में अहमद ग्लास, गनी इंस्टीट्यूट, जेडीडब्ल्यू शुगर मिल्स, किंग्समेन, एमआईटी सॉल्यूशंस, पीएएफ, पीएचए रावलपिंडी, पोर्ट कासिम, रेलवे, सरदार ग्रुप, वाइटल टी, विंग 999 स्पोर्ट्स, एचईसी और एशाल एसोसिएट्स टीम शामिल है। ग्रेड थ्री एक नया एडिशन है, जो मार्च-अप्रैल 2026 में आयोजित होगा और इसमें दो दिवसीय मैच खेले जाएंगे। प्लेसमेंट का निर्धारण पिछले सीजन के ग्रेड-ढ्ढढ्ढ प्रदर्शन के आधार पर किया गया था। ग्रेड-थ्री की शीर्ष दो टीमों को दूसरे ग्रेड में प्रमोट किया जाएगा, जबकि ग्रेड-टू की निचली दो टीमों को रेलीगेट कर दिया जाएगा, जिससे प्रतिस्पर्धी चक्र पूरा हो जाएगा। पीसीबी ने ग्रेड-टू टीमों के लिए एक अलग 50-ओवर टूर्नामेंट शुरू करने की योजना का भी खुलासा किया, जिससे घरेलू क्रिकेट का और विस्तार होगा।

बैहर बस स्टैंड बना लावारिस मवेशियों का अड्डा, धमा चौकड़ी से आमजन परेशान

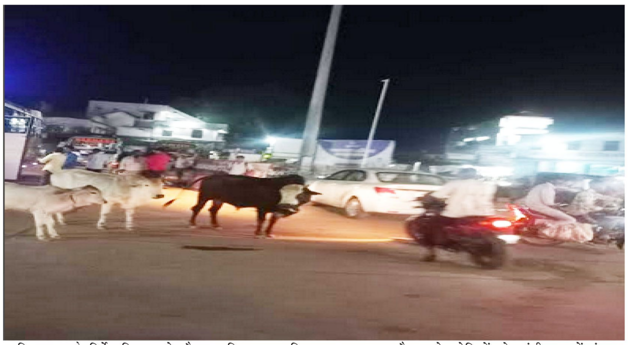

बैहर(पद्मेश न्यूज)। स्थानीय बस स्टैंड इन दोनों पालतू से लावारिस बने मवेशियों का अड्डा बन गया है। जहां आए दिन इन मवेशियों की धमा चौकड़ी देखी जा रही है और इन मवेशियों से राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यहां के लोग अपने पालतू मवेशियों को लावारिस हालत में छोड़ देते हैं और यह मवेशी यहा के बस स्टैंड में लावारिस हालत में विचरण करते देखे जाते हैं यह लावारिस मवेशी बस स्टैंड को अपना चारागाह अभ्यारण समझ कर घूमते रहते हैं। प्रतिदिन यहां बाजार में सामान खरीदने वाले जो लोग बस स्टैंड में अपनी मोटरसाइकिल, सायकल खड़ी कर जाते हैं आवारा मवेशी मोटरसाइकिल में और साइकिल में टँगे थैले को मुंह में दबाकर खींच लेते हैं और सामान को बिखरा देते हैं।। बस स्टैंड मैं आने और जाने वाले वाहन चालकों को इन आवारा मवेशियों से काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है ।यदि कोई मवेशी इन वाहन की चपेट में आ जाए तो मवेशी मालिक बस चालकों पर हावी हो जाते हैं और दबाव बनाकर रुपयों की मांग करने लगते हैं। मगर यह मवेशी मालिकों को यह दिखाई नहीं देता की उनके मवेशी लावारिस हालत में घूमते हैं।। जिनकी व्यवस्था उन्हें करना चाहिए। बरसात के दिनों में इन पालतू मवेशियों से सबसे बड़ी दिक्कत उस समय होती है जब यह मवेशी बस स्टैंड से लगे बाजार दुकानों के खाद्य सामानों पर मुंह मार जाते हैं और धमा चौकड़ी के दौरान मची भगदड़ से बाजार करने वाले ग्रामीण लोग जख्मी हो जाते हैं। इन लावारिस मवेशियों से आम नागरिक दुकानदारों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है पूर्व में यहां पर नगर परिषद की ओर से इन लावारिस मवेशियों के विचरण पर रोक लगाई गई थी और मवेशियों के मालिकों को अपने मवेशियों को अपने घर में सुरक्षित रखना के निर्देश दिए गए थे और सुरक्षित नहीं रखने और लावारिस पाए जाने पर और अर्थदंड से दंडित करने का अभियान चलाया गया था। किंतु यह अभियान अब सिमट कर रह गया और और मवेशी मालिक अपने मवेशियों को बेखोफ होकर लावारिस छोड़ दे रहे हैं।। नगर प्रशासन इन लावारिस घूम रहे मवेशियों को कांजीहाउस में बंद कर उनके मालिको के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई कर जनमानस को राहत पहुंचने की मांग नगर वासियों ने की है।

जिला कबड्डी संघ की आवश्यक बैठक 18 को

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिला कबड्डी संघ सचिव रमेश दीक्षित ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि 18 जुलाई दिन शुक्रवार को जिला कबड्डी संघ की एक आवश्यक बैठक श्रीमति अनुभा मुंजारे अध्यक्ष जिला कबड्डी संघ बालाघाट एवं विधायक बालाघाट की अध्यक्षता में समय दोपहर 03 बजे सर्किट हाउस बालाघाट में आयोजित की जाएगी।जिसमें जिला कबड्डी संघ के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहेंगे। ताकि बैठक सफल बनाकर अहम फैसले लिए जा सके। बताया गया कि इस बैठक में आने वाले कुछ माह में जिले के अंदर आयोजित कबड्डी टूर्नामेन्ट जो की ग्राम में समिति के माध्यम से आयोजित होते है उनकी रूप रेखा भी बनाई जाएगी।वही जिले की कबड्डी टीम (सभी 6 वर्गो) की जो कि स्टेट चेम्पीयनशीप में हिस्सा लेती है उसकी भी रूपरेखा तैयार की जाएगी। जिन्होंने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से संघ के सभी पदाधिकारियो सदस्यों से आयोजित बैठक में उपस्थित की अपील की है।

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय उकवा में लेटेरल एन्ट्री से कक्षा 11वी में प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले के एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय उकवा में लेटेरल एंट्री से कक्षा 11वीं में प्रवेश के लिए 18 जुलाई तक आवेदन आमंत्रित किये गए है। विद्यालय प्राचार्य ने जानकारी देते हुए बताया कि एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय उकवा में वर्ष 2025-26 में कक्षा 11वी वाणिज्य संकाय में 07 बालक की रिक्त सीट के लिए अनुसूचित जनजाति, बैगा जनजाति, विमुक्त घुमक्कड जनजाति, दिव्यांग अभ्यर्थी , अनाथ अभ्यर्थी आवेदन कर सकते है। कक्षा 11वी में प्रवेश लिए मप्र या सीबीएसई बोर्ड से कक्षा 10वी 60 प्रतिशत अंको से उत्तीर्ण होना चाहिए। बैगा जनजाति एवं दिव्यांग अभ्यर्थी को 05 प्रतिशत अंकों की शिथिलता दी जाएगी। आवेदक के साथ डिजिटल जाति प्रमाण पत्र , आधार कार्ड , स्क्क्ष्नस्र पंजीयन प्रमाण पत्र, दो फोटोग्राफ्स, पिछली कक्षा उत्तीर्ण की अंकसूची के साथ विद्यालयीन समय पर उपस्थित होकर 18 जुलाई तक आवेदन कर सकते है ।

नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल पर वन टाईम रजिस्ट्रेशन करने के लिए पीजी कॉलेज में 17 से 22 जुलाई तक शिविर का आयोजन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। शासन के निर्देशो के अनुसार महाविद्यालय में अध्ययनरत जनजातीय तथा अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थियों, जिन्हें केन्द्र प्रवर्तित पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (वार्षिक पारिवारिक आय सीमा राशि 2 लाख 50 हजार रुपये से कम) का लाभ प्राप्त होता है, उन्हें वर्ष 2025-26 में छात्रवृत्ति योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल (हस्क्क) पर वन टाईम रजिस्ट्रेशन (ह्लञ्जक्र) कराना अनिवार्य है। विद्यार्थियों द्वारा एक बार ओटीआर नंबर प्राप्त कर लिये जाने के पश्चात भविष्य में भी आगामी कक्षाओं में इसी नंबर के आधार पर छात्रवृत्ति योजनाओं का लाभ प्राप्त किया जा सकेगा, जिसके लिए पृथक से पुनः ओटीआर की आवश्यकता नहीं होगी। छात्र/छात्राओं का नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल (हस्क्क) पर वन टाईम रजिस्ट्रेशन (ह्लञ्जक्र) करने हेतु महाविद्यालय के छात्रवृत्ति शाखा में 17 से 22 जुलाई 2025 तक कुल 05 दिवस कार्यालयीन समय में (शासकीय अवकाश छोड़कर) कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। जनजातीय तथा अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थी महाविद्यालय के छात्रवृत्ति शाखा में उपस्थित होकर वन टाईम रजिस्ट्रेशन (ह्लञ्जक्र) कराना सुनिश्चित करें। पीजी कॉलेज बालाघाट में वन टाईम रजिस्ट्रेशन (ह्लञ्जक्र) के लिए आवश्यक दस्तावेज के रूप में विद्यार्थी का आधार कार्ड एवं विद्यार्थी का आधार में दर्ज मोबाइल नंबर अनिवार्य होगा।

नशे से दूरी है ज़रूरी विशेष अभियान के अंतर्गत पीएमश्री शासकीय कन्या शाला की छात्राओं को किया गया जागरूक

किरनापुर(पद्मेश न्यूज)। पुलिस मुख्यालय, भोपाल मध्यप्रदेश द्वारा जारी निर्देशों पालन में नशे से दूरी है ज़रूरी विषय पर 15 से 30 जुलाई 2025 तक संचालित विशेष जन-जागरूकता अभियान के अंतर्गत आज दिनांक 16 जुलाई 2025 को किरनापुर थाना प्रभारी अशोक कुमार ननामा द्वारा व्यापक जन-जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। जिसके तहत पीएमश्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला किरनापुर मे थाना प्रभारी द्वारा बताया गया है कि अभियान का उद्देश्य समाज के युवाओं को नशे की लत के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए उन्हें नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना है।नशे से दूरी है ज़रूरी आयोजित प्रमुख कार्यक्रम मे रील्स एवं शॉर्ट फिल्म स्क्रीनिंग शैक्षणिक संस्थानों में विद्यार्थियों के लिए नशा मुक्ति विषय पर केंद्रित रील्स व शॉर्ट फिल्म्स का प्रदर्शन कर नशे के दुष्परिणामों और नशामुक्त जीवन के लाभों को सरल भाषा में समझाया गया। वही छात्राओं एवं शिक्षकों को नशामुक्त समाज निर्माण में सहयोग देने की शपथ ली एवं संकल्प लिया कि वे स्वयं भी नशे से दूर रहेंगे और दूसरों को भी इसके विरुद्ध जागरूक करेंगे। इसके अलावा स्कूल में जनसंवाद का आयोजन कर विद्यार्थियों को नशा मुक्ति विषय पर चर्चा करने का अवसर दिया गया एवं पुलिस अधिकारियों ने नशे से जुड़े कानून, मानसिक और सामाजिक प्रभावों पर जानकारी प्रदान की। तथा नशा मुक्ति जागरूंकता अभियान में विद्यार्थियों के साथ-साथ शिक्षक एवं स्टाफ सदस्य भी अभियान में सक्रिय रूप से शामिल हुए और समाज को नशे से मुक्त बनाने के प्रयास में अपनी सहभागिता सुनिश्चित की।जन-जागरूकता कार्यक्रम दौरान पुलिस अधिकारियों ने युवाओं से अपील की कि वे नशे से दूर रहें और अपने मित्रों, परिवारजनों एवं समाज के अन्य लोगों को भी इसके दुष्प्रभावों से सचेत करें। जन-जागरूकता अभियान दौरान महत्वपूर्ण नंबरो के बारे में जानकारी दी गई।

पीजी कॉलेज में 10 दिवसीय राखी, मेंहदी प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालाघाट में 16 जुलाई से 10 दिवसीय राखी निर्माण एवं मेंहदी प्रशिक्षण कार्यक्रम कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी विवेकोनंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ एवं आईक्यूएसी सेल के तत्वाधान में किया गया है। इस प्रशिक्षण का आयोजन आगामी रक्षाबंधन उत्सव को दृष्टि में रखते हुये व विद्यार्थियों को स्वरोजगार एवं कलात्मक विकास के प्रति जागरूक करने के लिए किया गया है। इसमें छात्र-छात्राओं के द्वारा उत्साह से राखी तैयार करना सीखा जा रहा है। साथ ही श्रीमती जयश्री जैसवाल द्वारा विद्यार्थी को राखी व मेंहदी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कार्यक्रम का संचालन आईक्यूएसी सेल प्रभारी एवं समाजशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. सीमा श्रीवास्तव, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. कंचन मसराम, एवं स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ट प्रभारी टी.पी.ओं. डॉ. प्रतिमा बिसेन के निर्देशन एवं प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे के मार्गदर्शन में किया जा रहा है।

औवेसी की पार्टी से अलग हुई इकलौती गैर मुस्लिम पार्षद, पिता से विवाद के कारण उठाया कदम

खरगोन। मध्य प्रदेश खरगौन नगर पालिका परिषद की वार्ड क्रमांक 2 की एआईएमआईएम की एकमात्र गैर मुस्लिम पार्षद ने धर्म परिवर्तन के आरोपों को लेकर पार्टी से इस्तीफा दिया है। खरगोन की वार्ड क्रमांक 2 से एआईएमआईएम के टिकट से चुनाव जीतने वाली पार्षद अरुण उपाध्याय ने राष्ट्रीय कार्यालय हैदराबाद को अपने इस्तीफे में कहा कि वे निजी कारणों के चलते प्रदेश कोर कमेटी के पद और पार्टी की सदस्यता से इस्तीफा दे रही हैं।

उन्होंने बुधवार को इस्तीफा के कारण पर चर्चा करते हुए कहा कि उनके पति श्यामलाल उपाध्याय 2022 में चुनाव जीतने के बाद से पार्षद पद छोड़ने का दबाब बना रहे थे। पद छोड़ने से मना करने के बाद उन्होंने विगत दो वर्षों से उन पर फंड लेकर धर्म परिवर्तन करवाने का आरोप लगाकर विभिन्न फोरमों पर शिकायत भी की है। उन्होंने बताया कि वे जान से मारने की भी धमकी देते हैं, इसलिए अलग होकर उनके विरुद्ध तलाक का केस भी दायर किया है। इसके अलावा उन्होंने 15 दिन पहले पति के खिलाफ पुलिस अधीक्षक से शिकायत भी की है।

उन्होंने बताया कि न उन्होंने स्वयं धर्म परिवर्तन किया है, और ना ही वे फंड लेकर लोगों का धर्म परिवर्तन करवा रही हैं। उन्होंने कहा कि पति से विवाद कारण पार्टी थी, इसलिए वे औवेसी की छोड़ रही हैं, लेकिन पार्षद के रूप में काम करती रहेंगी। उन्होंने कहा कि मैंने पति से इन आरोपों को सिद्ध करने के लिए भी कहा है। 2022 के निकाय चुनाव में ओवैसी की पार्टी से प्रदेश में करीब आधा दर्जन पार्षद जीते थे। इसमें खरगोन की हिन्दू महिला अरुणा सहित तीन पार्षद भी शामिल थे। वे एआईएमआईएम से प्रदेश की पहली हिंदू पार्षद बनकर चर्चा में रहीं। वार्ड 2 से अरुणा के सामने भाजपा प्रत्याशी सुनीता गांगले और कांग्रेस की शिल्पा सोनी मैदान में थीं।

क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं को लेकर खैरलाँजी में कांग्रेस का धरना प्रदर्शन कल

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। खैरलांजी के तहसील कार्यालय परिसर में १८ जुलाई को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में क्षेत्र की विभिन्न मांगो को लेकर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन का आयोजन किया गया है। यह धरना प्रदर्शन बिजली की लगातार हो रही ऑख मिचौली को तत्काल बंद करवाने, क्षेत्र में जुवा, सट्टा , अवैध रूप से चल रहे ढाबा,जानवरो की अवैध तस्करी पर लगाम लगाने, बटाकंन, सीमांकन रिकार्ड दुरस्ती, मुख्यमंत्री कृषक कल्याण, आर बी सी ६४ के प्रकरण कई वर्षों से लंबीत उनका निराकरण करवाने, क्षेत्र में डी ए पी युरीया, पोटास ,सुपर फास्पेट तत्काल किसानो को उललब्ध कराया जावें ,क्षेत्र में बिक रहे नकली खाद पर कार्यवाही की किया जायें, नहर में तत्काल पानी छोड़ा जायें, ताकि किसानो को धान रोपाई में आसानी हो। तहसील मुख्यालय के समस्त सभी विभागीय अधिकारीयों कर्मचारियों का तत्कान मुख्यालय में निवासरत होना अनिवार्य किया जायें, विशेषकर कृषि विभाग व राजस्व विभाग का एवं विभिन्न मांगी को लेकर धरना प्रदर्शन किया किया जाना हैं। यह कार्यक्रम मुख्य अतिथि पूर्व सांसद विश्वेश्वर भगत ,प्रमुख अतिथि पूर्व सांसद बोधसिंह भगत ,अध्यक्षता विधायक विवेक पटेल, विशेष अतिथि गोकुलप्रसाद गौतम ब्लाक अध्यक्ष खैरलांजी, भोजेश्वर पटले ब्लाक अध्यक्ष वारासिवनी,,लोमहर्ष बिसेन जि.पं.सदस्य,जावेद अली, दुर्गाप्रसाद लिल्हारे जनपद उपाध्यक्ष खैरलांजी ,फेकनलाल डोहरे पूर्व अध्यक्ष ज.पं. खैरलाँजी, लक्ष्मी वाघाड़े ,संदेश सैयाम ,रेशमा कुमरे ,ज्योति उमरे जि.पं. सदस्य, विद्या परिहार ,मधु गजभिये ,जुबेदा अंसारी ,ललीता सहारे ,खिलेश्वरी बिसेन जं.पं सदस्य ,गंगाराम डहरवाल, विनय जायस्वाल ,सुरेश वानखेंड़े की उपस्थिति में प्रारंभ किया जाएगा। जिसमें बड़ी संख्या में कांग्रेसियों से उपस्थित होने की अपील पूर्व जिला पंचायत सदस्य रामकुमार नगपुरे ,देवराज भोयर, योगेश सुलकिया एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी खैरलांजी के पदाधिकारी सदस्यों ने की है।

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने कहा

कल के हथियारों से आज की जंग नहीं जीत सकते

नई दिल्ली। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने बुधवार को कहा कि हम कल के हथियारों से आज की लड़ाई नहीं जीत सकते। उन्होंने कहा विदेश से इम्पोर्ट की गई टेक्नोलॉजी पर निर्भरता हमारी युद्ध तैयारियां कमजोर करती है।

सीडीएस ने कहा कि यह हमें कमजोर बना रही है। ऑपरेशन सिंदूर ने हमें दिखाया कि हमारे लिए स्वदेशी सी-यूएएस (काउंटर-अनमैंड एरियल सिस्टम) यानी एंटी ड्रोन सिस्टम क्यों जरूरी है। हमें अपनी सुरक्षा के लिए इन्वेस्टमेंट करना होगा। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान ने अनआर्म्ड ड्रोन्स का इस्तेमाल किया। अधिकतर ड्रोन्स मार गिराए गए। ये हमारे किसी भी मिलिट्री या सिविल इन्फ्रास्ट्रक्चर को कोई नुकसान नहीं पहुंचा सके। सीडीएस ने ये बातें दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में यूएवी (अनमैंड एरियल व्हीकल) और सी-यूएएस (काउंटर-अनमैंड एरियल सिस्टम) की प्रदर्शनी में कहीं।

सेना ने ड्रोन्स का क्रांतिकारी इस्तेमाल किया

युद्ध में ड्रोन के इस्तेमाल पर जनरल चौहान ने कहा- मुझे लगता है कि ड्रोन्स इवॉल्यूशनरी (विकासवादी) हैं और युद्ध में उनका इस्तेमाल बहुत क्रांतिकारी रहा है। जैसे-जैसे उनकी तैनाती और दायरा बढ़ा, सेना ने क्रांतिकारी तरीके से ड्रोन का इस्तेमाल किया। हमारे लड़े गए कई युद्धों में आपने यह देखा है। उन्होंने कहा- हम इम्पोर्टेड टेक्नोलॉजी पर निर्भर नहीं रह सकते, क्योंकि यह हमारे युद्ध और डिफेंस ऑपरेशन के लिए महत्वपूर्ण हैं। विदेशी तकनीकों पर निर्भरता हमारी तैयारियों को कमजोर करती है। उत्पादन बढ़ाने की हमारी क्षमता को कम करती है।

जैन सामुदायिक भवन बालाघाट में मध्यस्थता जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट द्वारा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश व अध्यक्ष प्राणेश कुमार प्राण के मार्गदर्शन में जैन सामुदायिक भवन बालाघाट में मध्यस्थता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट सतीष शर्मा, जिला विधिक सहायता अधिकारी जीतेन्द्र मोहन धुर्वे, अधिवक्ता डॉ. आरके जैन, अधिवक्ता जितेन्द्र जैन, जय कुमार जैन, अधिवक्ता सुरभि जैन व अन्य पदाधिकारी एवं पक्षकारगण उपस्थित रहे।

इस जागरूकता कार्यक्रम में राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण और एमसीपीसी द्वारा शुरू किए गए 'राष्ट्र के लिए मध्यस्थता' 90-दिवसीय विशेष मध्यस्थता अभियान के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। अभियान वैकल्पिक विवाद समाधान के ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जागरूकता कार्यक्रम में मीडिएटर द्वारा सफल प्रकरणों के अनुभव साझा किये गये, पक्षकारों को मध्यस्थता योजना के संबंध में जानकारी देते हुए बताया गया कि मध्यस्थता विवादों को निपटाने की सरल एवं निष्पक्ष प्रक्रिया है। मध्यस्थ दबाव रहित वातावरण में विभिन्न पक्षो के विवादों का निपटारा कराता है।

कार्यक्रम में मध्यस्थता के लाभों के बारे में बताते हुए कहा गया कि विवादों का अविलम्ब एवं शीघ्र समाधान होता है, मध्यस्थता की प्रक्रिया पूर्णतः गोपनीय होती है। सामाजिक सद्भावना कायम रखने में सहायक होता है, साथ ही पक्षकारों को मध्यस्थता के माध्यम से प्रकरणों के निराकरण किये जाने के लिए प्रेरित किया गया।

विश्व की नंबर वन क्रीम का दावा कर फंसी इमामी, उपभोक्ता आयोग ने ठोंका 30 हजार का जुर्माना

बोरोप्लस क्रीम को लेकर जारी किया गया विज्ञापन

अजमेर। अजमेर जिला उपभोक्ता आयोग (कंज्यूमर फोरम) ने बोरोप्लस क्रीम बनाने वाली कंपनी इमामी पर 30 हजार रुपये का जुर्माना ठोंक दिया है। आयोग ने कंपनी को इस तरह के भ्रामक विज्ञापन में सुधार करने और फिर विज्ञापन जारी करने का निर्देश दिया है। भविष्य में ऐसी गलती न हो, इसके लिए बिना वैधानिक प्रमाण (लीगल प्रूफ) के विश्व की नंबर वन जैसे दावे फिर नहीं करने के लिए भी कंपनी को सख्त मना कर दिया गया है।

क्या था पूरा मामला?

अजमेर के वकील तरुण अग्रवाल ने उपभोक्ता अदालत में बोरोप्लस के दावों को लेकर वाद दायर किया था। उन्होंने बताया कि कंपनी अपने विज्ञापनों में क्रीम को विश्व की नंबर वन बता रही थी, जबकि अपनी वेबसाइट पर बारोप्लस को भारत की नंबर वन और क्रीम के रैपर पर भारत में सबसे अधिक बेची जाने वाली क्रीम बताया गया था। अग्रवाल का तर्क था कि कंपनी ग्राहकों को गुमराह करने और भ्रमित करने के लिए ऐसा प्रचार कर रही है।

इसके बाद वकील अग्रवाल ने कंपनी को लीगल नोटिस भेजकर विज्ञापन की विरोधाभासी स्थिति स्पष्ट करने का अनुरोध किया था, लेकिन कंपनी ने कोई जवाब नहीं दिया। आयोग के सामने कंपनी के वकीलों ने बताया कि मार्च 2018 को समाप्त होने वाली अवधि में एंटीसेप्टिक क्रीम की स्किन क्रीम की श्रेणी में बोरोप्लस पूरे भारत में पहले नंबर पर रही थी। हालांकि, विश्व की नंबर वन क्रीम होने के दावे पर कंपनी कोई जवाब और साक्ष्य पेश नहीं कर पाई।

इसके बाद अजमेर जिला उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष अरुण कुमावत, सदस्य दिनेश चतुर्वेदी और जय श्री शर्मा ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद 15 जुलाई को निर्णय दिया। आयोग ने कहा कि कंपनी बेस्ट, अमेजिंग जैसे शब्दों का इस्तेमाल कर सकती है, लेकिन बिना वैश्विक प्रमाण (ग्लोबल प्रमाण) के विश्व की नंबर वन क्रीम जैसे दावे करना भ्रामक विज्ञापन की श्रेणी में आता है।

बिहार में बड़े पैमाने पर होगी महिला शिक्षकों की भर्ती...नारी शक्ति को सेंधने में जुटे सुशासन बाबू

पटना। बिहार में जल्द ही बड़े पैमाने पर शिक्षकों की नियुक्ति होगी। इन नियुक्तियों में राज्य की महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने खुद सोशल मीडिया एक्स पर इसकी जानकारी दी।

पोस्ट में नीतिश ने कहा कि शिक्षा विभाग को कहा है कि सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों की रिक्तियों की गणना तुरंत करे और इस पर नियुक्ति के लिए टीआरई-4 की परीक्षा शीघ्र लेने की कार्रवाई करे। राज्य सरकार ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि नियुक्तियों में 35 प्रतिशत महिलाओं के लिए आरक्षण का लाभ बिहार की निवासी महिलाओं को मिलेगा।

नीतीश कैबिनेट ने श्रम विभाग के उस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी, जिसके तहत अगले पांच वर्षों (2025-2030) में राज्य के युवाओं को एक करोड़ नौकरियां और रोजगार के मौके प्रदान किए जाएंगे। बिहार सरकार ने इसके लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में 12 सदस्यीय समिति गठित करने का भी निर्णय लिया है। इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले यह फैसला महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

नीतिश ने पोस्ट में लिखा मुझे यह बताकर खुशी हो रही है कि राज्य में अब तक 10 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी और करीब 39 लाख लोगों को रोजगार दिया जा चुका है तथा 50 लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी/रोजगार देने के लक्ष्य को निश्चित रूप से प्राप्त किया जाएगा।

10 रुपये के सिक्कों को लेकर आरबीआई ने दूर किया भ्रम....

नई दिल्ली। आम आदमी से लेकर दुकानदारों और सार्वजनिक परिवहन तक अक्सर 10 रुपये के सिक्कों को लेकर असमंजस की स्थिति बनी रहती है। कोई सिक्के का आकार देखकर लेने से मना कर देता है, कोई कहता है ये सिक्का नहीं चलेगा! इसके बाद भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने साफ किया है कि बाजार में मौजूद 10 रुपये के सभी 14 डिज़ाइन पूरी तरह वैध हैं और किसी भी डिज़ाइन का सिक्का अस्वीकार नहीं कर सकते है।

आरबीआई ने स्पष्ट किया है कि सिक्के का आकार, डिज़ाइन या उस पर बनी आकृति उसकी वैधता तय नहीं करती। 10 रुपये के सिक्कों के कई डिज़ाइन बाजार में चलन में हैं। कुछ सिक्के बड़े आकार के हैं, कुछ छोटे हैं, कुछ पर सूरज जैसी किरणों की आकृति बनी होती है और कुछ पर नहीं।

मोबाइल दुकान के संचालक ने की 60 लाख रुपए से अधिक की धोखाधड़ी

मामला शहर के नोवेल्टी हाउस गली का, कोतवाली पुलिस ने लाखों रुपए की धोखाधड़ी करने के मामले में, मामला किया पंजीबद्ध

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कोतवाली थाने में एक महिला द्वारा नोवेल्टी हाउस गली में दुकान दिलाने के नाम पर एक मोबाइल दुकान के संचालक पर 17 लाख रुपए की धोखाधड़ी किए जाने की शिकायत की है। इस शिकायत के बाद नोवेल्टी हाउस गली में अलग-अलग लोगों से मोबाइल दुकान के संचालक ने 60 लाख रुपए से अधिक की धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया हैं । अब दुकानदार अपने घर से फरार हो गया है । इस पूरे मामले में पुलिस द्वारा लाखों रुपए की धोखाधड़ी करने के मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है और पूरे मामले को कोतवाली पुलिस ने जांच में लिया है।

मिली जानकारी अनुसार जिला सिवनी निवासी तेजेश्वरी धुर्वे बालाघाट में शासकीय कर्मचारी थीं, जिनका सिवनी स्थानांतरण हो चूका है। बालाघाट में रहते हुए उनके पड़ोसी व मोबाइल दुकान संचालक रूपेश मुनेश्वर ने तेजेश्वरी को नावेल्टी हाउस गली में एक दुकान बिकने की जानकारी दी। उसने दुकान की कीमत 17 लाख रुपये बताई। तेजेश्वरी ने दुकान खरीदने से मना कर दिया, लेकिन रूपेश ने महिला को बातों में उलझाया और एक-साथ पैसे देने के बजाय थोड़ी-थोड़ी रकम देने की बात कही। महिला झांसे में आ गई। तेजेश्वरी ने 15 मार्च 2023 से नौ दिसंबर 2024 के बीच रूपेश के बैंक खातों में 18 किस्तों में 12.5 लाख रुपये आनलाइन भेज दिए। शेष राशि के लिए बैंक से लोन लिया। दुकान की पूरी राशि देने के बाद जब तेजेश्वरी ने दुकान की रजिस्ट्री कराने की बात कही, तो रूपेश समय मांगने लगा। फिर आना-कानी शुरू कर दी। तेजेश्वरी जब दुकान के बारे में पता करने नावेल्टी हाउस गली पहुंची, तो वह दंग रह गई। पता चला कि वहां कोई दुकान नहीं बेची जा रही है। तेजेश्वरी ने आसपास दुकानदारों से पूछताछ की, तो कई चौकाने वाले राज सामने आए। दुकानदारों ने बताया कि रूपेश खुद को जिस मोबाइल दुकान का संचालक बताता था, वह दुकान भी उसकी नहीं है। रुपेश द्वारा उन्हें धोखा देते हुए पैसा लिया गया है और वहां यहां से फरार हो गया है और उसने सिर्फ उनके साथ ही धोखाधड़ी नहीं की है बल्कि नोवेल्टी हाउस गली में रहने वाले कई व्यापारी और लोगों से उन्होंने अलग-अलग काम के नाम पर तो कुछ लोगों से जमीन के नाम पर भी पैसा लिया है और अब वह फरार हो चुका है इसके बाद तेजेश्वरी ने इस पूरी घटना की शिकायत कोतवाली थाने में कर दी है जिसमें कोतवाली पुलिस द्वारा महिला की शिकायत पर आरोपित रूपेश महेंद्र मुनेश्वर निवासी देवगांव किरनापुर के खिलाफ बीएनएस 2023 की धारा 318 (4) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

इन लोगों से भी रुपेश ने लिया लाखों रूपये

जब तेजेश्वरी नोवेल्टी हाउस गली में दुकान ढूंढने पहुंची थी, तब उन्हें पहले तो यह जानकारी लगी कि नोवेल्टी हाउस गली में कोई दुकान नहीं बिक रही है और साथ ही रूपेश द्वारा नोवेल्टी हाउस गली में अलग-अलग लोगों से लाखों रुपए लिए गए हैं जिसमें दिनेश मोनानी, संजय मगलानी और ऋषभ मेहता नामक व्यापारी मिले। दिनेश ने बताया कि रूपेश ने उनसे जमीन के नाम पर नौ लाख रुपये, सजय मंगलानी से जमीन खरीदने के नाम पर 13.50 लाख रुपये और ऋषभ मेहता से 20 लाख रुपये लिए हैं। तीनों व्यापारियों ने यह भी बताया कि रूपेश ने सिर्फ उनसे बल्कि शहर के कई व्यापारियों से बड़ी रकम धोखाधड़ी कर ऐंठी है।

महादेव झरना में एक युवक की डूबने से मौत

नहाते समय झरने में छलांग लगाते समय हुई घटना, माता-पिता का इकलौता बेटा था कलश असाटी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। परसवाड़ा थाना क्षेत्र में आने वाले काला पानी के अंदर जंगल धरम कुआ के पास महादेव झरने में डूबने से एक युवक की मौत हो गई। मृतक युवक कलश पिता अरुण असाटी 19 वर्ष लामता निवासी है। 16 जुलाई को दोपहर में यह घटना उसे समय हुई जब यह युवक के अपने एक दोस्त के साथ झरना घूमने आया था। सूचना मिलती ही जिला मुख्यालय से पहुंची एसडीआरईएफ की टीम ने झरना में रेस्क्यु ऑपरेशन चलाकर इस बालक का शव बाहर निकाले। प्राप्त जानकारी के अनुसार कलश असाटी अपने माता-पिता का इकलौता बैठा था। जिसकी दो बड़ी बहनें हैं ।यह भी बताया गया है की कलश असाटी बाहर रहकर पढ़ाई कर रहा था और हाल ही में अपने घर लामता आया हुआ था। 16 जुलाई को कलश असाटी अपने दोस्त भूपेंद्र उइके ग्राम भोंडवा निवासी के साथ परसवाड़ा थाना क्षेत्र में आने वाले कालापानी के अंदर जंगल धरम कुआ के पास स्थित महादेव झरना घूमने के लिए आया था। 2 बजे करीब कलश असाटी अपने दोस्त के साथ झरना में नहा रहे थे तभी कलश असाटी झरना में उपर से छलांग लगाते समय झरने के गहरे पानी मे डूब गया और इस घटना को देख उसके दोस्त भूपेंद्र उइके ने अन्य लोगों को बताया। खबर मिलते कलश असाटी के परिवार के साथ ही परसवाड़ा पुलिस थाना प्रभारी मदनलाल इवने उप निरीक्षक शिवाजी तिवारी सहित पुलिस कर्मचारी झरना पहुंचे। मौके पर कई लोगों का हुक्म लग गया था ।जिला मुख्यालय से पहुंची एसडीआरईएफ की टीम ने झरना में

रेस्क्यु ऑपरेशन चलाकर बड़ी मशक्कत के साथ शाम 6:30 बजे कलश असाटी का शव झरना से बाहर निकले और परसवाड़ा पुलिस के हवाले कर दिए। कलश असाटी का शव परसवाड़ा में अस्पताल में सुरक्षित रख दी है जिसका पोस्टमार्टम 17 जुलाई को किया जाएगा।

सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार घायल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। नगर के बैहर रोड होटल कायनात के पास सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति घायल हो गया। घायल व्यक्ति रफीक खान पिता अहमद खान 45 वर्ष वार्ड नंबर 9 नवाब नगर बैहर रोड बालाघाट निवासी है। जिसका इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार 16 जुलाई को 9:45 बजे रफीक खान मोटरसाइकिल में अपने घर से बस स्टैंड की ओर आ रहे थे। तभी होटल कायनात के पास पीछे से तेज रफ्तार से आ रही मोटरसाइकिल ने रफीक खान की मोटरसाइकिल को पीछे से ठोस मार दी। जिससे रफीक खान मोटरसाइकिल सहित गिरने से घायल हो गए। इस दौरान वहा पर बहुत भीड़ लग चुकी थी। किसी व्यक्ति ने रफीक खान को ऑटो से जिला अस्पताल लाया जिला अस्पताल में रफी खान का इलाज किया गया वहीं जिला अस्पताल पुलिस ने रफीक खान का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु कोतवाली भिजवा दी है।

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा इंजीनियरिंग & पॉलिटेक्निक कॉलेज
प्रवेश प्रारंभ
B.Tech. & Polytechnic
▷ COMPUTER SCIENCE ENGINEERING
▷ MINING ENGINEERING
▷ CIVIL ENGINEERING
▷ MECHANICAL ENGINEERING
▷ ELECTRICAL ENGINEERING
Lateral Entry Admission NEP 2020 के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा/B.Sc. (Maths) उत्तीर्ण छात्रों का B.Tech. एवं ITI उत्तीर्ण छात्रों का पॉलिटेक्निक के
द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा, बालाघाट
6262604111, 9425836824

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

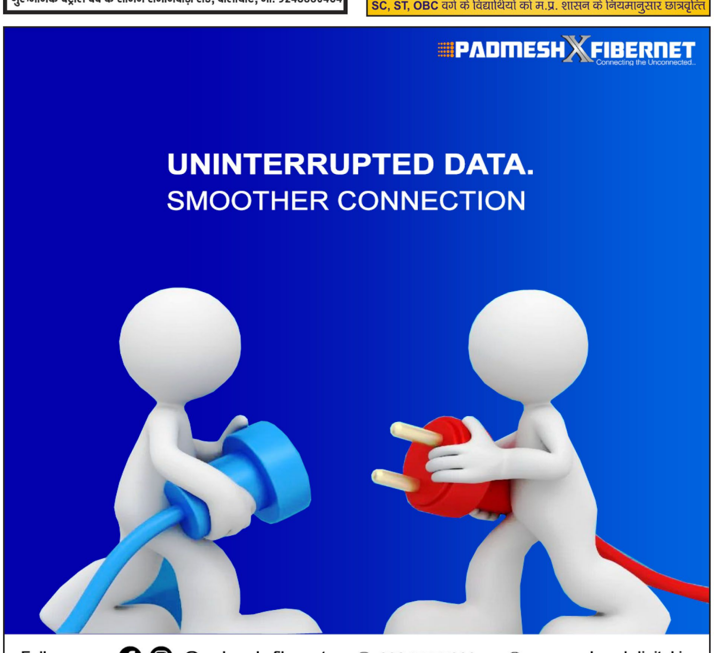

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट